सूर्योदय 6:00 सूर्यास्त 6:39

आज का तापमान

शिमला	17 न्यू	25 अधि
धर्मशाला	22 न्यू	27 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,710.76
निफ्टी	24,741.00
सोना 1,06,446	चांदी 1,23,581

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने की संन्यास से वापसी

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 6 सितंबर 2025 | 22 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 249, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी

एजेंसी, मुंबई। मुंबई पुलिस वीरवार देर रात व्हास्टऐप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर निकलेंगे, इसलिए सुरक्षा को और सख्त कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

अफगानिस्तान में 9 घंटों में कई बार कांपी धरती

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान में 9 घंटों में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। वीरवार सुबह पहले 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। फिर इसी दिन रात में करीब 10.26 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। चंद मिनटों बाद रात करीब 11.58 बजे एक बार फिर धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई। आधी रात के बाद करीब 3.16 बजे 4.9 तीव्रता का एक और भूकंप आया। बता दें कि इसी हफ्ते आए भूकंप के कारण अफगानिस्तान में अब तक 2200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। (अनंत ज्ञान)

अजित पवार ने महिला आईपीएस को धमकाया

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार का महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से बहस का वीडियो सामने आया है। इसमें वह महिला अधिकारी को फटकारते नजर आ रहे हैं। घटना 31 अगस्त को सोलापुर जिले के कुर्दु गांव की बताई जा रही है, जहां आईपीएस कृष्णा अवैध खनन रोकने पहुंची थीं। वीडियो में नजर आ रहा है कि सिविल ड्रेस में अंजना कृष्णा हाथ में मोबाइल लिए खड़ी हुई हैं। उनकी कॉल पर अजित पवार से बात चल रही है। दावा है कि अजित पवार आईपीएस को कार्रवाई रोकने को कह रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका से 5वीं पीढ़ी के विमान इंजन लेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। टैरिफ वॉर की तल्खी के बीच भारत की विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) के बीच 5वीं जेनरेशन के जेट विमान इंजन को लेकर रक्षा सौदे फाइनल स्टेज में हैं। सबसे बड़ा सौदा जेट जीई-414 इंजन का होने जा रहा है। यह इंजन भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान एम्का (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) में लगेगा। जीई ने इस इंजन की 80% तकनीकी ट्रांसफर की एचएएल की शर्त मान ली है। सौदे में यह तय होना है कि जीई इंजन के बाकी पार्टनर्स के साथ तकनीक ट्रांसफर की सहमति खुद देगी या एचएएल को बातचीत में सहयोग देगी। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- बड़सर में अनुराग ठाकुर ने परफ्यूम इत्र सहित कई प्रोडक्ट किए लॉन्च -पेज 2
- भरमौर से दो दिन में 1166 श्रद्धालु निकाले सुरक्षित -पेज 3
- पौंग बांध का जलस्तर 1394.80 फुट तक पहुंचा, गांवों में घुसा पानी -पेज 5
- संधोल अस्पताल की बदहाली पर पंचायत प्रतिनिधि उग्र -पेज 9
- प्रदेश में तबाही का ऐसा मंजर कभी नहीं देखा: सीएम -पेज 11

शिक्षक ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के ध्वजवाहक : राज्यपाल

गवर्नर ने शिक्षक दिवस पर शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 38 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार से किया सम्मानित

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। राजधानी शिमला के अतिथि गृह पीटर हाफ में शिक्षक दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कुल 38 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार और एक शिक्षक को वर्ष 2024 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। सामान्य श्रेणी के 19 शिक्षकों के अलावा इस बार पहली बार उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के 19 शिक्षकों को भी राज्य पुरस्कार और उत्कृष्टता प्रमाणपत्र दिए गए।

शिमला में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और अन्य अतिथियों के साथ सम्मानित शिक्षक।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के ध्वजवाहक हैं। ये हिमाचल के शिक्षक कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी निष्ठा और समर्पण से शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। सामान्य श्रेणी पुरस्कार में अजय सिंह गढ़जमुला (कांगड़ा), अनीता चौधरी सेराथाना (कांगड़ा), देवेंद्र सिंह चौहान पीएमश्री स्कूल रोहड़ू (शिमला), सीमा देवी संधू (शिमला), उमेश कुमार मोरला (मंडी), गुरुदास राम झुंगी (मंडी) को स्टेट लेवल अवॉर्ड मिला। वहीं, ट्राइबल में सेवाएं देने वाले 7 टीचरों को सामान्य पुरस्कार (ट्राइबल क्षेत्र) से सम्मानित किया गया। इनमें गिरधारी लाल तिंदी (लाहौल-स्पीति), विजय कुमार जेबीटी बीर-बेहड़ा स्कूल (हमीरपुर), अजय कुमार जेबीटी दाहड़ स्कूल (बिलासपुर), रितू गोयल जेबीटी बातामंदरी स्कूल (सिरमौर), योग राज निगुलसरी (किन्नौर), जीवन बाला पीएमश्री स्कूल मैहला (चंबा) और विवेक भारद्वाज मनाल दोची (सिरमौर) शामिल हैं। विशेष पुरस्कार की श्रेणी में डॉ. मंजुला शर्मा (शिमला), दीपिका जंदेक शमरोर (सोलन), शिशू पाल जेबीटी सराहन (सिरमौर), कुलदीप नेगी प्राचार्य डाइट (किन्नौर), कैलाश शर्मा समलोटी (कांगड़ा), शिशुपाल सराहां (सिरमौर) और माया राम सराहां (सिरमौर) को सम्मानित किया गया। राज्य सरकार ने पहली बार कॉलेज स्तर पर पुरस्कार देने का फैसला लिया था। हिमाचल से एक कॉलेज प्रिंसिपल और पांच प्रवक्ताओं को भी राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार दिया गया। हमीरपुर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रमोद कुमार पटियाल को प्रिंसिपलों की श्रेणी में पुरस्कार मिला है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में शशि पॉल को राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्ड से नवाजा

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के शिक्षक शशि पॉल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्ड से सम्मानित किया है। नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। गौरतलब है कि शशि पॉल इस वर्ष हिमाचल प्रदेश से इस अवॉर्ड के लिए चयनित होने वाले एकमात्र शिक्षक हैं।

आपदा से निपटने को 3 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार : सीएम

वर्ल्ड बैंक से स्वीकृति का इंतजार, आपदा प्रभावितों का किया जाएगा पुनर्वास

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कुल्लू और मनाली में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया। सीएम ने कहा कि सरकार ने आपदा से निपटने के लिए 3000 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार किया है। वर्ल्ड बैंक से इसकी स्वीकृति मिलनी है। इससे आपदा प्रभावितों का राहत एवं पुनर्वास किया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रभावितों को बसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जिनके पशु बह गए, उन्हें उचित मुआवजा देंगे। जिनका घर व सामान आपदा में ढह गया, उन्हें भी मदद देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों की सहायता अपने सीमित संसाधनों से कर रही है और अभी तक केंद्र सरकार से किसी भी प्रकार की सहायता नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में आपदा प्रभावितों के साथ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावित परिवारों को मकान बनाने के लिए एक बीघा जमीन वन भूमि में प्रदान करने का अनुरोध केंद्र सरकार से किया है, ताकि उन्हें सुरक्षित स्थान पर बसाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 68 प्रतिशत जमीन वन भूमि है तथा राज्य सरकार केंद्र सरकार की अनुमति के बिना आपदा प्रभावितों को यह जमीन नहीं दे सकती।

मुख्यमंत्री सुक्खू कुल्लू जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते हुए।

कुल्लू में हुए नुकसान का किया हवाई सर्वेक्षण

सीएम सुक्खू का हेलिकॉप्टर शुक्रवार सुबह 10.30 बजे शिमला से बंजार के लिए उड़ा। इस दौरान उन्होंने कुल्लू जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मनाली के बाहंग व ओल्ड मनाली में आपदा से हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवारों से भी मुलाकात की और ढांढस बंधाया।

कहा-भाजपा के नेता केवल सोशल मीडिया में सक्रिय

सीएम सुक्खू इस दौरान भारतीय जनता पार्टी पर भी खूब बरसे। उन्होंने विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर पर हमला बोलते हुए कहा कि वह सिर्फ सोशल मीडिया में ही नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता केवल सोशल मीडिया में सक्रिय है, उन्होंने जमीनी स्तर पर आपदा प्रभावित लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। भाजपा का कोई भी नेता प्रभावितों के पास नहीं पहुंच रहा है। उनके सात सांसद है, लेकिन कहीं भी नजर नहीं आ रहे हैं। भाजपा सिर्फ सोशल मीडिया में बयानबाजी और कार्टून बनाने में ही नजर आती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता लोगों के बीच जाकर आपदा के कारण हो रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए आगे आ रहे हैं और राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ आपदा प्रभावितों के साथ खड़ी है।

मणिमहेश यात्रियों को सुरक्षित निकाला

सीएम ने कहा, 'खुशी इस बात की है कि मणिमहेश यात्रियों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।' राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी 9 दिन तक भरमौर में ग्राउंड जीरो पर डटे रहे। उन्होंने कहा कि अब जिन इलाकों में राशन की कमी हो रही है, वहां हेलिकॉप्टर से राशन पहुंचाया जा रहा है। राज्य सरकार हर संभव मदद कर रही है।

सितंबर में अब तक सामान्य से 325% अधिक बारिश

360 लोगों ने गंवाई जान, 49 लोग अभी भी लापता

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने जमकर तबाही मचाई है। सितंबर के पांच दिनों में राज्य में सामान्य से 325 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस अवधि के लिए 29.5 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया था, लेकिन वास्तव में 125.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बिलासपुर जिले में सामान्य से 590, चंबा 177, हमीरपुर 281, कांगड़ा 32, किन्नौर 255, कुल्लू 944, लाहौल-स्पीति 419, मंडी 257, शिमला 561, सिरमौर 446, सोलन 665 व ऊना में 188 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। इस मानसून सीजन में 20 जून से 4 सितंबर तक 360 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 416 लोग घायल हुए हैं। 49 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 161 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है।

कुल्लू में 944 और बिलासपुर में सामान्य से 590 % ज्यादा बारिश दर्ज

कई दिन लगातार बारिश के बाद शुक्रवार को मौसम तो खुल गया, लेकिन दुश्वारियां बरकरार हैं। जगह-जगह भूस्खलन, बाढ़ से राज्य में सैकड़ों सड़कें, बिजली ट्रांसफार्मर व जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं। वहीं, भरमौर में फंसे मणिमहेश यात्रियों को शुक्रवार सुबह वायुसेना के दो चिनूक हेलिकाप्टर से चंबा पहुंचाने का कार्य शुरू हुआ। एनएचपीसी के करियां हेलिपैड में श्रद्धालुओं को पहुंचाया गया। हिमाचल में पहली बार आपदा के दौरान चिनूक का इस्तेमाल हुआ है। राजस्व मंत्री भी चॉपर के जरिए भरमौर से चंबा पहुंचे थे।

मानसून सीजन के दौरान अब तक 3,787 करोड़ रुपए का नुकसान

हिमाचल प्रदेश में जारी बारिश के बीच मानसून सीजन के दौरान अब तक कुल 3787 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। प्रदेश में इस अवधि में बादल फटने की 50, बाढ़ की 95 और भूस्खलन की 130 घटनाएं हुई हैं। इनमें 1627 पक्स्त्रह्य और 3567 कच्चे घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। 447 दुकानों और 4510 गोशालाओं को भी नुकसान हुआ है।

8-9 सितंबर को भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, राज्य के कुछ भागों में 11 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। 8 व 9 सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का येलो अलर्ट है।

भोरंज के विधायक के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका नामंजूर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोरंज (एससी) विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश कुमार के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को आदेश पारित किया है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता द्वारा दायर याचिका को निराधार मानते हुए अस्वीकृत कर दिया और याचिकाकर्ता को 10,000 रुपए का जुर्माना अदा करने का निर्देश भी दिया। डॉ. अनिल धीमान, जो याचिकाकर्ता थे, ने आरोप लगाया था कि भोरंज विधानसभा क्षेत्र में हुए चुनाव में मतगणना में गड़बड़ी हुई। उन्होंने दावा किया कि डाक मतपत्रों की गिनती सही ढंग से नहीं की गई, कुछ मत अस्वीकृत कर दिए गए और बूथ संख्या 95 की ईवीएम संदिग्ध पाई गई। याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रतिवादी सुरेश कुमार ने नामांकन पत्र में आपराधिक मामलों, संपत्ति और बैंक खातों की गलत जानकारी दी। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों और प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण किया। प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने कहा कि याचिका में आवश्यक तथ्य संक्षेप में वर्णित हैं। याचिका भ्रष्ट आचरण के आधार पर दायर नहीं की गई, इसलिए इस आधार पर स्वीकृति का कोई औचित्य नहीं बनता।

देश के लिए विचारधारा भी जरूरी : सीडीएस

बोले-यह राष्ट्र के संचालन के लिए उतनी ही जरूरी, जितना शरीर के लिए खून

एजेंसी, गोरखपुर

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यूपी के गोरखपुर में कहा कि भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने ये बातें कहीं। इस दौरान सीएम योगी भी उनके साथ रहे।

जनरल चौहान ने कहा कि राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां निरंतर बदलती रहती हैं। पहली चुनौती सीमा विवाद की है। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनती है। दूसरी चुनौती पाकिस्तान की ओर से है। भारत के पड़ोसी देश किसी न किसी अस्थिरता से गुजर रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

युद्ध राजनीति का ही विस्तार

सीडीएस ने कहा कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है। युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जब किसी भी देश की सरकार इस स्थिति में पहुंचती है कि सैन्य इस्तेमाल की जरूरत है, तो सैन्य अधिकारी को लिए बुलाया जाता है। बालाकोट ऑपरेशन के बाद भारत ने लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और पाकिस्तान ने एयर डिफेंस की जरूरत पर काम किया। उरी अटैक के बाद जमीनी मार्ग का सहारा लिया। पुलवामा हुआ तो एयर स्ट्राइक की। पहलगाम हुआ तो लोअर एयरस्पेस का सहारा लिया।

बदल रहा युद्ध का स्वरूप

सीडीएस ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। हमारे विरोधी परमाणु हथियारों से लैस हैं। यह भी चुनौती है। किसी भी राष्ट्र के सैन्य क्षमता की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि वहां की सरकार ने शांति काल में रक्षा क्षेत्र पर कितना खर्च किया।

साइबर स्पेस में चुनौतियां

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ऑफिशियल रूप से टर्मिनेट नहीं किया गया है। हमें हथियारों की रीच बढ़नी होगी। नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां होंगी। स्पेस में सर्विलांस का ध्यान रखना होगा। यह करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना होगा।

ट्रंप बोले-हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि रूस और भारत अब चीन के पाले में जा चुके हैं। उन्होंने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।' वहीं, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के इस पोस्ट पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है। बता दें कि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामला की सुनवाई अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। ट्रंप ने 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की थी। इसमें उन्होंने निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप विदेशी सामान पर भारी टैरिफ नहीं लगा सकते। ट्रंप ने कहा था कि भारत पर लगाए गए टैरिफ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाया गया, ताकि युद्ध खत्म करने में मदद मिले। (अनंत ज्ञान)

भारत ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

जनता का बोझ कम करने के लिए की जीएसटी में कटौती: वित्त मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक निजी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि नया जीएसटी स्ट्रक्चर पिछले 8 साल के अनुभव, आर्थिक स्थिति और कोरोना महामारी की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, कि हर क्षेत्र में टैक्स कटौती की गई है, ताकि जनता का बोझ कम हो। सीतारमण ने इसे 'गुड और सिंपल जीएसटी' करार देते हुए कहा कि यह कटौती पूरे देश को लाभ पहुंचाएगी। (अनंत ज्ञान)

कमेंट करने से पहले होमवर्क करे विपक्ष

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दौरान विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'विपक्ष पहले होमवर्क करे, फिर जीएसटी पर कमेंट करे।' उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्ष बताए कि वह अपने कार्यकाल में जीएसटी क्यों नहीं ला पाए? सीतारमण ने जोर देकर कहा कि सरकार महंगाई नियंत्रण और रोजगार सृजन के लिए लगातार कोशिश कर रही है।

यह जनता के लिए राहत की नई उम्मीद

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हर चीज की कीमतों में बदलाव होगा और यह जनता के लिए राहत की नई उम्मीद है।' यह कदम आर्थिक सुधारों को गति देने और निवेश बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जीएसटी दरों में कटौती को बाजार और कारोबार के लिए ऑक्सीजन माना जा रहा है। डेयरी क्षेत्र को भी बड़ी राहत मिली है, क्योंकि दूध और इसके उत्पादों पर जीएसटी कम किया गया है।

सैन्य योजना भारतीय रक्षा मंत्रालय ने सेना को मजबूत बनाने के लिए जारी किया 15 साल का रोडमैप

सेना को 15 साल में मिलेंगे 2200 टैंक व 6 लाख गोले

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय सेना को अगले 15 सालों में 2200 नए टैंक और 6 लाख गोले दिए जाएंगे। सेना के तीनों अंगों को मजबूत करने के लिए एआई तकनीक से लैस हथियार और रडार भी खरीदे जाएंगे। नौसेना को नया एयरक्राफ्ट कैरियर मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को सेना के लिए 15 साल का रोडमैप जारी किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके जरिए सुरक्षा बलों की आधुनिकता पर जोर दिया जाएगा। रिपोर्ट्स का कहना है कि सेना ने प्लानिंग करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के वक्त आई चुनौतियों पर भी ध्यान दिया है।

अमेरिका ने 15 जुलाई को भारत को दूसरा GE-404 इंजन सौंपा था। यह इंजन तेजस लड़ाकू विमान (LCA मार्क 1A) में लगाया जाएगा। इसे तेजस बना रही सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को सौंपा गया है। वायुसेना को इस महीने 2 तेजस मार्क-1ए मिल सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, एचएएल को इस साल के आखिर तक ऐसे 12 इंजन मिल जाएंगे। इनका इस्तेमाल एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स में किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

रूस से नए एसयू-57 लड़ाकू विमान भी ले सकता है भारत

भारत रूस से जल्द ही नए एसयू-57 लड़ाकू विमान ले सकता है। बातचीत अभी शुरुआती दौर में है। रूसी हथियार एजेंसी के निदेशक दिमित्री शुगायेव ने बताया कि हम चाहते हैं कि भारत और रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में साथ आगे बढ़ें। रूसी हथियार एजेंसी के निदेशक दिमित्री शुगायेव ने 3 सितंबर को कहा था कि भारत और रूस अमेरिका के दबाव के बावजूद एस-400 मिसाइल सिस्टम की सप्लाई बढ़ाने पर बात कर रहे हैं। भारत के पास पहले से एस-400 मिसाइल सिस्टम मौजूद है। बता दें कि भारत ने 2018 में रूस से 5.5 अरब डॉलर में एस-400 के 5 स्क्वाड्रन खरीदने की डील की है।

न्यूज ब्रीफ

सीएम आज करेंगे आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शनिवार यानि 6 सितंबर को हमीरपुर जिले का दौरा करेंगे। प्रवास कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह करीब 11 बजे जंगलबैरी के हैलीपैड पर उतरेंगे और खैरी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेंगे। वह राहत एवं पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण करेंगे तथा प्रभावित लोगों से मिलेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के ही गांव चबूतरा पहुंचेंगे और वहां जमीन धंसने से बेघर हुए लोगों से मिलकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करेंगे। दोपहर करीब एक बजे वह एनआईटी हैलीपैड से नादौन विधानसभा क्षेत्र के अमतर के लिए रवाना होंगे। वह नादौन के वार्ड नंबर-4 के आपदा प्रभावित लोगों से मिलेंगे। इसके बाद कुछ देर के लिए नादौन के विश्राम गृह में रुकने के पश्चात मुख्यमंत्री गांव बड़ा के लिए रवाना होंगे। वह बड़ा में भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेंगे और उसके बाद शाम को अमतर मैदान से ही शिमला के लिए रवाना होंगे। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के एक दिवसीय दौरे के मद्देनजर सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्यमंत्री राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसलिए, सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान स्वयं उपस्थित रहें, ताकि मुख्यमंत्री को ताजा स्थिति से अवगत करवाया जा सके।

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप 11 से

अनंत ज्ञान, रंगस। छठी राष्ट्रीय सीनियर एवं सीनियर-ए योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन 11 से 14 सितंबर तक छत्तीसगढ़ में किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश योगासन्न खेल संघ के राज्य सचिव डॉ. विवेक सूद और सहसचिव विनोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने हेतु टेक्निकल डायरेक्टर अजय शर्मा की देखरेख में ऑनलाइन कोचिंग कैंप 6 सितंबर तक चलाया जा रहा है। कैंप में अजय शर्मा, शशि डोगरा, संतोष (कुल्लू), आरती व हितैषी भारद्वाज (मंडी), माया व श्वेता वालिया, सुनील कुमार व अशोक कपिल (बिलासपुर), विनोद वर्मा (शिमला) और अभिषेक व सुनभ (कांगड़ा) कोच के रूप में भाग ले रहे हैं। वहीं खिलाड़ियों में ऋषभ, विकास, गुरमीत, अमित, राहुल, विशाल, तमन्ना, दीक्षिता, वंशिका, प्रियंका, दिशा, कनिष्का, शिवांशी, शालिनी और ज्योति शामिल हैं।

एनएच बनाने की मांग पहुंची दिल्ली दरबार

अनंत ज्ञान, बड़सर। आजादी के 79 बर्ष बीत जाने के बाद शायद ढटवाल क्षेत्र से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे बनने का सपना पूरा हो सके। इस हाईवे निर्माण के लिए ढटवाल क्षेत्र में भूत पूर्वक स्वतंत्रता सेनानी के पोत्रे एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवीर सिंह पटयाल ने भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र संख्या 10 आर-2025-420 पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर की अगुवाई में मंजूरी के लिए भेजा था। केंद्रीय मंत्री ने इस नेशनल हाईवे की मंजूरी के लिए लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों को वस्तु स्थिति से अवगत करवाने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यदि जलाडी भट्ठा भगेड़ एनएच बन जाता है तो दशकों पुरानी नेशनल हाईवे बनाने की मांग पूरी हो जाएगी। नेशनल हाईवे का स्वरूप तैयार करने की मांग स्वीकृति करने पर पटियाल ने भूतल सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व सांसद अनुराग ठाकुर का भी आभार व्यक्त किया है।

यशा डोगरा का सीएसआईआर नेट में 15वां रैंक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से केमिस्ट्री में पीएचडी कर रही यशा डोगरा ने सीएसआईआर नेट की परीक्षा पास कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। यशा ने इस परीक्षा में 15वां रैंक हासिल किया है। उन्होंने अपनी एम एससी की डिग्री भी हिमाचल विश्वविद्यालय से ही पूरी की है, जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत का प्रदर्शन किया। यशा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा में भी विश्वविद्यालय में टॉप कर चुकी है। यशा डोगरा हमीरपुर के डिडवीं टिक्कर की रहने वाली है और यशा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार और दोस्तों को दिया है। उनके पिता डॉ. मनोज डोगरा बड़सर कॉलेज में राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर हैं और उनकी माता स्कूल में शिक्षिका हैं। यशा की यह उपलब्धि उनके परिवार और विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। यशा का सपना है कि वे अपने पिता की तरह कॉलेज में प्रोफेसर बनें और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दें। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मकाम तक पहुंचाया है, और अब वे अपने क्षेत्र में और भी ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर हैं।

व्यापारी लाला पुरुषोत्तम कांग्रेस में शामिल

अनंत ज्ञान, गलोड़। नादौन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को लगातार झटके लग रहे हैं। अब गलोड़ क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी और कडदोह गांव के निवासी लाला पुरुषोत्तम शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उनका क्षेत्र में चार-पांच पंचायतों में अच्छा प्रभाव माना जाता है। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद, कैप्टन सुनील शर्मा, संतोष शर्मा और पंचायत प्रधान सुरजीत कुमार सहित कई नेताओं ने लाला पुरुषोत्तम का हार पहनाकर कांग्रेस में स्वागत किया। पुरुषोत्तम ने कहा कि सीएम सुक्खू आमजन के लिए काम कर रहे हैं और उनकी नीतियों से समाज का वंचित वर्ग लाभान्वित हो रहा है।

आर्य प्रतिनिधि सभा ने बांटी आवश्यक वस्तुएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। चबूतरा में जिन परिवारों के मकान गिर गए है उनके लिए आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश ने निर्णय लिया कि प्रभावित परिवारों की सहायता आवश्यक भेजी है। इस सामग्री को एक ही दिन में तैयार करने में प्रभात मंत्री, आर्य समाज सुंदरनगर ने विशेष प्रयास किया। शुक्रवार को यह राहत सामग्री सरवन प्रधान, आर्य वीर दल के नेतृत्व में हमीरपुर भेजी गई। वितरण कार्य में सतपाल, सभा के प्रधान, मंत्री तथा आर्य समाज हमीरपुर के अन्य सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। राहत सामग्री का वितरण पंचायत प्रधान और अजय जगोता की पहचान प्रमाणित सूची के आधार पर किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश अपनी गहरी कृतज्ञता आर्य समाज बसंत कुंज, दिल्ली के प्रति प्रकट करती है।

प्राकृतिक खेती को दें बढ़ावा : डॉ. सुनील

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना के अधिकारियों का एक दल इस माह महाराष्ट्र के सह्याद्रि फार्म का अध्ययन करेगा ताकि परियोजना क्षेत्र में किसान उत्पादक संगठनों का गठन तेजी से हो सके। यह जानकारी परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने हमीरपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में दी। उन्होंने सभी अधिकारियों को एकजुट होकर योजनाओं को दक्षता से लागू करने का आह्वान किया। डॉ. चौहान ने कहा कि किसानों को रसोई वाटिका स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाए ताकि वर्षभर पोषणयुक्त सब्जियां उपलब्ध रहें। साथ ही, प्राकृतिक खेती योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि उप परियोजना क्षेत्रों में प्रगतिशील किसानों के समूह बनाकर सुरक्षित खेती को बढ़ावा दें और फसल विविधीकरण के अंतर्गत हल्दी, मक्की व गेहूं जैसी फसलों से लाभ सुनिश्चित करें।

ढटवाल के 3 प्रोजेक्ट बदलेंगे तकदीर

कम्युनिटी रेडियो स्टेशन, ढटवाल फिलिंग स्टेशन व एचपी शिव हॉर्टिकल्चर फार्म की सुविधा

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान ब्यूरो

हमीरपुर। जिला के ढटवाल क्षेत्र में तीन प्रोजेक्ट लोगों की सुख सुविधा के साथ जोड़ने के लिए तैयार हो रहे हैं। इनमें दो प्रोजेक्ट उनकी तकदीर बदलने में भी मदद करेंगे।

गौरतलब है कि 2 साल से इन प्रोजेक्ट्स को लेकर काम हो रहा था और अब यह तीनों ही सिरे चढ़ गए हैं। कम्युनिटी रेडियो स्टेशन शुरू हो गया है व ढटवाल के लोगों की आवाज बनने के लिए प्रयासरत है। इसका शुभारंभ पिछले दिनों हो चुका है। महारल गांव में इसकी स्थापना हुई है। यह बात अलग है कि इसे सही ढंग से रंग रूप देने के लिए और स्रोताओं की उम्मीदों पर खरा उतने के लिए थोड़ा वक्त जरूर लगेगा, मगर इतना जरूर है कि क्षेत्र के लोगों के लिए इस रेडियो स्टेशन की मार्फत अपनी आवाज बुलंद करने का जरिया बन जाएगा।

आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली के उप महानिदेशक श्रीराम बचन राम ने पिछले दिनों इस आकाशवाणी का तकनीकी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां के एफएम ट्रांसमीटर की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की थी। केंद्र की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव व दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने यहां मौजूद अधिकारियों के साथ बैठक कर यहां के तकनीकी पहलुओं को लेकर भी विस्तार से चर्चा की। इस दौरान हिमाचल के कलस्टर प्रमुख उप महानिदेशक कश्मीर सिंह, आकाशवाणी हमीरपुर के सह निदेशक संजीव कुमार, आकाशवाणी हमीरपुर के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे थे।

जोरों पर चल रहा फिलिंग स्टेशन का काम

इसके अलावा करीब 20 किलोमीटर के क्षेत्र में कहीं भी 'फिलिंग स्टेशन' नहीं था। इसलिए अब महारल में फिलिंग स्टेशन का भी काम भी जोरों से चल रहा है। उम्मीद यही है कि दीपावली से पहले लोगों को इसकी सुविधा भी खास अंदाज में मिल जाएगी।

कुलदीप ने तीनों प्रोजेक्ट्स को लेकर दिखाई अच्छी दिलचस्पी

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और डायरेक्टर जनरल मिनिस्ट्री ऑफ ब्रॉड कास्टिंग के पद से सेवानिवृत हुए कुलदीप सिंह ढटवालिया ने तीनों प्रोजेक्ट्स को लेकर अच्छी खासी दिलचस्पी दिखाई और अब यह धरातल पर दिख गए हैं। उनका कहना है कि एचपी शिवा हॉर्टिकल्चर फार्म का काम प्रति पर है और बहुत जल्दी इसका आकार देखने को मिलेगा। इस प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले जो जरूरी था उसका निर्माण चल रहा है। इसके बाद प्रोजेक्ट को धरातल पर प्रयोगात्मक रूप में लाने के लिए दो से चार सालों का समय लगेगा, लेकिन इतना जरूर है कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी आर्थिकी को मजबूत करेगा। अमरूद की पैदावार इस प्रोजेक्ट के जरिए मुख्य लक्ष्य रखा गया है व इसमें इस गांव के काफी बड़े क्षेत्र को शामिल किया गया है।

बड़सर में अनुराग ठाकुर ने परफ्यूम इत्र सहित कई प्रोडक्ट किए लॉन्च

सांसद अनुराग सिंह ठाकुर परफ्यूम, इत्र सहित कई उत्पादों का शुभारंभ करते हुए।

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व युवा खेल मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने डॉ. कुलदीप और डॉ. दीपशिखा की कंपनी के परफ्यूम, इत्र, हर्बल प्रोडक्ट, शैंपू, फेसवॉश सहित कई उत्पादों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये प्रोडक्ट न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी अपनी महक बिखेरेंगे। अनुराग ठाकुर ने आग्रह किया कि इन उत्पादों में हिमाचली भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। सांसद ने कार्यक्रम के मंच से विधायक इंद्रदत्त लखनपाल की पीठ थपथपाई और कहा कि बड़सर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सांसद निधि से अधिकतम फंड उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

हिमाचली भागीदारी पर दिया जोर, कहा-बड़सर में विकास को मिलेगा बल

इस मौके पर पूर्व विधायक रामरतन शर्मा, बलदेव शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा, मंडल अध्यक्ष यशवीर पटेल समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरीब दास फाउंडेशन के चेयरमैन ने आपदा प्रभावित गांव का किया दौरा

गरीब दास फाउंडेशन के चेयरमैन पापलाह गांव का दौरा करते हुए।

अनंत ज्ञान, भोरंज

भारी मानसून की बारिश ने भोरंज तहसील के कई क्षेत्रों में खासी तबाही मचाई है, जिनमें गांव पापलाह सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां केसरी देवी स्वर्गीय हरसुख राम की पत्नी का घर बाढ़ में पूरी तरह से नष्ट हो गया। वर्तमान में पीड़ित परिवार को प्रशासन द्वारा अस्थायी आश्रय स्वरूप सरकारी प्राथमिक विद्यालय कोट रसेड़ा में शिफ्ट किया गया है।

गरीब दास फाउंडेशन के चेयरमैन देव राज ने पापलाह का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की और इस संकट के दौरान परिवार की मदद के लिए केसरी देवी को तुरंत 5,000 रुपए की राहत राशि प्रदान की। उन्होंने समुदाय से अपील की कि वे आगे आकर आपदा से प्रभावित परिवार की सहायता करें।

पापलाह में प्रभावित केसरी देवी को दी 5 हजार की मदद

इस दौरान रिटायर्ड कैप्टन राजिंदर (बीडीसी चेयरमैन), राजेश कौंडल और पूर्व उप-प्रधान सुरेंद्र जारियाल जैसे स्थानीय नेता भी मौजूद थे, जिन्होंने पीड़ितों को और सहायता देने का भरोसा दिया। गरीब दास फाउंडेशन आगे भी समर्थन जारी रखेगा और जनता से आपदा से प्रभावित लोगों की मदद करने का आह्वान करता है।

राज्य सरकार का व्यवस्था परिवर्तन परिवहन पेंशनरों पर पड़ रहा भारी

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। एचआरटीसी पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति जिला इकाई हमीरपुर की बैठक बस स्टैंड हमीरपुर में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अजमेर ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कल्याण संगठन हमीरपुर के प्रधान हुकम चंद, सचिव सुशील कुमार, कल्याण मंच के अध्यक्ष ओम प्रकाश व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत हाल ही में प्रदेश में आई त्रासदी में जानमाल के नुकसान पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने से हुई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पिछले पौने तीन साल से परिवहन पेंशनरों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। कई बार पेंशन 26 से 30 तारीख के बीच मिलती है, जिससे वृद्ध पेंशनर दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। चिकित्सा बिलों का भुगतान भी तीन साल से लंबित है, जिसके चलते कई पेंशनर उचित इलाज न कर पाने के कारण असमय दुनिया छोड़ चुके हैं। पेंशनरों ने सरकार पर वादाखिलाफी और उपेक्षा का आरोप लगाया।

समय पर पेंशन न मिलने से पेंशनरों में आक्रोश

शिमला में अक्तूबर माह में बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी

संयुक्त संघर्ष समिति के नेताओं ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री को पहले ही 10 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा जा चुका है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला है। उन्होंने मांग की कि पेंशन का बजट स्थाई रूप से सुनिश्चित किया जाए, पेंशन पहली तारीख को दी जाए, एरियर और चिकित्सा बिलों का भुगतान शीघ्र किया जाए। अप्रैल 2024 से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों की पेंशन तुरंत लगाई जाए। समिति ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो प्रदेश के लगभग 8500 पेंशनर परिवार सहित अक्तूबर में शिमला में बड़ा आंदोलन करेंगे। इस बैठक में राम लाल, केएल सोनी, प्रशोतम लाल, बंशी सोनी, बलदेव, कांता, राज कुमारी, नंद लाल, बलबीर पठानिया, रघुनाथ कुलवंत सहित 140 सदस्य मौजूद थे।

शिक्षकों को राष्ट्रीय निर्माण सम्मान से नवाजा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा तृषा शिक्षा महाविद्यालय, जोल सपड़ में राष्ट्रीय निर्माण सम्मान-2025 का भव्य आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि रोटेरियन प्रो. जे.पी. अग्निहोत्री तथा समिति अध्यक्ष एन.के. शर्मा ने क्लब प्रधान भगवती प्रसाद शर्मा और सचिव विवेक ठाकुर की उपस्थिति में चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया। मुख्य वक्ता डॉ. अजायब सिंह बन्याल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं और ग्रामीण शिक्षा, संस्कार, रचनात्मकता व तकनीकी जुड़ाव में उनका योगदान अनुकरणीय है। सम्मानित शिक्षकों में साफी मोहम्मद, राकेश कुमार, डिंपल ठाकुर, विमला देवी, पवन कुमार, सुनील कुमार, अंजना और भारती शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम कुमारी व प्रशासक राजीव शर्मा ने रोटरी क्लब का आभार व्यक्त किया। समारोह में रोटेरियन अमरजीत अत्री, रवि कुमार शर्मा, डॉ. अनिल वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

समाजसेवी ने 28 शिक्षकों को किया सम्मानित

सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन विकास सभा द्वारा शिक्षक दिवस पर 28 गुरुजनों को सम्मानित किया गया। यशपाल साहित्य सदन नादौन में आयोजित समारोह में सभा के अध्यक्ष एवं समाजसेवी सुनील शर्मा ने शिक्षकों को मोमेंटो और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। रिटायर्ड इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस मिन्हास ने बताया कि समाज सेवी सुनील शर्मा ने सभा की और से शिक्षक जगदेव सिंह, खुशहेंद्र सिंह, देशराज, पीडी शर्मा, पीसी ठाकुर, रमेश चंद शर्मा, धर्म सिंह मिन्हास, जगदीश चंद्र शर्मा, बलीराम जसवाल, बलदेव सिंह, सुदेश शर्मा, सुभाष बस्सी, मनोहर लाल शर्मा, शांति स्वरूप, ओम प्रकाश, यशपाल, विजय चौधरी, डॉ. कुलदीप कुमार, प्रीतम भारती, मंशा राम, सुदेश कुमार, नानक चंद, आरके पुरी सहित 28 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

शिष्यों ने अपने गुरु को घर जाकर नवाजा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नारायण सेवा संस्थान शाखा हमीरपुर द्वारा शुक्रवार को टीचर डे के अवसर पर 88 वर्षीय मास्टर मथरा दास व उनकी पत्नी को उनके निवास स्थान गांव धवा हमीरपुर में शाल, टोपी, गर्म सूट व फल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वर्ष 1962 से लेकर 1967 तक शिष्य रहे रसील सिंह मनकोटिया, पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर पूर्ण चंद राठौर, पूर्व कै हेमराज, प्रोजेक्ट मैनेजर ओम प्रकाश नगवाल व मिलिट्री स्कूल चैल से सेवानिवृत रणजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी शिष्यों ने अपने गुरु की पूजा की और लंबी व स्वस्थ रहने की कामना की। इस अवसर पर गुरु मथरा दास ने अपने सभी शिष्यों को आशीर्वाद दिया।

प्रभावितों की मदद को आगे आएंगे शिक्षक

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल में हिमाचल प्रदेश राजकीय अध्यापक संघ की ब्लॉक इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राज कुमार ठाकुर ने की, जबकि राज्य महासचिव संजीव ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक में हाल ही में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा और उससे निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक स्वर में सरकार का समर्थन करते हुए कहा कि शिक्षक समुदाय हर संभव सहायता देने को तैयार है। ब्लॉक अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि संघ के सदस्य राहत एवं बचाव कार्यों में स्वेच्छा से सहयोग करेंगे और प्रशासन को पूरा सहयोग देंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी सदस्य अपने क्षेत्रों में राहत सामग्री जुटाकर पीड़ित परिवारों तक पहुंचाएंगे।

संजय को दूसरी बार मिली जिलाध्यक्ष की कमान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ के जिला स्तरीय चुनाव शुक्रवार को भोटा में आयोजित हुए। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल की अध्यक्षता और महासचिव विजय हीर के निर्देशानुसार जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस चुनाव में सर्वसम्मति से राजकीय उच्च विद्यालय सठवीं के टीजीटी आर्ट्स संजय वर्मा को जिलाध्यक्ष, खतरवाड़ स्कूल के टीजीटी आर्ट्स विलक्षण को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपप्रधान हेतु राजकीय उच्च विद्यालय के टीजीटी आर्ट्स सतीश कुमार और जिला महासचिव हेतु कटीरी स्कूल के टीजीटी आर्ट्स अजय कुमार को चुना गया। इस अवसर पर संघ के पूर्व पदाधिकारी मदन ठाकुर, संजय ठाकुर, ढुनी चंद, देश राज ,पवन रांगड़ा और मेहर सिंह को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड से संघ ने सम्मानित किया। इस अवसर पर संघ के 35 डेलीगेट उपस्थित थे।

विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति में बहुप्रतीक्षित जीएसटी सुधार का निर्णय महत्वपूर्ण : अनुराग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बहुप्रतीक्षित जीएसटी सुधारों को लागू किए जाने को आम आदमी को राहत देने, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करने व भारतीयों का जीवन सरल व सुगम बनाने की दिशा ने महत्वपूर्ण कदम बताया है व कहा कि विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति में यह निर्णय अतिमहत्वपूर्ण है।

अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी भारत उत्थान व भारत की जनता के कल्याण के लिए सदा समर्पित रहे हैं। मोदी ने हाल ही में स्वतंत्रता दिवस पर लाल क़िले की प्राचीर से जीएसटी सुधारों की घोषणा की थी। इस दूरदर्शी घोषणा को वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने सर्वसम्मति से अपनी मंजूरी देने का अभिनंदनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण इन बहुप्रतीक्षित सुधारों को लागू करने व भारतीयों का जीवन सरल व सुगम बनाने के लिए देश सदा प्रधानमंत्री मोदी का आभारी रहेगा

अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले देशवासियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। मोदी सरकार ने माल एवं सेवा कर-जीएसटी में ऐतिहासिक सुधार करते हुए तमाम जरूरी वस्तुओं पर टैक्स या तो खत्म कर दिया है या फिर काफी कम कर दिया है। इस पूरे सुधार के जरिए सरकार ने यह संदेश दिया है कि उनका लक्ष्य सिर्फ राजस्व संग्रह नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की जीवन गुणवत्ता सुधारना है। टैक्स दरों की इस बड़े पैमाने पर समीक्षा से आम आदमी की रोजमर्रा की खर्चों में कमी आएगी, स्वास्थ्य और बीमा सेवाएं सस्ती होंगी, और व्यापारिक माहौल में सुगमता बढ़ेगी। यह कदम निश्चित तौर पर देश की आर्थिक ताकत को मजबूत करेगा और नई उम्मीदें जगाएगा। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है

कहा-लोक कल्याण की दिशा में सदा समर्पित मोदी सरकार

सांसद में कहा कि इन बदलावों के साथ जीएसटी प्रणाली को भी सरल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। अब तक की चार टैक्स दरों की जगह सिर्फ दो मुख्य दरें 5% और 18% होंगी, जिससे टैक्स प्रणाली आसान और कम जटिल होगी। कुछ चुनिंदा वस्तुओं के लिए विशेष डिमेरिट रेट 40% भी निर्धारित किया गया है। साथ ही, जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण को सितंबर 2025 तक सक्रिय करने का फैसला लिया गया है, जिससे कर विवादों का निपटारा तेजी से होगा।

भाजपा ने मोदी के जीएसटी सुधारों को बताया ऐतिहासिक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला भाजपा हमीरपुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों के लिए जमकर प्रशंसा की। भाजपा का दावा है कि इन सुधारों से पूरे देश में 'जीवन और व्यापार में आसानी' सुनिश्चित होगी। जीएसटी काउंसिल ने बुधवार रात अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में 'अगली पीढ़ी' के सुधारों को मंजूरी दे दी। इसमें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो सरल स्लैब और सुपर लग्जरी सामान व तंबाकू उत्पादों पर 40 प्रतिशत का स्लैब शामिल है। इसे स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा सुधार बताते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से किया गया एक और वादा पूरा किया है, जिससे देशवासियों को नवरात्रि से पहले एक बड़ा तोहफा मिला है। हमीरपुर में कांग्रेस के कुछ छुटभइये नेताओं के हाल के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राकेश ठाकुर ने कहा कि उनके बयान पूरी तरह से बेतुके और गलत हैं। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया और छुटभइये पार्टी नेताओं से कहा कि आपदा के समय में वे पहले अपनी सरकारों के कामकाज पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और मोदी सरकार हमेशा हिमाचल में आपदा आने पर राज्य के लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। दूसरी ओर, जब हिमाचल में अचानक बाढ़ और बादल फटने से सैकड़ों लोग मर रहे थे, तब कांग्रेस के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बिहार में फर्जी वोटर अधिकार यात्रा में व्यस्त थे।

मन्वी गांव के टियाला पर लगेगा टीन शेड

युवक मंडल के सदस्यों की मांग पर विधायक ने की 3 लाख की घोषणा

सुनील कुमार, अनंत ज्ञान

जाहू। भोरंज उपमंडल के गांव मन्वी का युवक मंडल के सदस्य विधायक सुरेश कुमार के निवास पर शुक्रवार को मिले। युवक मंडल के सदस्यों ने विधायक सुरेश कुमार के समक्ष मन्वी गांव के टियाला पर शेड बनाने की मांग और अन्य समस्याओं से अवगत करवाया। विधायक ने टियाला पर शेड डालने की मांग का मंजूर कर लिया और टीन के शेड को डालने के लिए तीन लाख रुपए देने की घोषणा मौके पर ही कर दी।

इसके साथ ही विधायक सुरेश कुमार ने लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता को मन्वी गांव में टियाला पर टीन शैड डालने के लिए आदेश भी जारी कर दिए। मन्वीं युवक मंडल के सदस्यों प्रधान विपिन कुमार, उप प्रधान सुनील कुमार, सचिव सचिन कुमार, केशव कुमार, अशोक कुमार, सोनू शर्मा, कमल कुमार ने बताया की मन्वी गांव के टियाला पर हर साल रामलीला, माता का जागरण व गांव में होने वाले अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन सब बातों से विधायक को अवगत करवाया और विधायक ने एकदम टियाला पर टीन का शेड डालने की बात को मान लिया।विधायक के द्वारा टियाला पर टीन का शैड व सौर्न्दयकरण के लिए धन उपलब्ध करवाने पर युवक मंडल मन्वी के सदस्यों के द्वारा विधायक सुरेश कुमार का अभार भी प्रकट किया। इसके अतिरिक्त विधायक के द्वारा शुक्रवार सुबह ही अपने निवास स्थान पर अन्य लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही कई समस्याओं का निपटारा भी कर दिया और कुछ समस्याओं के निपटारा करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन के माध्यम से आदेश देते हुए भी नजर आए।

विधायक सुरेश कुमार ने बताया कि युवक मंडल मन्वी के सदस्यों के द्वारा मन्वी गांव के टियाले पर टीन का शेड डालने की मांग पर तीन लाख रुपए दिए गए व विभाग के अधिकारियों को अतिशीघ्र शेड का कार्य शुरू करने के आदेश भी जारी किए है।। उन्होंने बताया कि मन्वी गांव के टियाले पर टीन शेड के अतिरिक्त वहां का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

मन्वी युवक मंडल के सदस्य विधायक सुरेश कुमार के साथ उनके निवास पर मिलते हुए।

सहायता 19 बेसहारा युवाओं को शादी के लिए 2-2 लाख रुपए: अमरजीत सिंह

50 लाभार्थियों के खातों में डाले 69 लाख

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

बेसहारा बच्चों और इसी श्रेणी के 27 वर्ष तक के युवाओं के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ की गई मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत जिला हमीरपुर के 50 लाभार्थियों को 69 लाख रुपए की धनराशि दी जा चुकी है। यह राशि सीधे इनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना और स्पांसरशिप एवं फोस्टर केयर योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त अमरजीत सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 19 बेसहारा युवाओं को उनकी शादी के लिए 2-2 लाख रुपए की ग्रांट यानि कुल 38 लाख रुपए दिए गए हैं। इसी प्रकार, 31 बेसहारा युवाओं को मकान निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपये की राशि जारी की गई है। इनकी 2-2 लाख रुपए की शेष राशि भी फील्ड से वेरिफिकेशन रिपोर्ट आने के बाद दो अलग-अलग किश्तों में हस्तां

न्यूज ब्रीफ

सुनील राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरगट, जिला चंबा के रसायन शास्त्र व्याख्याता सुनील कुमार ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों के लिए एक बार फिर गौरव हासिल किया है। सुनील को वर्ष 2024 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह उपलब्धि अपने आप में विद्यालय, जिला और प्रदेश के लिए गर्व की बात थी। शुक्रवार को राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह में उन्हें राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, विद्यार्थी, अभिभावक और क्षेत्रवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। कुमार को यह सम्मान उनके शिक्षण कार्य में समर्पण, विद्यार्थियों को प्रेरित करने की क्षमता तथा शिक्षा क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए दिया गया है।

सीमा कॉलेज में पीटीए के चुनाव 13 को

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। राजा वीरभद्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीमा में अभिभावक शिक्षक संघ के चुनाव अब 13 सितंबर को होंगे। पहले यह चुनाव 6 सितंबर को प्रस्तावित थे, लेकिन प्रतिकूल मौसम और एसडीएम के दिशा-निर्देशों के कारण शैक्षणिक संस्थान 7 सितंबर तक बंद है। इस कारण चुनाव की तिथि को स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी प्राचार्य डॉ. ललिता रावत ने दी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे सभी अभिभावकों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। चुनाव सुचारु रूप से संपन्न करवाने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी के अभिभावक की मौजूदगी अनिवार्य है।

इग्नू ने प्रवेश की अंतिम तिथि 15 तक बढ़ाई

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। राजा वीरभद्र सिंह राजकीय महाविद्यालय सीमा के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई|2025 सत्र के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन मोड में संचालित सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में नए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक बढ़ा दी है। यह निर्णय संबंधित प्राधिकरण की स्वीकृति के बाद लिया गया है, ताकि इच्छुक विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए आवेदन करने हेतु अतिरिक्त समय मिल सके। यह तिथि विस्तार केवल डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और अन्य दो वर्षीय पाठ्यक्रमों पर लागू होगा, जबकि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि यथावत रहेगी। इग्नू स्टडी सेंटर 1116 की समन्वयक डॉ. राय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी इग्नू की आधिकारिक प्रवेश वेबसाइट पर जाकर 15 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों से आग्रह किया गया है कि जो भी छात्र प्रवेश लेना चाहते हैं, वे समय पर अपना पंजीकरण अवश्य करवा लें।

उपकुलपति चंदेल का सेवा विस्तार वैध: हाईकोर्ट

पुष्पेंद्र, अनंत ज्ञान। शिमला। प्रदेश उच्च न्यायालय ने डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के उपकुलपति राजेश्वर सिंह चंदेल को सेवा विस्तार देने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। न्यायाधीश संदीप शर्मा ने प्रार्थी धर्म पॉल शर्मा की याचिका को गुणवत्ताहीन करार देते हुए राज्यपाल के आदेश को कानूनन सही ठहराया। मामले के अनुसार, राज्यपाल, जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, ने 14 फरवरी 2022 को एक चयन समिति का गठन किया था, जिसने कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए। कुल 14 उम्मीदवारों में से चयन समिति ने राजेश्वर सिंह चंदेल के नाम की सिफारिश की और उन्हें 6 मई 2022 को कुलपति नियुक्त किया गया, जबकि 9 मई 2022 को उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया। याचिकाकर्ता का आरोप था कि वर्ष 2022 में कुलपति की नियुक्ति अधिनियम की धारा 24(1) के अनुसार नहीं हुई थी और इसलिए वैध नहीं थी। उच्च न्यायालय ने 6 मई 2025 के आदेश का अध्ययन करने के बाद कहा कि उपकुलपति को धारा 24(3) के अनुसार पुनर्नियुक्त नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति तक पद पर बने रहने की अनुमति दी गई। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कुलाधिपति को धारा 24(3) के तहत किसी पदधारी को सेवा विस्तार देने या वरिष्ठतम संकाय में से किसी एक को नियुक्त करने का अधिकार है, इसलिए राज्यपाल का आदेश पूरी तरह वैध है।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय करेगा बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन

अनंत ज्ञान, शिमला। प्रदेश विश्वविद्यालय अब राज्य के बीएड संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा और परीक्षा का आयोजन करेगा। राज्य सरकार ने यह जानकारी हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट को दी। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि अगले शैक्षणिक वर्ष से राज्य में बीएड संस्थानों और पाठ्यक्रमों के लिए संबद्धता केवल हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से ही ली जा सकेगी। मामले की सुनवाई न्यायाधीश अजय मोहन गोयल के समक्ष हुई। सुनवाई के दौरान बताया गया कि यह निर्णय छात्रों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हालांकि, कुछ संस्थानों ने इस निर्णय का विरोध करते हुए अदालत में आवेदन किया था कि उन्हें इस मामले में जरूरी पक्षकार बनाया जाए। कोर्ट ने इन संस्थानों के आवेदन को खारिज कर दिया और कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा याचिका में जो मांग की गई थी, उसे पूरा कर दिया गया है। यदि वे अपनी शिकायत जारी रखना चाहते हैं, तो इसके लिए स्वतंत्र रूप से नई याचिका दायर कर सकते हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित करने की आवश्यकता नहीं है। इससे छात्रों के लिए दिक्कतें पैदा हो रही हैं क्योंकि प्रत्येक छात्र को दोनों परीक्षाओं में शामिल होना पड़ रहा है। पहले दोनों विश्वविद्यालयों में बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती थी, जो अब बदल चुकी है। राज्य सरकार ने कोर्ट को यह भी बताया कि आगामी वर्षों में प्रवेश प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, ताकि छात्रों को दोहरी परीक्षाओं की आवश्यकता न पड़े और उन्हें उनके पाठ्यक्रमों में प्रवेश में आसानी हो।

हिमाचल के लाल सेबों पर मौसम का कहर

बागवानों के सपनों में झलके चिंता के बादल, मंडियों में घटती आवक से बढ़ी परेशानी

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश की ऊंचाइयों में जहां आमतौर पर सेबों की लाल-पीली चमक सूरज की किरणों में दमकती है, वहीं अब बारिश की लगातार रिमझिम फुहारों ने बागों को उदास कर दिया है। पेड़ों की शाखाओं पर लटके सेबों के रंग जैसे धुंधले हो गए हों। बागवान अपने हाथों में तैयार फसल लिए खड़े हैं, लेकिन सड़कों के बंद होने ने उनकी मेहनत के सपनों पर पानी फेर दिया है।

जानकारी के अनुसार पराला और भट्टाकुफर फल मंडियों का दृश्य अब सुस्त और सुनसान-सा है। जहां सामान्य दिनों में हजारों पेटी सेब की आवक होती थी, वहीं आज केवल 20 प्रतिशत ही मंडियों तक पहुंच पा रही है। फलों की बोरियों में धीरे-धीरे दुर्गंध फैल रही है और बागवान अपने हाथों की मेहनत की हिफाजत के लिए बेचैन हैं।

भारी बारिश ने सेब के पेड़ों की शाखाओं को झुका दिया है और कई फलों की गिरावट भी शुरू हो गई है। बागवानों की चिंता बढ़ती जा रही है, जो सेब तोड़ लिए गए हैं, वे भी सड़कें बंद होने के कारण मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे। यह न केवल उनकी मेहनत का परिणाम प्रभावित कर रहा है, बल्कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाल सकता है।

एचपीएमसी और प्रोसेसिंग यूनिटों में फंसी फसल

एचपीएमसी के कलेक्शन सेंटरों में बोरियों में भरे सेब सड़कों के बंद होने के कारण प्रोसेसिंग यूनिटों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। शिमला से 1.30 करोड़ सेब बॉक्स की ढुलाई योजना ठप्प हो गई है। कुल्लू, आनी, निरमंड, चंबा और भरमौर से भी फसल मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही है। बागवान अपने सेबों को देखकर जैसे मौसम की बेरुखी और प्रकृति की नाजुकता के बीच खड़े हैं।

उदासी में बदला सेबों की चमक को

बहरहाल, राज्य की पहाड़ियों में बारिश की बूंदों ने जैसे लाल और सुनहरे सेबों की चमक को भी उदासी में बदल दिया है। बागवानों के हाथों की मेहनत, खेतों की खुशबू और प्रदेश की अर्थ व्यवस्था पर मौसम का असर साफ झलकता है। यह वक्त न केवल आर्थिक चुनौती है, बल्कि बागवानों और हिमाचल की पहचान के लिए भी एक परीक्षा बनकर खड़ा है।

विमल नेगी मौत मामला : हाईकोर्ट ने एएसआई पंकज शर्मा को पेश करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो शिमला

प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सहायक उप निरीक्षक पंकज शर्मा के मामले में हस्तक्षेप किया। शर्मा ने पुलिस भर्ती विमल नेगी की विवादास्पद मौत के संबंध में अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन होने का आरोप लगाया था।

मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे शर्मा को उसी दोपहर अदालत में पेश करें। यह आदेश शर्मा की पत्नी, मंजना शर्मा, द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें कहा गया कि उनके पति को कैथू स्थित पुलिस गेस्ट हाउस में जबरन रखा गया है और उन्हें उनके सरकारी आवास में रहने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

पीठ ने कहा कि इस विवाद में तत्काल न्यायिक स्पष्टता की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि राज्य के वकील एएसआई पंकज शर्मा को दोपहर 2 बजे अदालत में पेश करें।

शर्मा पहले भी अदालत के दरवाजे तक जा चुके हैं। 20 अगस्त 2025 को उन्होंने याचिका दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्हें कैथू गेस्ट हाउस में जबरन रखा गया। उच्च न्यायालय ने उस समय भी निर्देश जारी किए थे, लेकिन नवीनतम याचिका से संकेत मिलता है कि उनकी आवाजाही और स्वतंत्रता पर कथित प्रतिबंध जारी हैं।

शर्मा का मामला व्यापक ध्यान आकर्षित कर रहा है क्योंकि वह एचपीपीसीएल के मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत की जांच में शामिल हैं। पहले राज्य पुलिस ने जांच की, जिसे बाद में सीबीआई को सौंपा गया। उच्च न्यायालय ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए सीबीआई को इस मामले में पक्ष बनाया।

पत्नी द्वारा लगाए आरोप को लिया गंभीरता से

सुनवाई के दौरान, पीठ ने शर्मा की पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ऐसे दावों को अनसुलझा नहीं रहने दे सकती। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार पर किसी भी प्रकार का उल्लंघन गंभीर मामला है और राज्य को अदालत को आश्वस्त करना होगा कि किसी पुलिस अधिकारी की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का कोई वैधानिक अधिकार मौजूद है या नहीं।

भरमौर से दो दिन में 1166 श्रद्धालु निकाले सुरक्षित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर की 12 उड़ानों के जरिए 524 श्रद्धालुओं को भरमौर से सुरक्षित एयरलिफ्ट किया गया। पिछले दिन भी 7 उड़ानों में 35 यात्रियों को निशुल्क एयरलिफ्ट किया गया। तीन शवों को भी भरमौर से चंबा लाया गया।

चंबा जिला प्रशासन ने वीरवार को 607 श्रद्धालुओं को भरमौर से चंबा तक सड़क मार्ग से सुरक्षित पहुंचाया। क्षतिग्रस्त सड़कों पर यात्रियों को पैदल चलना पड़ा, वहां पुलिस बल द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित की गई। यात्रियों के लिए रास्ते में मुफ्त भोजन, पेयजल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पूरे बचाव अभियान की लगातार निगरानी की। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी स्वयं भरमौर में अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, होमगार्ड, जिला प्रशासन, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों, एनजीओ और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की।

524 श्रद्धालुओं को किया एयरलिफ्ट

भरमौर से चिनूक हेलिकॉप्टर के जरिए श्रद्धालुओं को एयरलिफ्ट करने का दृश्य।

सीएम सुक्खू ने शिक्षक दिवस पर दी बधाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले राष्ट्रीय तथा राज्य पुरस्कार विजेता शिक्षकों को भी विशेष रूप से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोलन जिले के जेबीटी शिक्षक शशि पाल को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त 19 शिक्षकों को शिमला में राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और विद्यार्थियों को घर-द्वार पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के अथक प्रयासों और समर्पण के चलते हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में 2021 में 21वें स्थान से उन्नति कर 5वें स्थान पर पहुंचा है।

सांसद हर्ष महाजन ने मणिमहेश यात्रा प्रबंधन पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मंत्री हर्ष महाजन ने पवित्र मणिमहेश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आई कठिनाइयों के लिए प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने शिमला से जारी बयान में कहा कि 31 दिसंबर 2024 को ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पत्र लिखकर आवश्यक तैयारियों के लिए आगाह किया गया था, लेकिन उस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। महाजन का कहना है कि यदि समय रहते प्रबंधन किया जाता, तो श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़ता। महाजन ने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि बग्गा से भरमौर और हड़सर तक संकरी सड़कों व पैदल मार्ग के कारण श्रद्धालुओं को 14-15 घंटे तक जाम में फंसना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया था कि हडसर में विशाल पार्किंग स्थल, सराय भवन, रैन बसेरे और शौचालयों का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि मणिमहेश यात्रा को अन्य प्रमुख तीर्थस्थलों की तरह श्राइन बोर्ड के माध्यम से संचालित किया जाना चाहिए। सरकार भविष्य में समय रहते ठोस कदम उठाए और वर्ष 2026 की यात्रा को अधिक सुचारु व सुरक्षित बनाने के लिए समन्वय समिति का गठन करे।

स्वास्थ्य मंत्री ने रिपन अस्पताल को दी कई परियोजनाओं की सौगात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अपनी बात रखते हुए।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनी राम शांडिल ने शुक्रवार को दीन दयाल उपाध्याय जोनल अस्पताल शिमला में विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल की पुरानी एवं नई इमारत को जोड़ने वाले संपर्क सेतु, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर और विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और अस्पताल की सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। अस्पताल में संपर्क सेतु का निर्माण एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से तथा मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर का निर्माण एक करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 70 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोले जा रहे हैं, जहां 6 विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं देंगे। इन संस्थानों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रिपन अस्पताल में कुछ मशीनों और स्टाफ की मांग सामने आई है। प्रदेश में मशीनों की खरीद प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही अस्पताल को आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी भी शीघ्र पूरी की जाएगी।

वहीं, शिमला शहरी विधायक हरीश जनारथा ने कहा कि रिपन अस्पताल देश के सबसे पुराने अस्पतालों में से एक है और राजधानी में स्थित होने के कारण इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है।

खराब सड़कों के लिए इंजीनियरों की होगी जवाबदेही : विक्रमादित्य

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल में खराब सड़कों के लिए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों की जवाबदेही होगी। सड़कों पर की जाने वाली मेटलिंग टारिंग कम से कम पांच साल टिकनी चाहिए, लेकिन हिमाचल में सड़कें एक मानसून को भी नहीं झेल पा रही है। इसका कारण निर्माण कार्य सही तरीके से न होना है। इसको देखते ही प्रदेश सरकार ने यह सख्ती दिखाई है। लोनिवि मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि अब सड़क और भवनों के निर्माण कार्य के दौरान इंजीनियरों को ठेकेदारों के कार्यों पर निगरानी रखनी होगी। इनका मौके पर रहना अनिवार्य किया गया है। हिमाचल में 500 सड़कें ऐसी हैं जिनकी हालत ठीक नहीं है। बीते साल इन सड़कों पर टारिंग की गई, लेकिन अब इस बार यह सड़कें फिर उखड़ गई हैं। अब इन सड़कों को ठीक करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च होंगे। चरण चार के तहत प्रदेश सरकार हिमाचल की 1560 बस्तियों को सड़क से जोड़ा जाना है। केंद्र से सड़क की सर्वे रिपोर्ट को क्लीयरेंस मिलने पर लोक निर्माण विभाग की ओर से इन सड़कों की डीपीआर तैयार की जानी है। डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद केंद्र सरकार हिमाचल सरकार को सड़क निर्माण के लिए पैसा जारी करेगी।

रामपुर में सड़कों की बहाली के साथ बिजली-पेयजल सप्लाई करें सुनिश्चित

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

वित्त आयोग के अध्यक्ष नंद लाल ने दिए निर्देश

रामपुर बुशहर। हिमाचल प्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक नंद लाल की अध्यक्षता में आज पंचायत समिति सभागार रामपुर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक का संचालन उपमण्डल अधिकारी (ना.) रामपुर हर्ष अमरिंद्र सिंह ने किया।

बैठक में विकास कार्यों, आपदा प्रबंधन एवं जनता की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अध्यक्ष ने राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग को वर्षा से बाधित सड़कों की शीघ्र बहाली, जल शक्ति विभाग को पेयजल आपूर्ति बहाल करने तथा विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य आपूर्ति विभाग को दूरदराज क्षेत्रों में समय पर राशन वितरण करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में देलथ-नागाधार एवं जबलदा कलेडा सड़क निर्माण, ननखड़ी कॉलेज निर्माण, नोगली राष्ट्रीय राजमार्ग मरम्मत, सफेद ढांक व खोपड़ी में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र, ट्रांसफार्मर एवं स्मार्ट मीटर स्थापना, रामपुर में बढ़ती बंदर समस्या, विधायक/सांसद निधि उपयोग, खोपड़ी में प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, उपमंडलाधिकारी कार्यालय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पास ओवरब्रिज एवं पैदल मार्ग निर्माण, सीमा क्षेत्र में नशा नियंत्रण, क्षतिग्रस्त डंगे, ननखड़ी बस स्टैंड के लिए एफसीए क्लीयरेंस तथा ब्रौनी खड्ड में खनन रोकने जैसे विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त मिनी सचिवालय रामपुर में लिफ्ट मरम्मत, बाजार एवं वजीर बावड़ी क्षेत्र में सीसी कैमरे लगाने जैसे कई मुद्दे भी उठाए गए। अध्यक्ष ने सभी विभागों को प्राथमिकता से कार्य पूर्ण करने, अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपमंडल अधिकारी ने अवगत करवाया कि पिछली बैठक के अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं तथा अगली बैठक तक शेष कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

रामपुर के मद्रास में होटल देवधर का शुभारंभ

नंदलाल लोगों को संबोधित करते हुए।

विधायक नंदलाल रहे मुख्यातिथि

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। रामपुर के विधायक एवं सातवें वित्त आयोग अध्यक्ष नंदलाल आजकल रामपुर क्षेत्र के दौरे पर हैं। शुक्रवार को उन्होंने पंचायत समिति सभागार में पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक ली और लोगों की समस्याएं सुनी। इसके उपरांत उन्होंने भद्राश में देवधरा होटल के शुभारंभ के मौके पर बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। होटल संचालक एवं पूर्व नगर परिषद रामपुर के अध्यक्ष पवन आनंद ने यहां आने पर मुख्यातिथि का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम हर्ष अमरेंद्र सिंह, डीएसपी नरेश शर्मा एवं शहर के अन्य गण मन व्यक्ति मौजूद रहे।

नुकसान सैकड़ों लोगों की मौत, कालका शिमला ट्रैक फिर धंसा, मौसम में सुधार आने की संभावना

हिमाचल में बारिश और भूस्खलन से 1217 सड़कें बंद

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शुक्रवार को मौसम में कुछ सुधार देखा गया, लेकिन राज्यभर में संकट जारी है। अब तक प्रदेश में 1217 सड़कें बंद हैं, सैकड़ों बिजली ट्रांसफार्मर और जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं, और कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। राजधानी शिमला और उसके आसपास के इलाके भी प्रभावित हुए हैं, जहां यातायात बाधित है और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़कें और हाईवे बंद हैं। शिमला जिले के रामपुर-ज्यूरी क्षेत्र में पहाड़ी से भारी चट्टानें गिर गई हैं, जिससे एनएच-5 हाईवे यातायात के लिए पूरी तरह बंद हो गया। इसके अलावा यूनेस्को की विश्व धरोहर कालका शिमला रेलवे ट्रैक भी धंस गया है और पट्टामोड़ के पास दरारें आ गई हैं। इससे ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया है और आगामी दिनों तक प्रभावित रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर 11 सितंबर तक जारी रहने की संभावना है। 8 और 9 सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

लंगर समितियों से अब कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा: नेगी

राहत और बचाव कार्य में एनडीआरएफ, दमकल विभाग और जिला प्रशासन लगातार सक्रिय हैं। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि मणिमहेश यात्रा को भविष्य में सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए एसओपी तैयार की जाएगी और लंगर समितियों से अब कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

प्रभावितों को सात लाख और घरेलू सामान के लिए 70 हजार रुपए मिलेंगे नकद: सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के किसी भी जिले को बाढ़ आपदा से अछूता नहीं रहने दिया जाएगा। प्रभावित लोगों के मकान के लिए सात लाख रुपए और घरेलू सामान के लिए 70 हजार रुपए नकद दिए जाएंगे। राज्य प्रशासन की ओर से नागरिकों से सावधानी बरतने और मौसम विभाग के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

लोक निर्माण विभाग ने जारी किया वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने शिमला में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर जारी किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय और बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए अधिकारियों को अत्याधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से लैस करना बेहद आवश्यक है। इस पहल का उद्देश्य विभाग की दक्षता और सेवा प्रदायगी को और सुदृढ़ करना है। डॉ. जैन ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईटी, एनआईटी, भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी नोएडा, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान दिल्ली और हिपा सहित राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों की विशेषज्ञता शामिल होगी। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की स्वीकृति से इस कैलेंडर में पदोन्नति के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण का प्रावधान भी रखा गया है। कनिष्ठ अभियंता से लेकर अधिशासी अभियंता तक की पदोन्नति के लिए यह प्रशिक्षण जरूरी होगा। विद्युत, यांत्रिक और वास्तुशिल्प अधिकारियों के लिए भी जोनल स्तर पर अलग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आपदा को अवसर बनाने वाले महापौर को लाना चाहिए श्वेत पत्र : भाजपा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रभावित क्षेत्रों को राहत सामग्री भेजता भाजपा शिमला मंडल।

भाजपा शिमला मंडल ने चंबा के लिए राहत किटों का एक वाहन रवाना किया। इस वाहन में शिमला मंडल से 77 और शिमला जिला से 200 राहत किटें थीं। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने इस राहत वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी संजय सूद ने कहा कि नगर निगम के महापौर सुरिंदर चौहान आपदा के समय कांग्रेस शासित नगर निगम और प्रदेश सरकार की कमियों को छुपाने के लिए उल्टी-सीधी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महापौर को भाजपा सांसदों पर टिप्पणी करने से पहले अपने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पर ध्यान देना चाहिए।

संजय सूद ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार और नगर निगम ने शिमला शहर तक राहत पहुंचाने में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, और केवल सांसदों और केंद्र सरकार की ओर देखने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा कि सत्ता में आने के बाद उनके आत्मनिर्भर हिमाचल के नारे और नगर निगम चुनाव के वादे दोनों बदल गए हैं।

भाजपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने नगर निगम शिमला के माध्यम से भ्रष्टाचार को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा में भी अवसर पैदा करने का काम वर्तमान कांग्रेस सरकार ने किया। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल लगी दीवार इस आपदा में और अधिक क्षतिग्रस्त हुई, जबकि इसके निर्माण पर भारी खर्चा किया गया था। संजय सूद ने महापौर सुरिंदर चौहान से मांग की कि वे आपदा संबंधित एक श्वेत पत्र पेश करें, जिसमें नगर निगम और प्रदेश सरकार के कोष से किए गए खर्चों का पूरा लेखा-जोखा शामिल हो। उन्होंने कहा कि केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा, बल्कि धरातल पर काम करना आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

बंगोली के रितिक बने सेना में ऑफिसर

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। देहरा विधानसभा क्षेत्र के हरिपुर तहसील के अंतर्गत पड़ते गांव बंगोली के रितिक गुलेरिया का सेना में टेक्निकल ग्रैजुएट कोर्स के माध्यम से बतौर ऑफिसर चयन हुआ है। रितिक गुलेरिया ने अपनी बीटेक की पढ़ाई चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से पूरी करने के बाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देकर अपना चयन करवाया है । उनके पिता दिलबाग सिंह गुलेरिया भी भारतीय सेना की आर्मर्ड कोर की 12 आर्मर्ड रेजिमेंट से बतौर जूनियर कमीशन्ड अधिकारी के रूप में सेवाएं देने के बाद ऑनरेरी रसीलदार मेजर के पद से रिटायर हुए हैं, जबकि उनकी माता संजना गुलेरिया गृहणी हैं।

शिक्षा विभाग में एमएलटी की काटी जा रही पेंशन

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे पार्ट टाइम मल्टी टास्क वर्कर यूनियन शुक्रवार को जिला कल्याण अधिकारी से मिली। यूनियन के जिलाध्यक्ष विपन ठाकुर के नेतृत्व में कल्याण अधिकारी से मिले मल्टी टास्क वर्कर का कहना है कि उनकी पेंशन काटी जा रही है उसको न काटा जाए । इसी संदर्भ में जिला कल्याण अधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया। कल्याण अधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस बारे सरकार को अवगत करवाया जाएगा। यूनियन अध्यक्ष विपन ने कहा कि इस मामले को सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री के समक्ष भी उठाया जाएगा।

केंद्र अधीक्षक, उपाधीक्षक नियुक्ति हेतु 11 तक करें आवेदन

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सितंबर-अक्तूबर में आयोजित करवाई जाने वाली एसओएस परीक्षाओं के लिए केंद्र अधीक्षक व उप-अधीक्षक नियुक्ति हेतू पात्र शिक्षक 11 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि उक्त परीक्षाओं में केंद्र अधीक्षक व उपअधीक्षक की प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जो कि 11 सितंबर तक केवल ऑनलाइन माध्यम से बोर्ड की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन हेतू बोर्ड की ओर से स्कूल के लॉगइन आईडी पर लिंक भी सांझा किया गया है।

सुशील कुमार को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। भारतीय जीवन बीमा निगम की 69वीं वर्षगांठ पर निगम आफिस देहरा में बीमा सप्ताह समारोह के अंतर्गत सुशील कुमार विकास अधिकारी को सबसे सीनियर कर्मचारी के तौर पर सम्मानित किया गया। उनको शाखा प्रबंधक अनुज कुमार ने सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रबंधक कुलदीप कुमार, अशोक खटा, सहायक प्रबंधक नमन शर्मा, विनोद धीमान, सुनील गौर, सीमा कुमारी व शाखा देहरा के समस्त कर्मचारी तथा उनकी टीम के वरिष्ठ अभिकर्ता शिमला देवी, वीरेंद्र राणा, विक्रम राणा, पवन शर्मा और बहुत से अभिकर्ता उपस्थित रहे।

जिला परिषद कर्मचारियों की अनदेखी पर रोष : जसरोटिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश पंचायत सचिव संघ के राज्य संयोजक अमित जसरोटिया ने प्रदेश सरकार द्वारा जिला परिषद कर्मचारियों के प्रति अपनाई गई उपेक्षापूर्ण नीति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार ने राज्य के एनपीएस (नई पेंशन योजना) कर्मचारियों को केंद्र सरकार के अनुरूप महंगाई भत्ता (डीए) देने की अधिसूचना जारी की है, वहीं दूसरी ओर जिला परिषद के कर्मचारियों को इस लाभ से वंचित रखा गया है। यह भेदभावपूर्ण रवैया कर्मचारियों में भारी निराशा उत्पन्न कर रहा है। अमित जसरोटिया ने हाल ही में हुए मानसून सत्र का हवाला देते हुए बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में स्पष्ट किया कि जिला परिषद कर्मचारियों को न तो विभाग में विलय करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है और न ही उनकी पदोन्नति के लिए कोई विशेष प्रावधान मौजूद है।

अर्थव्यवस्था की नई राह दिखा रहा मधुमक्खी पालन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मधुमक्खी पालन नई राह दिखा रहा है। जिला के किसानों की आर्थिकी में मधुमक्खी पालन से वृद्धि हुई है। यहां की पहाड़ी जलवायु स्वच्छ पर्यावरण और फूलों से लदी वनस्पतियां मधुमक्खियों के पालन के लिए बेहद अनुकूल साबित हो रही हैं। इसी कारण हाल के वर्षों में मधुमक्खी पालन न केवल किसानों के लिए अतिरिक्त आय का साधन बना है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा भी दे रहा है।

उद्यान विभाग के सौजन्य से जिला कांगड़ा में मधुमक्खी पालन (एपीकल्चर) ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। शुद्धता और जैविक गुणवत्ता के लिए लिए प्रसिद्ध हिमाचली शहद की बढ़ती मांग ने यहां के किसानों की आय को नया आयाम दिया है।

वहीं वर्तमान में जिला कांगड़ा में 42077 मौन वंश है। लगभग 1807 किसान मधुमक्खी पालन में संलग्न हैं और यहां वार्षिक शहद का दत्पादन लगभग 645 मीट्रिक टन है। 1971 में हिमाचल में 1250 मौन वंश थे, जोकि 2001 में बढक़र 8203 मौन वंश हो गए थे।

एक बक्से से मिलता है 20 किलो शहद

कांगड़ा के इच्छी के मौन पालक सुरेंद्र कुमार ने 700 बी-कलोनियां स्थापित की हैं। उन्होंने बताया कि उनकी वार्षिक आय पिछले वर्ष लगभग 15 लाख रुपए के करीब रही। उन्होंने बताया कि शहद की बिक्री से उन्हें हर साल अच्छी आमदनी होती है। एक बक्से से औसतन 20 किलो शहद मिलता है।

गुजारा था मुश्किल, अब वार्षिक 6 लाख कमाई

इसके साथ ही नगरोटा बगवां के निहार गलु गांव के किसान लाल चंद कहते हैं कि पहले खेती से गुजारा मुश्किल था, लेकिन अब उन्होंने बताया कि वर्तमान में उनके पास 350 बी-कलोनियरं है जिसमें प्रति वर्ष लगभग 6 लाख की आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

15 से 22 फीसदी बढ़ जाती है पैदावार : डॉ. मेहरा

मधुमक्खी पालन की एसएमएस (एपीकल्चर) उत्तरी क्षेत्र कांगड़ा डा. निशा मेहरा ने बताया कि मधुमक्खियों के माध्यम से फलों और अन्य फसलों की पैदावार 15 से 22 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो शहद से अधिक मूल्यवान है।

शहद का हब बनने की ओर अग्रसर होगा जिला : डॉ. अलक्ष

उपनिदेशक उद्यान विभाग जिला कांगड़ा डा. अलक्ष पठानिया ने बताया कि जिला में मधुमक्खी पालन अब केवल अतिरिक्त आमदनी का जरिया नही रह गया है, बल्कि कृषि उत्पादक्ता, ग्रामीण रोजगार और किसानों की आर्थिक मजबूती के लिए एक सशक्त माध्यम बन गया है। यदि युवा इससे जुड़ी सरकारी योजनाओं व प्रशिक्षणों का सही लाभ लें, तो यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में शहद उत्पादन हब बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है।

पेयजल टैंक मलबे में धंसा कोटला के लोग हो रहे परेशान

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान

- टैंकरों के माध्यम से की जाएगी पेयजल आपूर्ति
- जल्द ही पानी की सप्लाई शुरू होगी : हरजिंद्र सिंह

कोटला। कोटला क्षेत्र में पिछले कई दिनों से चल रही बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिनांक 31 अगस्त को लगभग चार घंटे भारी बारिश के चलते कोटला पेयजल आपूर्ति करने वाला जलशक्ति विभाग का पानी का टैंक मलबे मे धंस गया है।

उससे एक सप्ताह पहले भारी बारिश से पानी की पाइपें टूट जाने से कोटला में लगभग दस दिनों से पेयजल आपूर्ति बिलकुल बंद है। लोग पेयजल के लिए कई किलोमीटर दूर पैदल चलकर प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर हो गए हैं। वहीं बारिश से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। लगातार बारिश के चलते कोटला सोहल्दा संपर्क मार्ग धंसने के चलते इस स्थान पर लगाए गये बिजली के खंबे धंस रहे हैं, जिससे विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही है। बुधवार शाम को सात बजे बत्ती गुल हो गई एवं वीरवार शाम पांच बजे चालू हो पाई। इससे पहले भी 31 जुलाई को पहले दिन गुल हुई विद्युत आपूर्ति दूसरे दिन दोपहर दो बजे बहाल हो पाई थी। कोटला के नेरा गांव कि निवासी सुनीता, प्रेम लता एक किलोमीटर दूर घड़ा सिर पर उठाए प्राकृतिक जलस्त्रोत से पानी लेकर आई।

जल शक्ति विभाग के एसडीओ हरजिंद्र सिंह ने बताया कि पानी के टैंक से मिट्टी हटाने का कार्य बुधवार से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस समय पेयजल आपूर्ति टैंक मिट्टी एवं गाद से भरा हुआ है। पाइपें भी टूटी हुई हैं, जिन्हें वैल्डिंग मशीन से जोड़कर शुक्रवार शाम तक फिलहाल पानी की सप्लाई शुरू की जाएगी। टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जाएगी।

केंद्र सरकार का हिमाचल के प्रति उदासीन रवैया : भंडारी

- आपदा राहत में दो साल की देरी, ऊपर से शर्तों का बोझ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश, जो 2023 की विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने की त्रासदी से अब तक पूरी तरह उबर नहीं पाया, आज भी केंद्र सरकार की उदासीनता और शर्तों की जकड़न में फंसा हुआ है। दो साल बाद केंद्र ने महज 2,006.40 करोड़ की सहायता स्वीकृत की, उसमें से भी 25 फीसदी यानी 501.60 करोड़ का बोझ राज्य पर ही डाल दिया गया।

आम आदमी पार्टी, हिमाचल प्रदेश के पूर्व प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने बताया कि उक्त राशि न केवल 2023 की आपदा से हुए अनुमानित 9,000-10,000 करोड़ के नुकसान का बहुत छोटा अंश है, बल्कि इसके उपयोग पर लगाई गई कठोर शर्तें हिमाचल के घावों पर नमक छिडक़ने जैसी हैं। राज्य ने बार-बार केंद्र से गुहार लगाई, लेकिन आज तक राहत के नाम पर टुकड़ों में दान ही दिया गया।

अब, जब 2025 की नई आपदा ने फिर से सूबे को झकझोर दिया है, केंद्र की चुप्पी और ढीली नीति हिमाचल की पीड़ा को और गहरा कर रही है। ऐसे में एक बार फिर आपदा ग्रस्त देवभूमि को 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा। भंडारी ने कहा कि केंद्र सरकार को यह समझना होगा कि आपदा राहत कोई अहसान नहीं बल्कि उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। हिमाचल के लोग अब और देरी या छलावे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ढांगू पीर गांव में पहाड़ी खिसकने से कई मकान ध्वस्त

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। पठानकोट के साथ लगते ढांगू पीर गांव में पहाड़ी खिसकने से कई मकान जमींदोज हुए है और अब पुलिस चौकी ढांगू पीर भी जद में आ सकती है।

दूसरी तरफ रेलवे ब्रिज के पास एक रेलवे पुलिस चौकी पहले ही पूरी तरह से धराशाई हो चुकी है अब लगातार बारिश के चलते फिर से इस गांव में एक पहाड़ी जो कई सालों से जिसे धरोहर के रूप पर के तौर पर इसे देखा जाता था वह लगातार हर साल बारिश होने के चलते खत्म होने की कगार पर है।

दूसरी ओर माध्यमिक पाठशाला के शौचालय, वाटर सप्लाई की स्कीम, विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर तथा ढांगू माजरा सड़क भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे अब लोगों को परेशानी पेश आ रही है।

खिसकी हुई पहाड़ी जिससे घरों को नुकसान पहुंचा है।

बरसात ने उजाड़ा गरीब का आशियाना, लगाई राहत की गुहार

- परिवार को किसी भी सरकारी योजना का नहीं मिला लाभ

अनंत ज्ञान, कोटला। जवाली की पंचायत कोठीवड़ा के वार्ड नंबर-2 में भारी बारिश ने एक गरीब परिवार का आशियाना उजाड़ दिया। अजय कुमार पुत्र जोगिंदर सिंह के स्लेटपोश मकान की दीवारें दो दिन पहले भरभराकर गिर गईं। हादसे के समय पूरा परिवार घर के अंदर मौजूद था, लेकिन गिरी दीवारों की तेज आवाज सुनते ही सभी सदस्य बाहर निकल आए और बड़ी अनहोनी टल गई। परिवार के मुखिया अजय कुमार ने बताया कि यह उनका पुश्तैनी मकान है जिसमें वह अब तक किसी तरह रह रहे थे।

उन्होंने कहा कि घर की हालत पहले से जर्जर थी लेकिन ताजा बारिश ने स्थिति और खतरनाक बना दी। अजय कुमार ने पीड़ा जताते हुए कहा मकान का एक ही कमरा है और वह भी साइड की दीवारे गिर गई है कि अब तक उन्हें न तो किसी आवास योजना का लाभ मिला है और न ही कोई सरकारी सहायता। उधर, पंचायत प्रधान मनप्रीत कौर ने कहा कि परिवार बेहद गरीब है और घटना की विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन को भेज दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही प्रभावित परिवार को राहत उपलब्ध कराएगा।

धरातल मंजिल पर खोला जाए उपकोषाधिकारी कार्यालय : कृष्ण

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पेंशनर संघ ने प्रदेश सरकार से इंदौरा मिनी सचिवालय में उपकोषाधिकारी कार्यालय धरातल मंजिल पर खोलने की मांग दोहराई है। संघ के प्रधान कृष्ण सरुप शर्मा ने धरातल मंजिल में उपकोषाधिकारी कार्यालय होने से से वरिष्ठ पेंशनर्स को राहत मिलेगी, क्योंकि बहुत से पेंशनर 75 तथा 80 वर्ष के हैं, जिन्हें ऊपरी मंजिलों में चढ़ने के लिए दिक्कतें पेश आएंगी। प्रधान ने कहा कि उनकी तरफ से पहले भी सरकार को इस संदर्भ में पत्र लिखा गया है।

प्रधान ने एक बार फिर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव महोदय, प्रमुख अभियंता हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊतरी क्षेत्र धर्मशाला से मांग है कि वरिष्ठ पेंशनर्स की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उपकोषाधिकारी कार्यालय धरातल मंजिल पर खोला जाए।

सोलन, सिरमौर और बिलासपुर में लहसुन बुआई को कश्मीरी बीज की मांग

सोलन। हिमाचल के जिला सोलन, सिरमौर, बिलासपुर, मंडी और कुल्लू में पैदा होने वाले औषधीय गुणों से युक्त लहसुन की मांग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी रहती है। पर लहसुन बुआई का सीजन शुरू होते ही किसानों में उत्तम गुणवत्ता की बीज की जरूरत बढ़ जाती है।

इस जरूरत को पूरा करने के लिए एपीएमपी सोलन के आढ़तियों ने किसानों की मांग को पूरा करने के लिए कश्मीरी लहसुन यानी पार्वती-82 और कुल्लू मनाली में तैयार लहसुन के बीज को उपलब्ध करवाया है।

हाल ही के वर्षों में पाया गया कि कश्मीर में पैदा होने वाले लहसुन का बीज हिमाचल में ही नहीं बल्कि उत्तराखंड जैसे राज्य में सामान्य से अधिक उत्पादन क्षमता रखता है। यही कारण है साल दर साल कश्मीरी लहसुन के बीज की मांग बढ़ती जा रही है। सोलन सब्जी मंडी में इन दिनों कश्मीर से लहसुन बीज पहुंच रहा है। यहां पर सोलन सहित सिरमौर, बिलासपुर, मंडी और कुल्लू जिलों के अलावा उत्तराखंड के किसान कश्मीरी लहसुन बीज के मुंह मांगे मांगे दाम देने को तैयार है।

लहसुन से चार से पांच गुना अधिक फसल मिलती है

- कश्मीरी और कुल्लू में तैयार बीज में रोग प्रतिरोधकता अधिक

किसानों को इस समय कश्मीरी लहसुन के बीज के दाम 80 से 110 रुपए प्रति मिल रहे हैं जबकि कुल्लू लहसुन के बीज के प्रति किलो दाम 115 तक चल रहे हैं। कश्मीरी लहसुन बीज की उत्पादक क्षमता को देखते हुए किसानों ने भी सोलन सब्जी मंडी से कश्मीरी लहसुन बीज की मांग की है। एसकेटी ठाकुर ट्रेडिंग कंपनी के लहसुन कारोबारी सुनील ठाकुर का कहना है कि कश्मीरी लहसुन में रोग प्रतिरोधकता के साथ सामान्य लहसुन से 4 से 5 गुणा अधिक फसल मिलती है। यह कारण है कि अधिकतर किसान कश्मीरी लहसुन बीज का ही उत्पादन करना चाहते हैं। कश्मीरी लहसुन बीज की मांग इसलिए भी बढ़ी है कि क्योंकि हिमाचल सहित उत्तराखंड में इसकी रोपाई शुरू हो चुकी है। इससे आने वाले समय में किसानों को ज्यादा मुनाफा होगा जिससे किसान इस बिज का उत्पादन करना चाहते हैं। अब सब्जी मंडियों में इसकी मांग ज्यादा बढ़ गई है।

कश्मीर में बर्फ में तीन से चार महीने ढक जाती है फसल

कश्मीर में आमतौर पर लहसुन की फसल तीन से चार महीने बर्फ से ढकी रहती है। इससे कई प्रकार बीमारियां समाप्त हो जाती है और इसकी गुणवत्ता भी अच्छी होती है जबकि हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों में पैदा होने वाले लहसुन में कई प्रकार के पेस्टिसाइड्स मिले होने के चलते उत्पादन क्षमता में कमी आती है। यही कारण है कि कश्मीरी लहसुन बीज की मांग प्रदेश में ही नहीं बल्कि अन्य राज्य में भी चल रही है। लहसुन कारोबारी सुनील ठाकुर का कहना है कि किसानों की मांग पूरी करने के लिए कश्मीर से लहसुन का बीज मंगाया गया है। इसी तरह कुल्लू के लहसुन भी बीज के लिए अच्छा है। मांग होने के चलते इसके दामों में पिछले साल के मुकाबले वृद्धि जरूर हुई है पर किसानों को लहसुन की पैदावार के भी अच्छे दाम मिले हैं। यही कारण है कि किसान अब लहसुन की पैदावार की तरफ अधिक रुझान कर रहे हैं।

लहसुन कारोबारी सुनील ठाकुर।

गोबर किसान के लिए वरदान

आज के समय की गहन कृषि पद्धतियां मुख्य रूप से बाहरी साधनों जैसे रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भर हैं, लेकिन ये साधन न तो सस्ते हैं और न ही पर्यावरण के लिए सुरक्षित। इनकी ऊंची कीमतें, बढ़ती उत्पादन लागत और मिट्टी पर नकारात्मक प्रभाव के कारण कई किसान अब ऐसे विकल्पों की तलाश में हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हों और साथ ही मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखें। अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी का उपजाऊ होना आवश्यक है। मिट्टी को स्वस्थ बनाने या उसकी उर्वरता को पुनः स्थापित करने में समय अवश्य लगता है, लेकिन यह किसानों के लिए ज़रूरी है। मिट्टी में करोड़ों लाभकारी सूक्ष्मजीव होते हैं जो पौधों की वृद्धि में मदद करते हैं। अब आवश्यकता है कि खेती में ऐसे टिकाऊ तरीकों को अपनाया जाए जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाएं और साथ ही किसानों को अच्छी पैदावार भी दें। **-प्रस्तुति : अजय पोल।**

अंजू ठाकुर, विषय विशेषज्ञ, स्टेट बायोकंट्रोल लैबोरेटरी, पालमपुर।

मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आमदनी दोनों होगी बेहतर

हिमाचल प्रदेश में कृषि विभाग और विस्तार कार्यक्रमों में अकसर किसानों को गोबर के लाभ बताए जाते हैं। किसानों को प्रशिक्षण, संसाधन और सहयोग प्रदान कर गोबर का प्रभावी उपयोग बढ़ाने पर बल दिया जाता है ताकि मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आमदनी दोनों को बेहतर बनाया जा सके।

फार्मयार्ड मैन्योर, वर्मी कंपोस्ट में पोषक तत्वों का संतुलन बेहतर

साधारण गोबर की तुलना में गोबर से बनी फार्मयार्ड मैन्योर, वर्मी कंपोस्ट या कम्पोस्ट अधिक फायदेमंद मानी जाती है क्योंकि इनमें पोषक तत्वों का संतुलन बेहतर होता है। किस प्रकार का उपयोग किया जाए, यह संसाधनों की उपलब्धता, मिट्टी की जरूरत, स्थानीय परंपराओं और खेती के ढांचे पर निर्भर करता है। अकसर दोनों का मिश्रण ही मिट्टी की सेहत और फसल की पैदावार के लिए सर्वोत्तम रहता है।

मिट्टी और जैविक खाद का संबंध

मिट्टी पौध उत्पादन, जल छानने, रोग-कीटों से सुरक्षा और जैव विविधता बनाए रखने जैसी अनेक पारिस्थितिकीय सेवाएं प्रदान करती है। मिट्टी की उर्वरता में कमी खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। गोबर खाद में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश के अलावा कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, जिंक, बोरॉन, कॉपर, मैंगनीज जैसे अनेक आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही यह मिट्टी की संरचना, जल धारण क्षमता और लाभकारी जीवों की वृद्धि में भी सहायक है।

गोबर से बनी वर्मी कम्पोस्ट मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ाती है, जिससे जल अवशोषण, जल धारण क्षमता और पोषक तत्वों का विनिमय सुधरता है। रासायनिक, जैविक और बायोफर्टिलाइज़र का संतुलित प्रयोग फसलों की पैदावार 50 से 90 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।

पहाड़ी क्षेत्रों में गोबर आधारित खाद खेती को प्रदान करती मजबूती

हिमाचल प्रदेश में गोबर (गाय का गोबर) किसान कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग कृषि के अनेक कार्यों में होता है। गोबर कार्बनिक पदार्थ और पोषक तत्वों का उत्कृष्ट स्रोत है।

खाद के रूप में प्रयोग करने पर यह मिट्टी को समृद्ध करता है, उसकी संरचना सुधारता है और फसल की उत्पादकता बढ़ाता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में, जहां मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, वहां गोबर आधारित खाद खेती को मजबूती प्रदान करती है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पारंपरिक खेती में गोबर का उपयोग जैविक खेती के मुख्य घटक के रूप में किया जाता है। इसे अन्य प्राकृतिक पदार्थों के साथ मिलाकर कारगर जैविक खाद तैयार की जाती है, जो पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है।

गोबर का उपयोग रासायनिक खाद पर निर्भरता घटाता है और टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित करता है।

साथ ही, यह किसानों के लिए आय और आजीविका का एक सुलभ साधन भी है। गोबर का उपयोग अपशिष्ट प्रबंधन का भी अच्छा तरीका है, जिससे प्रदूषण कम होता है और पर्यावरण स्वस्थ रहता है।

एक गाय से एक माह में कंपोस्ट की अर्थव्यवस्था

गोबर की मात्रा : औसतन एक गाय प्रतिदिन 15-20 किलो गोबर देती है, यानी 30 दिन में लगभग 450-600 किलो।

कंपोस्टिंग प्रक्रिया : इसमें गोबर को अन्य जैविक पदार्थों के साथ मिलाकर उचित नमी, हवा और देखभाल की आवश्यकता होती है। इसमें श्रम, उपकरण और ढांचे पर खर्च आता है।

अतिरिक्त सामग्री : पुआल, हरा कचरा आदि मिलाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

श्रम और समय : खाद पलटने, नमी जांचने और प्रबंधन में मेहनत लगती है।

बाजार मांग : तैयार कम्पोस्ट का मूल्य उसकी गुणवत्ता, पोषक तत्वों और प्रमाणित जैविक होने पर निर्भर करता है।

वर्मी कंपोस्ट की संरचना

नमी : 15-25 प्रतिशत
रंग : गहरा भूरा से काला
गंध : दुर्गंध रहित
कण आकार : 90% सामग्री 4 मिमी छलनी से गुजरनी चाहिए
घनत्व : 0.7-0.9 ग्राम/से.मी.
कुल कार्बन : कम से कम 18%
नाइट्रोजन : कम से कम 1%
फॉस्फेट : कम से कम 1%
पोटाश : कम से कम 1%
भारी धातुओं की सीमा (मि.ग्रा./कि.ग्रा.) : आर्सेनिक 10, कैडमियम 5, क्रोमियम 50, पारा 0.15, निकेल 50, सीसा 100।

जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण प्रोत्साहन

जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण प्रोत्साहन व अनुदान (खाद्य प्रसंस्करण या बायोगैस संयंत्र हेतु) किसान समूह/सहकारी समितियों के साथ साझेदारी जानकारी का प्रसार (पुस्तिका, पर्चे, डिजिटल माध्यम) गोबर संग्रह केंद्रों की स्थापना तकनीकी सहयोग व निगरानी।

खेती बनेगी टिकाऊ और लाभकारी

गोबर वास्तव में किसानों के लिए एक वरदान है। यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है, उत्पादन लागत घटाता है, पर्यावरण को सुरक्षित रखता है और किसानों की आय को भी सहारा देता है। खाद को वर्मी कम्पोस्ट में बदला जाए तो हिमाचल प्रदेश जैसी कृषि प्रधान भूमि में खेती को और भी टिकाऊ तथा लाभकारी बनाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी में बदलाव दीपावली का उपहार : राकेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राकेश शर्मा ने कहा है कि जीएसटी स्लैब में बदलाव कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली से पहले बड़ा उपहार दिया है। इस निर्णय से लोगों का जीवन सरल व सुगम होगा। उन्होने कहा है कि जीएसटी रिफार्म का सीधा लाभ किसानों, मध्यम वर्ग, महिलाओं, युवाओं, छोटे व्यापारियों सहित हर आम व खास को मिलेगा। रिफार्म उद्योग व व्यापार जगत को भी नई ऊर्जा देने वाला है। यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। रिफार्म उद्योग व व्यापार जगत को भी नई ऊर्जा देने वाला है। यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। नरेद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने रोटी को करमुक्त कर दिया है। गृहिणी अब देखेंगी कि कितनी ज्यादा बचत होने वाली है। जीएसटी रिफॉर्म भारत की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रांति का उद्घोष है।

भूस्खलन से कांगड़ा एयरपोर्ट को खतरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से कांगड़ा एयरपोर्ट पर खतरा मंडराने लगा है। मंडी-पठानकोट नेशनल हाईवे पर स्थित गगल एयरपोर्ट के पास हुए भूस्खलन से सुरक्षा दीवार के कई खंभे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जिला प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी को तुरंत ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। पठानिया ने कहा कि यदि समय रहते रोकथाम नहीं की गई तो एयरपोर्ट को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि लगातार भूस्खलन से अन्य पिल्लरों को भी खतरा पैदा हो गया है।

पेयजल योजनाओं पर खर्च हो रहे 80 करोड़ : पठानिया

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न पेयजल योजनाओं पर लगभग 80 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं। यह जानकारी उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने आज कुठमां में विद्युत संचालित हैंडपंप का लोकार्पण करने के उपरान्त दी। उन्होंने कहा कि इस हैंडपंप से कुठमां गांव की गुलेरिया बस्ती के 15 से 18 परिवारों को शुद्ध पेयजल मिलेगा। साथ ही पंचायत में लगभग 40 लाख रुपए की लागत से ट्यूबवेल लगाया जा रहा है, जिसका कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और शीघ्र ही लोगों को पेयजल कनेक्शन मिल जाएंगे। विधायक ने बताया कि कुठमां में विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए 63 केवीए के ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 100 केवीए का कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त विद्युत विभाग द्वारा ही 18 लाख रुपए की लागत से अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

जीएसटी दरों में कमी से हर वर्ग को राहत : विनोद

अनंत ज्ञान, गरली। मंडल भाजपा प्रागपुर के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी दरों में की गई व्यापक कटौती से भारत की तकदीर और तस्वीर बदल रही है। इससे समाज के प्रत्येक वर्ग की आर्थिकी को मजबूती मिलेगी और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होगा। विनोद शर्मा ने कहा कि कुल 413 वस्तुओं पर कर कटौती का लाभ देश के हर तबके तक पहुंचेगा। सीमेंट 40 रुपये सस्ता होने से निर्माण कार्य किफायती होंगे, बीमा प्रीमियम घटने से ग्राहकों को राहत मिलेगी और 2047 तक सभी को इंश्योरेंस सुविधा मिल सकेगी। वहीं जीवन रक्षक दवाइयां, मेडिकल उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामान एसी, एलईडी, फ्रिज, वाशिंग मशीन तक 3 से 4 हजार रुपए सस्ते हो जाएंगे। महिलाओं के सौंदर्य प्रसाधन व किसानों के कृषि उपकरण भी अब कम दामों पर उपलब्ध होंगे।

परागपुर वार्ड नंबर 1 में रास्ता टूटने की कगार पर

अनंत ज्ञान, परागपुर। जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव परागपुर के वार्ड नंबर एक का रास्ता धीरे-धीरे टूटते जा रहा है। जिसके चलते साथ में लगते दो मकानो को भी खतरा बन सकता है अगर रास्ते को समय रहते ना देखा गया तो पूरा का पूरा रास्ता टूट जाएगा। आपको बता दें कि यह रास्ता परागपुर बाजार के लिए पैदल रास्ता है जहां से लोग बाजार के लिए जाते हैं और इस रास्ते का स्लैब आधा टूट चुका है और इसके नीचे से धीरे-धीरे मिट्टी भी निकलना शुरू हो गई है। रास्ते के साथ लगते मकान मालिक राजेंद्र धीमान ने बताया है कि पंचायत को इस बारे में बता चुके हैं पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं की गई। उनका कहना है आए दिन बरसात का कहर देखने को मिल रहा है अगर इस रास्ते को समय रहते न देखा गया तो यह रास्ता भी आपदा का शिकार न बन जाए।

निक्षय शिविर एवं चिकित्सा कैंप आज

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। महाकाल मंदिर के प्रांगण में खंड चिकित्सा अधिकारी महाकाल डॉक्टर दिलावर देओल की अध्यक्षता में 6 और 13 सितंबर को निक्षय शिविर और चिकित्सा कैंप का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में 20 वर्ष से ऊपर वाले व्यक्तियों की छाती के एक्सरे मोबाइल एक्सरे टीम द्वारा किए जाएंगे। शिविर में लोगों को निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों के रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार 10 को

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। जिला कांगड़ा के बाल विकास परियोजना अधिकारी खंड कार्यालय फतेहपुर के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों को भरने के लिए आगामी 10 सितम्बर को साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए अरविंद गुलेरिया, बाल विकास परियोजना अधिकारी (अतिरिक्त प्रभार) फतेहपुर ने बताया कि यह साक्षात्कार कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार में उन्हीं अभ्यर्थियों को भाग लेना होगा, जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र मोहाड़, सुकराल, बढ़ाल, जमलुई, सुनेट, बलोला, नगल, भांथ, होरी देवी और हटली में रिक्त पदों के लिए आवेदन किया है। सीडीपीओ गुलेरिया ने कहा कि सभी अभ्यर्थी साक्षात्कार के दिन अपने मूल दस्तावेज साथ लाना सुनिश्चित करें।

सार्वजनिक शौचालय रखरखाव को लेकर बनी कमेटी

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। डाडासीबा बाजार में नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय भवन के रखरखाव को लेकर शुक्रवार को राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय पंचायत प्रधान सुचिता कंवर ने की, जबकि व्यापार मंडल अध्यक्ष राजिंदर सिंह गोगा ने अगवाई की। इसमें कार्यकारिणी सदस्यों के साथ बाजार के दुकानदारों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शौचालय भवन और बाजार की साफ-सफाई के लिए प्रत्येक दुकानदार से हर महीने 100 रुपए शुल्क वसूला जाएगा। यह राशि रखरखाव और सफाई व्यवस्था पर खर्च होगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि कोई दुकानदार निर्धारित शुल्क जमा नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से बाजार में सार्वजनिक शौचालय की सुविधा की मांग उठ रही थी। इसके निर्माण के बाद अब रखरखाव के लिए कमेटी बनाना एक सराहनीय कदम है। इससे न केवल शौचालय भवन साफ-सुथरा रहेगा बल्कि पूरे बाजार की स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस मौके पर डाडा सीबा पंचायत उपप्रधान परमेश्वरी दास, पूर्व प्रधान धर्म चंद, पूर्व प्रधान जैसी राम, रितेश शर्मा, सूरज वर्मा, कश्मीर सिंह,गुरमीत सिंह, कृष्ण शर्मा, रामपाल मेहरा, सुनील शर्मा, नवीन मेहता, अजय कुमार सहित कई दुकानदार और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लौहरा पंचायत में महिला मंडलों को मिली सौगात

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। गांव का विकास सिर्फ सड़कों और इमारतों से नहीं होता, बल्कि तब होता है जब लोगों के छोटे-छोटे संगठनों की जरूरतों को भी समझा जाए। यही तस्वीर इन दिनों पंचायतों में देखने को मिल रही है। पंचायत प्रधान और समिति सदस्य गांव-गांव जाकर महिला मंडलों, युवा क्लबों और अन्य संगठनों को सहयोग देकर उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। विकास खंड फतेहपुर की ग्राम पंचायत लौहरा के प्रधान नरजीव जरियाल ने अपनी पंचायत के 5 महिला मंडलों को बीडीसी फंड से प्रति मंडल 33-33 कुर्सियां भेंट कीं। कुल 165 कुर्सियों का यह तोहफ़ा महिला मंडलों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब गांव के समारोहों, धार्मिक आयोजनों और मेल-मिलाप में ग्रामीणों को बैठने की सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहल सिर्फ सुविधा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के संगठनों को सम्मान और अपनत्व का अहसास कराती है। गांव की महिलाओं के चेहरों पर खुशी और संतोष इस बात की गवाही देते हैं कि यह सहयोग उनके दिलों तक पहुंचा है। पंचायत प्रधान नरजीव जरियाल ने कहा कि पंचायत के संगठनों की मांगों और जरूरतों को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। जनता ने हमें प्रतिनिधि बनाया है, इसलिए उनके सुख-दुख में हमेशा साथ रहना ही असली सेवा है।

पौंग बांध का जलस्तर 1394.80 फुट तक पहुंचा, गांवों में घुसा पानी

पौंग बांध से 99 हजार क्यूसेक पानी किया डिस्चार्ज

अनंत ज्ञान, फतेहपुर

हिमाचल प्रदेश का पौंग बांध (महाराणा प्रताप सागर) खतरे के निशान से लगातार ऊपर बह रहा है। शुक्रवार (5 सितंबर 2025) शाम 4 बजे बांध का जलस्तर 1394.80 फीट दर्ज किया गया, जो बांध के निर्धारित खतरे के निशान 1390 फुट से 4.80 फुट अधिक है।

शुक्रवार को सुबह से शाम तक बांध के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। सुबह 7 बजे जलस्तर 1394.72 फुट था, जो 8 बजे 1394.73 फुट, 9 बजे 1394.74 फुट, 10 बजे 1394.75 फीट, 11 बजे 1394.76 फुट, और 12 बजे 1394.77 फुट तक पहुंच गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे 1394.78 फुट, 2 बजे 1394.79 फुट तथा 3 बजे और 4 बजे 1394.80 फुट दर्ज किया गया।

इस दौरान जलस्तर लगातार खतरे के निशान से ऊपर बना रहा और अधिकतम 4.80 फुट ऊपर

फाइल फोटो

तक पहुंच गया। इस समय बांध में इनफ्लो 99,673 क्यूसेक और आउटफ्लो भी 99,673 क्यूसेक दर्ज किया गया है। बांध की सभी 6 मशीनें पूरी क्षमता से चल रही हैं। टर्बाइन से 16,892 क्यूसेक तथा स्पिलवे से 82,781 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त मलकानपुर हाइड्रोपावर चैनल से 11,500 क्यूसेक पानी उपयोग में लिया जा रहा है जबकि डाउनस्ट्रीम स्नबर पर ब्यास नदी में 88,173 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम साफ है और पानी का डिस्चार्ज सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत नियंत्रित किया जा रहा है। बांध से छोड़े गए पानी का असर हिमाचल प्रदेश के फतेहपुर और इंदौरा क्षेत्रों के साथ-साथ पंजाब के होशियारपुर और पठानकोट जिलों में साफ दिखाई दे रहा है। खेत-खलिहान जलमग्न हो गए हैं और कई घरों में पानी घुस गया है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। बीबीएमबी और जिला प्रशासन का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय है और नागरिक टोल-फ्री नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद ने अवॉर्डी टीचर्स को किया सम्मानित

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भारत विकास परिषद शाखा बैजनाथ पपरोला द्वारा शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर एक नई पहल के तहत बैजनाथ क्षेत्र की शिक्षा जगत की उन हस्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्हें पूर्व में उनकी शिक्षा क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

बैजनाथ क्षेत्र के 6 शिक्षक किए सम्मानित

पपरोला स्थित शाखा कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में अनिल नंदा मुख्यातिथि और शिवाल सूद विशिष्ट अतिथि एवं शाखा सदस्यों की उपस्थिति में बैजनाथ क्षेत्र के 6 शिक्षाविदों क्रमशः एसके भटनागर सेवानिवृत उपनिदेशक, आरडी सोनी, सेवानिवृत प्रिंसिपल, लाल चंद शास्त्री, सीएचटी नरोत्तम चंद, ओमप्रकाश शर्मा और स्वर्गीय रामप्रकाश उपाध्याय (उनके सुपुत्र हेडमास्टर मनोज उपाध्याय ने सम्मान ग्रहण किया) को सम्मानित किया गया।

शिक्षक अजय सिंह राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

शिक्षक अजय सिंह को राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित करते राज्यपाल।

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान

डरोह। उपमंडल भवारना के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ जमूला के प्रवक्ता रसायन विज्ञान के अजय सिंह पटियाल को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर शिमला में शिक्षा विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि पिछले 27 साल की सेवाओं में स्कूल के 15 परिणाम शत-प्रतिशत रहे। वह बच्चों को इस तरह से पढ़ाते हैं कि वे उनकी पढ़ाई गई हर बात को अपने जहन में उतार लेते हैं।

उन्होंने कहा कि 15 परिणाम शत-प्रतिशत रहे हैं। बच्चों के केमिस्ट्री में शत-प्रतिशत अंक आते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड में पांच मेरिटें आई हैं। उनके पढ़ाने से दो बच्चे एमबीबीएस में व तीन बच्चे बीएएमएस में दाखिला ले चुके हैं। यह ही नहीं इनके पढ़ाने से आईआईटी कानपुर में दो बच्चों को दाखिला मिला।

पिछले 27 साल की सेवाओं में स्कूल के 15 परिणाम रहे शत-प्रतिशत

इसके अलावा 6 बच्चों ने एनआईटी हमीरपुर में दाखिला पाया। उनकी उपलब्धियां बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी इस उपलब्धि से गढ़ जमूला स्कूल में, उनके गांव फस्टा व पंचायत देवी में खुशी का माहौल है।

गिद्ध संरक्षण पर कार्यशाला स्थगित, खराब रास्ते बने बाधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला मुख्यालय धर्मशाला में गिद्धों के संरक्षण पर शुक्रवार को होने वाली कार्यशाला स्थगित हो गई। कार्यशाला का आयोजन विश्व गिद्ध जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य पर किया जाना था, लेकिन बरसात के चलते कई जगहों पर खराब सडक़ मार्गों के चलते इस कार्यशाला को स्थगित कर दिया गया है।

जिला के विभिन्न क्षेत्रों के पर्यावरणविदों सहित वन विभाग के वन्य प्राणी विंग के अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लेना था, लेकिन बारिश की वजह से कई जगह सडक़ मार्ग टूटने के चलते, कार्यशाला को स्थगित कर दिया गया है तथा अब इसके आयोजन की तिथि का पुन- निर्धारण किया जाएगा। हाल ही में वाइल्ड लाइफ इंस्टीटयूट द्वारा किए गए अध्ययन में यह खुलासा हुआ था कि जिला में 500 के करीब गिद्ध हैं।

वाइल्ड लाइफ विभाग की ओर से गिद्धों के संरक्षण हेतू अध्ययन किया गया है, जिसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं। इस अध्ययन को आगे ले जाने के लिए ही धर्मशाला में जिला स्तरीय कार्यशाला किया जाना था जो कि स्थगित हो गया। सीएफ वाइल्ड लाइफ धर्मशाला सरोज भाई पटेल ने बताया कि खराब रास्तों के चलते कार्यशाला को स्थगित कर दिया गया है, जल्द ही इसकी नई तिथि का निर्धारण किया जाएगा।

एमकॉम की मेरिट में डीएवी कांगड़ा की दस छात्राएं

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान

कांगड़ा। एमकॉम के परीक्षा परिणाम में एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा घोषित की गई मेरिट सूची में श्रेष्ठ 10 स्थानों पर कब्जा हासिल कर कॉलेज की गरिमा में चार चांद लगा दिए हैं।

विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में पहला स्थान किरण शर्मा, दूसरा स्थान अमृता सिंह, तीसरा स्थान रितिका, चौथा स्थान सिमरन, पांचवा स्थान, शिखा छठा स्थान, मुस्कान सातवां स्थान, अक्षिता महाजन, आठवां स्थान कंचन देवी, नवां स्थान नैंसी गोरला और दसवां स्थान वेनिका ठाकुर ने प्राप्त किया है। प्रधानाचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं। विद्यार्थियों ने जिस लगन, अनुशासन और मेहनत से पढ़ाई की है, वह शानदार परिणामों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।

प्रधानाचार्य ने कहा कि डीएवी कॉलेज कांगड़ा का हमेशा से ही विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ सर्वांगीण विकास करने की दिशा में कार्यरत रहा है। कॉलेज में विद्यार्थियों को हमेशा से ही खेलों के प्रति भी प्रेरित करने की दिशा में कार्य किया जाता है जिससे विद्यार्थियों का मानसिक एवं शारीरिक विकास होने के साथ-साथ विद्यार्थियों में टीम भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है। प्राध्यापक और विद्यार्थी सभी बधाई के पात्र हैं ।

हैप्पी बर्थडे

ऊना के भलौन गांव के रियांश बिजड़ को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

शिवांस धीमान को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय रैत में मनाया शिक्षक दिवस

द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय रैत में शिक्षक दिवस पर छात्राएं शिक्षक को गिफ्ट देती हुई।

अनंत ज्ञान, शाहपुर

द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय रैत में एससीए के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से शिक्षक दिवस मनाया गया।

मन्नत ने शिक्षक समाज के सच्चे नायक क्यों होते हैं इस विषय पर प्रकाश डाला वहीं शिवम् ने एक सच्चे अध्यापक की प्रेरणा कभी नहीं मिटती इस विषय पर विचार रखे निष्ठा ने एक गाना गया। वहीं सहायक आचार्य रजत ने अपने दिनों को याद करते हुए एक कविता को प्रस्तुत किया।

वहीं सहायक आचार्य एवं एचओडी बीएड समित शर्मा ने बच्चों को संस्कारो को हमेशा जिंदा रखने प्रेरणा दी सहायक आचार्य एवं एचओडी बीसीए राजेश राणा ने कहा कि शिक्षकों का समाज निर्माण में विशेष योगदान है। वहीं शैक्षिक अधिष्ठाता डॉ. अनीता चंदेल ने कहा कि ब्यूरोक्रेट और टेक्नोक्रेट बनाने में शिक्षकों का अमूल्य योगदान रहता है।

वहीं सहायक आचार्य डॉ. अश्वनी ने कहा कि प्रथम गुरु माता है उसके बाद जो हमें पहला अक्षर लिखना सिखाते हैं हमें उन गुरुजनों को भी याद रखना चाहिए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य को संवारने में मेहनत करते हैं।

सत्यम कॉलेज में मनाया शिक्षक दिवस

अनंत ज्ञान, शाहपुर। सत्यम कॉलेज ऑफ नर्सिंग लंजोत में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। शिक्षक दिवस के मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष कमल शर्मा, सोसाइटी सदस्य प्रेमी देवी, अंजू कुमारी अपूर्व ठाकुर बाइस प्रिंसिपल अभिलाषा कुमारी ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर कालेज की छात्राओं ने सोलो डांस, गाने गाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

छात्राओं ने सभी अध्यापक को अलग अलग तोहफे देकर सम्मानित किया । सोसायटी के अध्यक्ष कमल शर्मा ने कहा कि उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन का दृष्टिकोण केवल कक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि वह सत्य, सेवा और सार्वभौमिक मूल्यों की खोज पर आधारित था।

उन्होंने शिक्षक की भूमिका को केवल पेशा न मानकर मानवता के उच्च आदर्शों को पोषित करने वाला पवित्र दायित्व बताया।

टैक्सी ऑपरेटर्स से 2500 रुपए शुल्क लेना गलत निर्णय : सुधीर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने गरीब टैक्सी संचालकों से 2500 रुपए की वसूली को गलत ठहराया है। सुधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल में नगर निगम धर्मशाला पहला शहरी निकाय बन गया है, जो गरीब टैक्सी संचालकों से 2500 रुपए की वसूली कर रहा है। यह सरासर गलत है तथा गरीबों से अन्याय है। सुधीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बता दें कि पूरे प्रदेश में इस तरह की वसूली कहां हो रही है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि दुकानों में ट्रेड लाइसेंस बनाना भी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला नगर निगम की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में है। प्रदेश के किसी भी नगर निगम क्षेत्र में ऐसा सिस्टम नहीं है। सुधीर शर्मा ने कहा कि बरसात के समय नगर निगम धर्मशाला के प्रबंधों की पोल खुलकर रह गई है। शहरों में जगह-जगह सड़कें टूट गई हैं। खड़ा डंडा-मैक्लोडगंज रोड बुरी तरह टूटा हुआ है। यह रोड विश्वविख्यात धर्मगुरु दलाईलामा बौद्ध मठ की ओर जाता है जहां महामहिम दलाई लामा का निवास है ।

इस रोड को ठीक न करवा पाने से हिमाचल की सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार धर्मशाला शहर की पूरी दुनिया में बदनामी करवा रही है। इस रोड से रोगियों, बच्चों व महिलाओं का आना-जाना कठिन हो गया है। शर्मा ने कहा कि गांवों में कई मकान, गौशालाएं, कूहलें, रास्ते क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार का कोई भी नुमाइंदा वहां नहीं पहुंचा है। धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र को कांग्रेस सरकार ने कई साल पीछे धकेल दिया है। सुधीर शर्मा ने कहा कि सीयू के पैसे भी यह सरकार जानबूझकर जमा नहीं करवा रही है।

सत्या देवी का हुआ देहांत

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। बैजनाथ के पत्रकार सुरेंद्र अत्री की माता सत्या देवी (78) का बीती रात को देहांत हो गया । वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी।

बिनवा खड्ड के किनारे गणपति घाट पर शुक्रवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया । उनकी अंतिम यात्रा में विधायक किशोरी लाल समेत कई सामाजिक संस्थाओं के लोगों भी शामिल हुए । बैजनाथ प्रेस परिषद ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है ।

राहत | बरसात के बाद होगी त्रियुंड रेस्ट हाउस की रेनोवेशन

अंग्रेजों के समय बने रेस्ट हाउस की लीकेज होगी दूर

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। ब्रिटिश हुकूमत काल में बने रेस्ट हाउस की छत्त की लीकेज जल्द दूर होगी। इंटरनेशनल टूरिस्ट डेस्टीनेशन मैक्लोडगंज की रमणीक पर्यटक स्थल त्रियुंड स्थित वन विभाग के रेस्ट हाउस, जिसे मरम्मत की जरूरत है, इस कार्य को वन विभाग बरसात के बाद करने जा रहा है।

रेस्ट हाउस के प्रांगण को दुरुस्त किया जाएगा, साथ ही रेस्ट हाउस का एरिया भी सोलर लाइटों से जगमगाएगा, इसके लिए वन विभाग ने बजट का बंदोबस्त कर लिया है।

गौरतलब है कि मैक्लोडगंज भ्रमण पर आने वाले देश-विदेश के पर्यटक त्रियुंड जाना नहीं भूलते। हालांकि बरसात में पहाड़ियों पर भारी बारिश और सर्दियों में बर्फबारी के चलते त्रियुंड जाने की मनाही रहती है, जबकि अन्य दिनों में लोग ट्रैकिंग के लिए त्रियुंड का रुख करते हैं और प्रकृति का लुफ्त उठाते हैं।

प्रांगण को किया जाएगा दुरुस्त, सोलर लाइटस से जगमगाएगी साइट

मैक्लोडगंज भ्रमण पर आने वाले देश-विदेश के पर्यटक त्रियुंड जाना नहीं भूलते

फाइल फोटो

करीब सौ वर्ष पहले बना था रेस्ट हाउस

विभागीय जानकारी के अनुसार करीब सौ वर्ष पहले अंग्रेजों के समय इस रेस्ट हाउस का निर्माण किया गया था। तीन कमरों के इस रेस्ट हाउस में ठहरना हर कोई पसंद करता है। वर्तमान में रेस्ट हाउस की छत्त में लीकेज की समस्या है, जिसकी मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब वन विभाग ने इसके लिए तैयारी कर ली है तथा बरसात के बाद मरम्मत कार्य पूरा होने पर रेस्ट हाउस को पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

ट्रैक मरम्मत की है योजना

गलू से त्रियुंड के रास्ते को भी समय-समय रिपेयर करने की योजना है। त्रियुंड ट्रैक पर विभिन्न स्थानों पर बैठने की व्यवस्था को ठीक किया जा रहा है। ट्रैक पर कई स्थानों पर साइनबोर्ड लगाए गए हैं।

त्रियुंड में वन विभाग का रेस्ट हाउस है करीब 100 साल पहले अंग्रेजों के समय में बना था, जिसकी मरम्मत की जानी है। वन वृत्त धर्मशाला के तहत ईको टूरिज्म सोसायटी के तहत रेस्ट हाउस की देखरेख के आदेश दिए गए हैं। बरसात थमने के साथ ही रेस्ट हाउस की रिपेयर करके उसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। रेस्ट हाउस की छत्त में लीकेज की समस्या है, जिसकी मरम्मत की जानी है। वहां पर सोलर लाइटस लगाई जाएंगी तथा रेस्ट हाउस के प्रांगण को भी दुरुस्त किया जाएगा।

-राहुल शर्मा, डीएफओ, धर्मशाला।

इंश्योरेंस पर जीएसटी खत्म ग्राहकों को बड़ी राहत : सुनील

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान

कांगड़ा। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पूरी तरह समाप्त कर दिया। अब पॉलिसी धारकों को प्रीमियम पर कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा।

वरिष्ठ बीमा सलाहकार सुनील डोगरा ने बताया भारत में जीएसटी 1 जुलाई 2017 से लागू हुआ था, उसी समय से इंश्योरेंस प्रीमियम पर भी जीएसटी लगाया जाने लगा था। सुनील डोगरा ने बताया जीएसटी लागू होने के बाद इंश्योरेंस प्रीमियम पर 1.8 फीसदी से लेकर 18 फीसदी तक जीएसटी लगता था। टर्म इंश्योरेंस पर 18 फीसदी, हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी, एंडोमेंट / मनीबैक / सेविंग्स प्लान (पहले वर्ष) 4.5 फीसदी, एंडोमेंट / मनीबैक (नवीकरण प्रीमियम) 2.25 फीसदी, एन्यूटी / पेंशन प्रोडक्ट्स 1.8 फीसदी जीएसटी लगता था जो अब 22 सितंबर 2025 से खत्म कर दिया गया है। इस छूट का फायदा पुरानी ओर नई सभी तरह की पॉलिसियों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह फैसला इंश्योरेंस सेक्टर को नई ऊर्जा देगा।

इससे ग्राहकों का भरोसा बढ़ेगा और इंश्योरेंस की पहुंच आम लोगों तक और आसान होगी। 2047 तक हर इंसान का बीमा संकल्प जो सरकार ने लिया है उसको पूरा करने में यह कदम कारगर साबित होगा। इससे अब आने वाले समय में लोगों को इस सुविधा का फायदा मिलेगा, और बचत भी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पर ऐतिहासिक फैसला लिया है। इस फैसले से अब इंश्योरेंस सेक्टर में ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह बीमा से संबंधी सभी पॉलिसी का लाभ उठा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम घुमारवीं ने किया वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। उपायुक्त के निर्देशानुसार एसडीएम घुमारवीं गौरव चौधरी ने आज वर्षा प्रभावित पंचायत गाहर, कपाहड़ा तथा पलासला का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की तथा आवश्यक सामग्री एवं फौरी राहत प्रदान की। उन्होंने घुमारवीं-सुन्हाणी-बरठीं सड़क का भी निरीक्षण किया तथा उम्मीद जताई कि आज देर सायं तक यह मार्ग छोटे वाहनों के लिए बहाल कर दिया जाएगा। इसके अलावा उपमंडल में वर्षा से प्रभावित पेयजल योजनाओं की बहाली का कार्य भी संबंधित विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उपायुक्त के निर्देशानुसार उपमंडल में वर्षा से हुए नुकसान का राजस्व विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी लगातार आकलन करने के लिए फील्ड में कार्यरत हैं।

तीन किमी पैदल चलकर प्रभावितों से मिलने पहुंचे एसडीएम

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार के निर्देशों पर भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह आज छड़ोल पंचायत के अंतर्गत गांव जामली में पहुंचे। वे लगभग 3 किलोमीटर पैदल चलकर प्रभावित स्थल तक पहुंचे। यहां हुए भूस्खलन का उन्होंने मौके पर निरीक्षण किया और स्थिति का विस्तृत आकलन किया। एसडीएम ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि प्रशासन हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री समय पर उपलब्ध करवाई जाए और स्थिति पर लगातार नज़र रखी जाए।

सिक्योरिटी गार्ड्स के साक्षात्कार 16 को घुमारवीं में

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। एसआईएस सिक्योरिटी, इंडिया लिमिटेड, रीजनल ट्रेनिंग सेंटर हमीरपुर नियर वुड पार्क, सैनिक स्कूल, बड़सर रोड, हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड्स के 70 पदों को भरा जा रहा है। इन पदों के लिए 16 सितंबर को प्रातः 11 बजे से उपरोजगार कार्यालय घुमारवीं में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन जाएगा। इस बारे में जिला रोजगार अधिकारी बिलासपुर राजेश मेहता ने बताया कि इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं अथवा 12वीं पास तथा उम्मीदवार की आयु 19 से 40 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त उम्मीदवार की न्यूनतम ऊंचाई 168 सेमी तथा न्यूनतम वजन 54 किग्रा. होना आवश्यक है। चयनित अभ्यर्थियों को 17,500 से 22,000 रुपए तक मासिक मानदेय प्रदान किया जाएगा। इन पदों के लिए केवल पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित तिथि एवं समय पर उप-रोजगार घुमारवीं में उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए एसआईएस सिक्योरिटी, हमीरपुर के अधिकारी से मोबाइल नंबर 8558062252 पर संपर्क कर सकते हैं।

सलाओं उपरली में वृद्धजनों की जांची आंखें

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बिलासपुर तथा सामाजिक न्याय एवं अल्पसंख्यक एवं विशेष सक्षम कल्याण विभाग के सहयोग से घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र की पंचायत सलाओं उपरली में वृद्धजनों के लिए नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता समाजसेवी एवं पंचायत प्रधान संदीप शर्मा ने की। शिविर का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों में मोतियाबिंद जैसी नेत्र समस्याओं की समय रहते पहचान करना और उनके आंकड़े कार्य योजना के अंतर्गत भेजना रहा। 62 वृद्धजनों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 23 लोगों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. संजय शर्मा ने जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इसी दौरान सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से 45 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और विभिन्न टेस्ट भी किए गए। शिविर के दौरान बधिर जागरूकता दिवस भी मनाया गया। स्वास्थ्य शिक्षिका लीला शर्मा ने कानों की देखभाल, शोर से बचाव और बिना चिकित्सक की सलाह दवा का उपयोग न करने संबंधी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने एचआईवी एड्स की रोकथाम और बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर रेडक्रॉस जिला शाखा बिलासपुर के सचिव अमित कुमार, पूर्व प्रधान सुलक्षणा पठानिया, केहलूर हिम कुलप फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल ठाकुर, एक्स स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन भराड़ी के सचिव आजाद चंद वर्मा, स्वास्थ्य शिक्षिका लीला देवी और उपप्रधान राजीव कुमार मौजूद रहे। शिविर में 80 लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

टूटा सब्र का बांध; बिलासपुर में 17 संगठनों ने भरी हुंकार, करेंगे सचिवालय का घेराव

पेंशनरों का सरकार को अल्टीमेटम

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में पेंशनरों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। राज्यभर के 17 संगठनों के प्रतिनिधि बिलासपुर में एकजुट हुए और सरकार के खिलाफ बड़ा फैसला लिया। बैठक में स्पष्ट कहा गया कि अगर एक माह के भीतर लंबित मांगें पूरी नहीं हुईं तो पेंशनर सड़क पर उतरकर शिमला सचिवालय का घेराव करेंगे। बैठक में माहौल बेहद आक्रोशपूर्ण रहा। बुजुर्ग पेंशनरों ने साफ कहा कि वे अब सरकार के खोखले वादों और आश्वासनों से तंग आ चुके हैं। इस बार आंदोलन आर-पार का होगा।

हालांकि कुल्लू और चंबा से पांच संगठन भूस्खलन के कारण नहीं पहुंच पाए, लेकिन उन्होंने भी आंदोलन का समर्थन भेजा। यानी अब यह सिर्फ कुछ संगठनों की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रदेशव्यापी जनआंदोलन का रूप लेने जा रहा है।

अनंत ज्ञान खास खबर

वादाखिलाफी का आरोप, गुस्से में पेंशनर्स : पेंशनरों का आरोप है कि सरकार उनके हक पर कुंडली मारकर बैठी है।

एचआरटीसी के पेंशनर समय पर पेंशन के लिए तरस रहे हैं, बिजली बोर्ड कर्मचारियों को ओपीसी से बाहर रखा गया है, करोड़ों रुपए का चिकित्सा भत्ता महीनों से अटका है और 2016 से 2022 तक रिटायर हुए कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान तक नहीं मिला। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री द्वारा हिमाचल दिवस पर घोषित तीन फीसदी डीए भी आज तक लागू नहीं हुआ।

पेंशनरों का कहना है कि अगर मंत्रियों और विधायकों का वेतन बढ़ाना हो तो सरकार को कोई संकट नहीं दिखता, लेकिन जब पेंशनरों का सवाल आता है तो खजाना खाली होने का रोना रोया जाता है। अब यह बिलकुल भी सहन नहीं किया जाएगा। इस बार की लड़ाई को आर-पार की लड़ाई मानेंगे और अपने लंबित हक लेकर ही रहेंगे।

अगर पैसा नहीं है तो राज्यपाल शासन लागू करो

पेंशनरों ने सरकार को सीधी चुनौती दी कि अगर वाकई खजाना खाली है तो राज्यपाल शासन लागू करो और साफ कह दो कि हम पेंशनरों को उनका हक नहीं देंगे, लेकिन हमें बरगलाने की राजनीति अब नहीं चलेगी। हम सड़क पर उतरकर सरकार से हक छीनेंगे।

आंदोलन की उलटी गिनती शुरू

बैठक में यह तय हुआ कि आने वाले दिनों में सचिवालय घेराव की रूपरेखा तैयार की जाएगी, साथ ही, अगर सरकार फिर भी मांगें पूरी नहीं करती तो आंदोलन चरणबद्ध तरीके से और भी उग्र होगा। पेंशनरों का कहना है कि यह सिर्फ पेंशन का सवाल नहीं, बल्कि बुजुर्ग कर्मचारियों की इज्जत और आत्मसम्मान की लड़ाई है और इस बार जवाब केवल सड़कों से ही दिया जाएगा।

क्या हैं पेंशनरों की प्रमुख मांगें

- एचआरटीसी पेंशनरों को समय पर पेंशन मिले।
- बिजली बोर्ड कर्मचारियों को ओपीसी में शामिल किया जाए।
- लंबित चिकित्सा भत्ता तुरंत जारी किया जाए।
- 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 तक रिटायर हुए कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान दिया जाए।
- हिमाचल दिवस पर घोषित 3 प्रतिशत डीए को तत्काल लागू किया जाए।

सरकार पर पेंशनरों के आरोप

- खोखले वादों और आश्वासनों से गुमराह करना।
- विधायकों और मंत्रियों की सैलरी बढ़ाने में तत्परता, लेकिन पेंशनरों के लिए 'वित्तीय संकट' का बहाना।
- बुजुर्ग कर्मचारियों को अपमानित करने की कोशिश।
- वर्षों से लंबित मांगों को ठंडे बस्ते में डालना।
- कई विधायकों और मंत्रियों के मिलने के बाद भी हमारी मांगों पर सिर्फ आश्वासन के सिवा गौर न करना।

डीएवी एसीसी स्कूल बरमाणा की चार छात्राओं ने जीता राष्ट्रपति पुरस्कार

हिमाचल का नाम रोशन करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते प्रधानाचार्य।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

डीएवी एसीसी पब्लिक स्कूल बरमाणा की चार होनहार छात्राओं ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का सर्वोच्च 'राष्ट्रपति पुरस्कार' प्राप्त कर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली छात्राएं भानु चौधरी, अंकिता शर्मा, अदिति चंदेल और सारिका ठाकुर हैं। इन छात्राओं ने विद्यालय स्तर की प्रथम और द्वितीय सोपान परीक्षाएं, जिला स्तर की तृतीय सोपान परीक्षा तथा राज्य पुरस्कार परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद हरियाणा स्थित गतपुरी राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कठिन राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में छात्राओं को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह सम्मान भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने प्रदान किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील गांगटा ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा यह उपलब्धि हमारी बेटियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। यह सम्मान विद्यालय के साथ-साथ पूरे हिमाचल के लिए गर्व की बात है। स्काउट्स एवं गाइड्स समूह के मार्गदर्शक शिक्षकों ने भी विश्वास जताया कि यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देगा और उनके आत्मविश्वास को मजबूत करेगा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय परिवार और प्रदेशवासियों में हर्ष और गर्व की लहर है।

अल्फा स्कूल बरठीं में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया

शिक्षक दिवस पर अल्फा एजुकेशनल सोसायटी ने शिक्षकों को उपहार बांटे।

मदन, अनंत ज्ञान

बरठीं। अल्फा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरठीं में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल में कार्यरत सभी अध्यापकों व अन्य स्टाफ सदस्यों को अल्फा एजुकेशनल सोसायटी द्वारा सम्मान स्वरूप हैवल्स कंपनी के 55,000 मूल्य के हैंड ब्लेंडर सहित नकद राशि उपहार में भेंट की। कार्यक्रम में सोसायटी के उपप्रधान ठाकुरदास शर्मा और सचिव चंद्रलेखा ने शिक्षकों के समर्पण, कर्मठता और अनुशासन की सराहना करते हुए प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं और उनकी मेहनत के बल पर संस्था निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अल्फा एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा अध्यापकों का सम्मान कर यह परंपरा कायम रखी गई। संस्था की सचिव चंद्रलेखा, कोषाध्यक्ष सुमन शर्मा, तथा कार्यकारिणी सदस्य उपमा शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने सोसाइटी के प्रति आभार प्रकट किया और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रतिज्ञा ली।

झंडूता में नालियों की दुर्दशा से पानी सड़क पर, लोग परेशान

नाली की ब्लॉकेज से सड़क पर खड़ा पानी, जो राहगीरों को परेशान कर रहा है।

गोपाल कपिल, अनंत ज्ञान

झंडूता। झंडूता उपमंडल में लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने सड़क किनारे बनी नालियों की बदहाल स्थिति से स्थानीय लोग परेशान हैं।

बारिश में जल निकासी न होने से सड़क पर पानी भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है और मच्छरों के प्रकोप से बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। स्थानीय निवासी सुभाष मन्हास ने कहा कि विभाग की अनदेखी से स्थिति बिगड़ती जा रही है और तत्काल सफाई व उचित जल निकासी की जरूरत है।

लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता राकेश शर्मा ने बताया कि नालियों में ढलान बनाने के निर्देश सहायक अभियंता को दे दिए गए हैं, ताकि पानी आसानी से निकल सके।

सड़क का पानी घर में घुसा परिवार परेशान

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता उपमंडल की ग्राम पंचायत दांडी बाड़ी में राम लाल के मकान में सड़क से बहकर आने वाला बारिश का पानी घुस रहा है। निकासी न होने से पानी कमरों तक पहुंच जाता है, जिससे परिवार खासकर बुजुर्ग सास को भारी परेशानी हो रही है।

राम लाल की पत्नी ने प्रशासन से समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उधर, अधिशाषी अभियंता राकेश शर्मा ने बताया कि सहायक अभियंता को मौके का निरीक्षण कर निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए अनिल मिंटू

निजी बस ऑपरेटर यूनियन की संभाली बागडोर, नई कार्यकारिणी होगी गठित

निजी बस ऑपरेटर यूनियन के निर्वाचित प्रधान अनिल मिंटू प्रसन्नचित मुद्रा में समर्थकों के साथ।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

निजी बस ऑपरेटर यूनियन ने एकजुटता और विश्वास का परिचय देते हुए अनिल मिंटू को सर्वसम्मति से जिला प्रधान चुना। नगर परिषद बिलासपुर परिसर में आयोजित चुनाव प्रक्रिया में सभी ऑपरेटरों ने उन्हें पूर्ण समर्थन देकर यह जिम्मेदारी सौंपी।

चुनाव की अध्यक्षता सेवानिवृत्त डीएसपी कुलदीप सिंह ने की। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि 2015 में गठित पुरानी कार्यकारिणी को निरस्त कर दिया जाए और उसकी समस्त कार्यवाही व रजिस्टर नई कार्यकारिणी को सौंपे जाएं। हरीश कुमार ने प्रधान पद के लिए अनिल मिंटू का नाम प्रस्तावित किया, जिसे हुसैन अख्तर और बलवंत सिंह सहित सभी ऑपरेटरों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। नवनिर्वाचित जिला प्रधान अनिल मिंटू ने कहा कि वे यूनियन के सभी साथियों के विश्वास पर खरा उतरेंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला के हर बस ऑपरेटर की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। ऑपरेटरों से लगातार बैठकें कर उनकी मांगों और मुद्दों को सुना जाएगा। यूनियन को मजबूत और पारदर्शी ढंग से चलाने के लिए नई कार्यकारिणी शीघ्र गठित की जाएगी। अनिल मिंटू ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव पूरी तरह पारदर्शी तरीके से हुआ है और आरटीओ कार्यालय बिलासपुर द्वारा जारी बस मालिकों की सूची के आधार पर प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

उन्होंने कहा कि यूनियन सिर्फ नाम की संस्था नहीं होगी, बल्कि हर ऑपरेटर की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का सशक्त मंच बनेगी। कार्यक्रम में तेज पाल, विजय कौशल, ब्रह्मी देवी, मीरा देवी, शुभम, पंकज, सन्नी, विनय पुरी, सोनू ठाकुर, वीरेंद्र ठाकुर, रमेश ठाकुर, मोनू ठाकुर, रूपलाल वर्मा, रामपाल ठाकुर, अजय ठाकुर, महेंद्र मन्हास, पंकज पादा, चमन सहित बड़ी संख्या में निजी बस ऑपरेटर मौजूद रहे।

28 परिवारों को सेफ जगह किया है शिफ्ट : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर के उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि जिले में भारी बरसात के कारण प्रभावित 28 परिवारों के 130 लोगों को सुरक्षित किराये के आवासों में शिफ्ट किया गया है। इनमें सदर उपमंडल के 27 परिवारों के 126 सदस्य तथा झंडूता उपमंडल के एक परिवार के 4 सदस्य शामिल हैं। वर्तमान में जिले के विभिन्न उपमंडलों के अंतर्गत 20 वर्षा प्रभावित परिवारों के 96 सदस्यों को इन राहत शिविरों में ठहराया गया है। उपायुक्त ने बताया कि घुमारवीं उपमंडल की ग्राम पंचायत अमरपुर में राजकीय प्राथमिक पाठशाला बल्लू बन्नी में 2 परिवारों के 10 सदस्य तथा पंचायत सेव के सामुदायिक भवन भद्रोग में 2 परिवारों के 8 सदस्यों को ठहराया गया है, जिन्हें सूखा राशन, तिरपाल और बिस्तर उपलब्ध करवाने के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है।

इसी तरह झंडूता उपमंडल की पंचायत मरोतन के पंचायत भवन में 4 परिवारों के 18 सदस्यों को ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि जिला के स्वारघाट उपमंडल में ग्राम पंचायत री के आईटीआई स्वारघाट में 3 परिवारों के 18 सदस्य, राजकीय प्राथमिक पाठशाला नलियां डडवाल (डिनोटिफाइड स्कूल) में 1 परिवार के 4 सदस्य को आश्रय दिया गया है। इसी उपमंडल की मंडयाली पंचायत के संतैना धर्मशाला स्थित टोबा में 8 परिवारों के 38 सदस्यों को ठहराया गया है। इस तरह जिले में कुल 20 परिवारों के 96 सदस्य विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला के सभी एसडीएम को वर्षा प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए फील्ड में जाने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व अधिकारियों को वर्षा से हुए नुकसान का आकलन करने तथा समयबद्ध राहत उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

लोक अदालतें : समय पर हल हो रहे आमजन के राजस्व मामले

घुमारवीं में अप्रैल 2024 से 3768 इंतकाल, 168 तकसीम व 411 निसानदेही मामलों का हुआ निपटारा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन से जुड़े राजस्व मामलों के त्वरित निपटारे को प्राथमिकता प्रदान कर रही है। लोगों को समयबद्ध व बेहतर राजस्व सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जहां डिजिटल माध्यम का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है तो वहीं विभिन्न राजस्व मामलों का समयबद्ध निपटारा भी सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के इन महत्वपूर्ण कदमों से न केवल लोगों को समयबद्ध विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ मिल रहा है, बल्कि राजस्व कार्यालयों के बार-बार चक्करों से भी छुटकारा मिला है।

बिलासपुर जिले की घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो तहसील घुमारवीं व उप-तहसील भराड़ी के अंतर्गत भूमि संबंधी मामलों में सराहनीय प्रगति दर्ज हुई है। अप्रैल 2024 से अब तक कुल 3768 इंतकाल, 168 तकसीम तथा 411 निसानदेही के मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह ई-डिस्ट्रिक पोर्टल की बात करें तो इसी अवधि के दौरान लगभग 58 हजार विभिन्न प्रमाणपत्रों को जारी किया गया है। ऐसे में यदि तहसील घुमारवीं की बात करें तो अप्रैल 2024 से अब तक कुल 2341 इंतकाल, 63 तकसीम और 207 निशानदेही मामलों का निपटारा किया गया है। इसी तरह ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से प्रमाण पत्र जारी करने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। तहसील कार्यालय घुमारवीं में अप्रैल, 2024 से अगस्त 2025 के दौरान कुल 38,933 विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र भी जारी किए गए हैं। इसी अवधि के दौरान 8 अतिक्रमण के मामलों का निपटारा किया गया जबकि 2468 पंजीकरण दस्तावेजों को निष्पादित किया गया। यही नहीं इसी दौरान कुल 4654 हल्फनामों का सत्यापन किया गया है।

इसी तरह उप-तहसील भराड़ी कार्यालय के माध्यम से भी अप्रैल 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि में विभिन्न राजस्व कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। इसी अवधि के दौरान कार्यालय ने 1427 इंतकाल, 105 तकसीम मामलों तथा 204 निसानदेही मामलों का निपटारा किया है, जबकि 14 अतिक्रमण मामलों को भी सुलझाया गया है। इसी अवधि के दौरान जहां 18,809 विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र जारी हुए तो वहीं 924 पंजीकरण दस्तावेज निष्पादित किए गए। इसके अतिरिक्त 3,755 हलफनामों का सत्यापन तथा 758 विभिन्न प्रतियों का निर्गमन भी किया गया।

ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से अब घर बैठे मिल रही विभिन्न प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा

क्या कहते हैं तकनीकी शिक्षा मंत्री धर्माणी

इस संबंध में स्थानीय विधायक एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी का कहना है कि आमजन को पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी राजस्व सेवाएं उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा प्रत्येक माह के अंतिम दो दिन राजस्व अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राजस्व विभाग का व्यापक डिजिटलाइजेशन किया है। इससे राजस्व संबंधी मामलों के निपटान की प्रक्रिया में न केवल तेजी आई है, बल्कि घर बैठे लोगों को विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में भविष्य में भी राजस्व सेवा प्रदायगी की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाया जा रहा है, ताकि लोगों को समयबद्ध राजस्व सेवाएं सुनिश्चित हो सकें।

झंडूता में पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र बांटे

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों व मध्यम वर्ग के उत्थान के लिए ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना से पात्र परिवारों का अपना घर बनने का सपना साकार हो रहा है, साथ ही शौचालय, पानी, बिजली व रसोई गैस जैसी सुविधाएं भी मिल रही हैं। शुक्रवार को गेहड़वीं और बल्हसीणा पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में 19 पंचायतों के 215 लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए।

कटवाल ने कहा कि जीएसटी दरों में संशोधन से कई जरूरी वस्तुएं सस्ती हुई हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। इससे पहले उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद व शीघ्र राहत व पुनर्वास का आश्वासन दिया।

आयोजन सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ व समाज सुधार समिति का पहला जिला स्तरीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम

शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता, समाज को बनाता है प्रगतिशील : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि संस्कार, मूल्य और आदर्शों का शिल्पी होता है। एक अच्छा शिक्षक ही राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है। यह बात उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कही। उपायुक्त किसान भवन बिलासपुर में सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ एवं समाज सुधार समन्वय समिति द्वारा आयोजित पहले जिला स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब कोई तीन-चार वर्ष का नन्हा बच्चा पहली बार विद्यालय आता है तो उसकी असहजता और भय को शिक्षक ही स्नेह, धैर्य और संवेदनशीलता से दूर करता है। यही वह क्षण होता है, जब शिक्षक बच्चे के जीवन में आत्मीयता और विश्वास का बीज बो देता है। यही कारण है कि विद्यालय से विदाई के बाद भी छात्र अपने शिक्षक और विद्यालय के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं।

बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि को सम्मानित करते मुख्य संरक्षक किशोरी लाल।

राहुल कुमार ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक, शिक्षक करियर निर्माण के साथ-साथ बच्चों में जीवन मूल्यों की नींव रखते हैं। शिक्षक द्वारा दिए गए संस्कार ही व्यक्ति को सजग, संवेदनशील और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाते हैं। उन्होंने हालिया प्राकृतिक आपदा का जिक्र करते हुए कहा कि समाज में आज जो सहयोग और संवेदनशीलता दिख रही है, वह भी शिक्षकों द्वारा रोपित मूल्यों का ही परिणाम है।

उपायुक्त ने शिक्षकों से देश की भावी पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षक युवाओं को वर्तमान चुनौतियों से लड़ने योग्य बनाएं ताकि वे नशे से दूर रहकर खेलों व सकारात्मक गतिविधियों से जुड़े रहें। खेल न केवल शारीरिक-मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। इस मौके पर उपायुक्त ने अपने शिक्षकों को भी स्मरण किया और उनके अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञता प्रकट की।

इससे पूर्व कार्यक्रम के दौरान समिति के मुख्य संरक्षक किशोरी लाल शर्मा ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के प्रधान सुरेश ठाकुर, वरिष्ठ उपप्रधान चेत राम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रविंदर राणा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

भेल धरब्यान गांव की सड़क को लेकर की आवाज बुलंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

पंचायत प्रतिनिधि व महिला मंडल उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण।

कुठेड़ा पंचायत के अधीन आने वाले भेल (धरब्यान) गांव के लोग पिछले कई दशकों से सड़क सुविधा की मांग कर रहे हैं। आजादी के इतने वर्षों बाद भी गांव तक सड़क न पहुंचना ग्रामीणों की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है।

इसी मुद्दे को लेकर आज पंचायत प्रधान ज्योति प्रकाश, जिला पार्षद अध्यक्ष बिमला देवी, महिला मंडल की सदस्याएं और स्थानीय लोग एकजुट होकर उपायुक्त से मिले। ग्रामीणों ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि गांव तक सड़क न होने के कारण उन्हें रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमार और गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल ले जाना कठिन हो जाता है। बच्चों को स्कूल व कॉलेज तक पैदल लंबा सफर तय करना पड़ता है, वहीं बुजुर्गों और किसानों को सामान व फसल ढोने में भी मुश्किलें आती हैं।

महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि कई बार उन्होंने यह मुद्दा प्रशासन के समक्ष उठाया है, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए। पंचायत प्रधान ज्योति प्रकाश ने कहा कि सड़क सुविधा किसी भी गांव के विकास की पहली सीढ़ी होती है और भेल (धरब्यान) गांव का इससे वंचित रह जाना विकास की राह में बड़ी बाधा है। उपायुक्त ने प्रतिनिधियों की बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि भेल (धरब्यान) गांव की सड़क सुविधा को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के अंतर्गत जल्द कार्य योजना बनाकर इस मांग को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। ग्रामीणों ने भी उम्मीद जताई कि इस बार उनकी दशकों पुरानी मांग पूरी होगी और गांव को सड़क सुविधा मिल पाएगी।

हेलिकॉप्टर से करियां पहुंचाए 524 श्रद्धालु, 3 शव

29 अगस्त से अब तक लगभग 8000 तीर्थ यात्रियों को मिली फ्री परिवहन सुविधा: मुकेश रेपसवाल

आरके सहगल, अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रयासों से भरमौर में फंसे मणिमहेश यात्रा के श्रद्धालुओं को नि:शुल्क हेलीकॉप्टर सुविधा प्रदान की जा रही है इस कड़ी में 5 सितंबर को भारतीय वायुसेना के दो चिनूक हेलीकॉप्टरों द्वारा भरमौर से करियां हेलीपैड के लिए 12 चक्कर लगाए गए तथा कुल 524 श्रद्धालुओं के अलावा तीन शवों को करियां पहुंचाया गया।

उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल ने बताया कि करियां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पठानकोट व कांगड़ा के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों द्वारा निशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान की जा रही है तथा 5 सितंबर शुक्रवार को करीब 20 बसों द्वारा लगभग 1000 से अधिक श्रद्धालुओं को उनके गंतव्यों के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशानुसार 29 अगस्त से हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान की जा रही है तथा अब तक कुल 185 बसों की सहायता से लगभग 8000 तीर्थ यात्रियों को निशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान की गई। उपायुक्त ने बताया कि तीर्थ यात्रियों के लिए निशुल्क परिवहन सुविधा तब तक जारी रहेगी जब तक कि सभी श्रद्धालु अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच जाते।

गौरतलब है कि इस वर्ष मणिमहेश यात्रा 31 जुलाई तक प्रस्तावित थी, लेकिन भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के चलते इसे बीच में ही स्थगित करना पड़ा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु अलग-अलग स्थानों पर फंस गए, जिन्हें जिला प्रशासन ने कड़ी मेहनत से पैदल मार्गों और सड़कों के जरिये सुरक्षित बाहर निकाला।

यात्रा मार्ग पर भरमौर में शेष फंसे श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सहायता के लिए प्रदेश सरकार ने निशुल्क हेलीकॉप्टर सुविधा प्रदान की तथा 5 सितंबर को एक ही दिन में दो चिनूक हेलीकॉप्टरों द्वारा भरमौर से करियां हेलीपैड तक 524 श्रद्धालुओं व तीन शवों को पहुंचाया गया। इस अभूतपूर्व बचाव अभियान में प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के अतिरिक्त भारतीय वायुसेना और स्वयंसेवी संस्थाओं व जिला वासियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना पूरे क्षेत्र में की जा रही है।

धरवाला तक छोटी गाड़ियों की आवाजाही शुरू

अनंत ज्ञान, चंबा। लगातार भारी बारिश और भूस्खलन से बाधित चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग 154-ए पर अब आंशिक राहत मिलने लगी है। आपदा की शुरुआत से बंद हुआ यह मार्ग धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, धरवाला तक सड़क को छोटी गाड़ियों की आवाजाही के लायक बना दिया गया है। स्थानीय प्रशासन और विभागीय टीमों के अथक प्रयासों से मार्ग को सुचारू करने का कार्य लगातार जारी है। हालांकि बड़े वाहनों की आवाजाही अभी संभव नहीं हो पाई है, लेकिन छोटी गाड़ियों की आवाजाही शुरू होने से स्थानीय लोगों और यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

महिला साध्वी को पहुंचाया चंबा मेडिकल कॉलेज

अनंत ज्ञान, चंबा। मणिमहेश यात्रा के दौरान एक महिला तीर्थयात्री, जिनकी पहचान साध्वी के रूप में हुई है, को अचानक स्वास्थ्य आपात स्थिति उत्पन्न हो जाने पर जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से हेलिकॉप्टर के माध्यम से भरमौर से चंबा लाया गया। सूत्रों के अनुसार, साध्वी की हालत बिगड़ने की सूचना मिलते ही चंबा जिला प्रशासन ने तत्काल हेलीकॉप्टर सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें सुरक्षित निकालकर चंबा मेडिकल कॉलेज के आपातकालीन विभाग में भर्ती करवाया। फिलहाल चिकित्सक उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

राजस्व व बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने चंबा में की पत्रकारवार्ता

संचार सेवाएं बंद करने का किया गलत प्रचार

अनंत ज्ञान, चंबा

राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने परिधि गृह चंबा में पत्रकार वार्ता की। इस मौके पर स्थानीय विधायक नीरज नैय्यर और परिवहन निगम के निदेशक मंडल सदस्य सुरजीत भरमौरी भी मौजूद रहे। नेगी ने मणिमहेश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सहायता करने वाली लंगर समितियों, पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का विशेष आभार जताया।

मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के चलते चंबा में संचार सेवाएं बाधित हुई थीं। लेकिन कुछ लोगों ने गलत प्रचार कर दिया कि राज्य सरकार ने इंटरनेट बंद किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंटरनेट व मोबाइल सेवाएं निजी कंपनियों के अधीन होती हैं और इन्हें बंद करने का अधिकार केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के पास होता है।

मणिमहेश यात्रा के दौरान अब तक 17 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है। कुगती पंचायत के दुर्गम इलाके से शव निकालने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की टीम तैनात की गई। अभी तक दो शव निकाले जा चुके हैं और बाकी को जल्द लाने की संभावना है। नेगी ने कहा कि धार्मिक आस्थाओं के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी और मणिमहेश यात्रा को सुरक्षित व सुगम बनाने के लिए विशेष मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि आपदा प्रभावित परिवारों को बसाने के लिए भूमि उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव विधानसभा से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया है।

7000 से अधिक श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला

नेगी ने बताया कि 29 अगस्त से 165 बसों के माध्यम से 7000 से अधिक श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला गया, वहीं हेलिकॉप्टर से भी 120 श्रद्धालुओं को चंबा लाया गया। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व्यक्तिगत रूप से राहत व बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। पेयजल योजनाओं, विद्युत लाइनों और सड़क बहाली का काम युद्ध स्तर पर जारी है। राष्ट्रीय उच्च मार्ग 154-ए पर चंबा-भरमौर सड़क दो दिनों में बहाल होने की उम्मीद है। नेगी ने कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन ने उत्कृष्ट कार्य किया है और उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

राडी पंचायत में दो हफ्ते से पानी की सप्लाई ठप

अनंत ज्ञान, धरवाला। मैहला ब्लॉक की राडी पंचायत के गांव भटवाड़ा, सपैडा, पणली, डंडौला, बतोग, मैलाह और फैंटा सहित कई क्षेत्रों में पिछले दो हफ्तों से पानी की सप्लाई ठप पड़ी है। इस कारण ग्रामीणों को गंभीर परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी की अव्यवस्था से बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और मवेशियों तक को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को मजबूरन प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को कई बार इस समस्या से अवगत करवाने के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पानी की आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो मजबूरन उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

भूख हड़ताल में बिगड़ी युवा की तबीयत

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। बस हादसे को लेकर चल रही भूख हड़ताल के दौरान शुक्रवार को एक चिंताजनक स्थिति सामने आई। हड़ताल पर बैठे युवा साथी आर्यन वर्मा की स्वास्थ्य जांच में गंभीर कमी पाई गई। लगातार भूख हड़ताल पर रहने से उनका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल गिरता चला गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकाघाट पुलिस प्रशासन और अस्पताल कर्मचारियों के सहयोग से उन्हें तुरंत अस्पताल को रेफर किया गया। समाजसेवी मनीष कंवर ने कहा कि यह त्याग और संघर्ष उन निर्दोष लोगों की याद में है जिन्होंने सड़क हादसे में अपनी जान गंवाई। आंदोलनकारियों का कहना है कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, यह संघर्ष समाज की सुरक्षा और भविष्य के लिए जारी रहेगा।

मंडी में ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट 6 व 25 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। वाहन पंजीकरण एवं अनुज्ञापन अधिकारी (एसडीएम) सदर मंडी रूपिन्द्र कौर ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट 6 और 25 सितंबर को बैडमिंटन कोर्ट के सामने छोटे पड्डल ग्राउंड, मंडी में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट सिर्फ ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग के आधार पर ही आयोजित किए जाएंगे। 6 सितम्बर के लिए स्लॉट की बुकिंग परिवहन पोर्टल पर 1 सितंबर से खुली हुई है, जबकि 25 सितम्बर को होने वाले टेस्ट के लिए स्लॉट बुकिंग 19 सितम्बर से पोर्टल पर उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों से आग्रह है कि वे समय रहते अपना स्लॉट बुक करें। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि टेस्ट देने वाले अभ्यर्थियों को अपना फार्म फोटो सहित पूर्ण रूप से भरकर फाइल सहित लाना अनिवार्य है। बिना फोटो, बिना फाइल या अधूरी फाइल वाले अभ्यर्थियों का टेस्ट नहीं लिया जाएगा। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे टेस्ट से पहले अपने दस्तावेजों की जांच कर लें, ताकि मौके पर किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हेल्थ कर्मियों का स्वास्थ्य ठीक होना जरूरी

अनंत ज्ञान, करसोग। स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले हैल्थ कर्मचारियों का स्वास्थ्य ठीक होना आवश्यक है, क्योंकि यदि वो खुद ही स्वस्थ नहीं होंगे, तो वे दूसरे लोगों को कैसे स्वस्थ रख सकते है । बीएमओ करसोग डॉ गोपाल चौहान ने बताया कि इसी कड़ी में आज नागरिक अस्पताल करसोग में कार्यरत सभी कर्मचारियों की एनसीडी संबंधी, गैर संचारी रोग की जांच की गई। उन्होंने बताया कि इस जांच में बीपी, शुगर, मुंह का कैंसर, छाती का कैंसर और बच्चेदानी के कैंसर की जांच की गई। जांच कार्यक्रम में अस्पताल के 25 कर्मचारियों ने अपनी जांच करवाई।

गरसाहड़ में मकान ढहा, प्रशासन ने दिया तिरपाल

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की ग्राम पंचायत गरसाहड़ में भारी बरसात के चलते एक परिवार का आशियाना जमींदोज हो गया। ग्राम गरसाहड़ निवासी कुलदीप कुमार पुत्र प्रकाश चंद का दो मंजिला स्लेटपोश मकान व डंगा 2 सितंबर को गिर गया, जिससे परिवार बेघर हो गया। हादसे में करीब तीन से चार लाख रुपये का नुकसान आंका गया है। घटना की सूचना मिलने पर पंचायत उपप्रधान विकास शर्मा, वार्ड पंच कृष्ण कुमार और पटवारी हल्का भरेड़ी रवि मौके पर पहुंचे। इस दौरान प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को तिरपाल प्रदान किया गया।उपप्रधान विकास शर्मा ने बताया कि मकान के साथ गिरा डंगा कुलदीप कुमार के भाई के घर को भी खतरे में डाल रहा है। यदि बरसात का क्रम जारी रहा तो यह मकान भी गिर सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवार को जल्द राहत राशि उपलब्ध करवाई जाए।

महिलाओं को मिलेगा आभूषण बनाने का प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। आम लोगों को अल्प अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कोर्स करवाने के क्रम में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) हमीरपुर महिलाओं को आभूषण बनाने का प्रशिक्षण प्रदान करने जा रहा है। शुक्रवार को मट्टन सिद्ध स्थित आरसेटी के परिसर में इसका प्रशिक्षण शिविर आरंभ हुआ। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक डॉ. ठाकुर भगत नेगी ने इस 14 दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रतिभागी महिलाओं को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कोई भी व्यक्ति अपना उद्यम या कारोबार स्थापित कर सकता है। इसमें उद्योग विभाग भी अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मदद कर सकता है। महिलाओं को भी इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर आरसेटी के निदेशक अजय कतना ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा सभी प्रतिभागी महिलाओं का स्वागत किया तथा संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर तक चलने वाले इस शिविर की प्रतिभागी महिलाओं को खाने, रहने, वर्दी, स्टेशनरी और अन्य सामग्री एवं सुविधाएं निःशुल्क मुहैया करवाई जाएंगी। शिविर के शुभारंभ अवसर पर वित्तीय साक्षरता सलाहकार जीसी भट्टी, जिला उद्योग केंद्र के आर्थिक अन्वेषक प्रवेश कुमार, आरसेटी के फैकल्टी मेंबर संजय हरनोट, ट्रेनर सीमा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सराहां मेले में लगाई विभिन्न प्रदर्शनियां

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर के सराहां के प्रसिद्ध राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेला के दूसरे दिन पुलिस अधीक्षक सिरमौर निश्चिंत सिंह नेगी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने भगवान वामन के मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकासात्मक प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने लोगों से आह्वाहन किया कि वह यहां विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों में जाकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा इनका लाभ उठाएं। इसके पश्चात निश्चिंत नेगी मेला स्थल पर पहुंच कर कुश्ती प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया जिसमें हिमाचल तथा विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी पहलवानों ने भाग लिया। मेला देखने आए लोगों ने दंगल का भरपूर आनंद लिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज को स्वच्छ तथा स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त हो तो इसकी जानकारी पुलिस विभाग को दें।

चंबा-भरमौर मार्ग जल्द होगा बहाल: ललित ठाकुर

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला चंबा में लगातार बारिश और भूस्खलन से प्रभावित हालातों के बीच राहत और बहाली के कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। एपीएमसी चंबा के अध्यक्ष ललित ठाकुर ने कहा कि सीएम सुक्खू के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन और पूरा सरकारी तंत्र दिन-रात अवरुद्ध सड़कों को खोलने के लिए जुटा हुआ है।

उन्होंने बताया कि चंबा-भरमौर मुख्य सड़क मार्ग को अतिशीघ्र पूरी तरह से बहाल कर दिया जाएगा, ताकि आमजन और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। साथ ही, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि जिले के कई संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हुए हैं और भारी बारिश के चलते कई लोगों के घरों को भी नुकसान पहुंचा है। ललित ठाकुर ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार और प्रशासन द्वारा जल्द ही ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। जिले के लोगों में इस बात को लेकर उम्मीद जगी है कि प्रशासन की तत्परता और सरकार की प्राथमिकता से हालात जल्द सामान्य हो जाएंगे।

चंबा में प्राकृतिक आपदाओं को लेकर सांसदों पर सवाल

अनंत ज्ञान, चंबा। अधिवक्ता उमेश ठाकुर ने जिला चंबा में हो रहे लगातार प्राकृतिक नुकसानों का ठीकरा बिजली परियोजनाओं पर फोड़ते हुए सांसदों और केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोला है। ठाकुर का कहना है कि चंबा जिला 2000 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन कर रहा है, लेकिन इसके बदले चंबा वासियों को हर साल तबाही झेलनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि चंबा के लोगों को मुफ्त बिजली मिलनी चाहिए और इसके लिए जीते हुए सांसदों को केंद्र सरकार से आवाज उठानी चाहिए, लेकिन अफसोस की बात है कि अब तक ऐसा नहीं हुआ। ठाकुर ने कहा कि सांसद राजीव भारद्वाज केवल फोटो खिंचवाने चंबा आते हैं, लेकिन आपदा की घड़ी में उन्होंने कोई ठोस योगदान नहीं दिया।

उमेश ठाकुर ने केंद्र सरकार से मुफ्त बिजली की मांग उठाई

ठाकुर ने कहा कि दाल, चावल और आलू-प्याज बांटने से समस्या हल नहीं होगी। लोगों के आशियाने उजड़ चुके हैं और इसके लिए केंद्र सरकार से आपदा राहत पैकेज की मांग की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि सांसद इस विषय पर संसद में आवाज क्यों नहीं उठा रहे। सदर विधायक के विधायक नीरज नैय्यर तथा चंबा के एपीएमसी अध्यक्ष ललित ठाकुर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे लगातार लोगों के बीच जाकर उनकी मदद कर रहे हैं, लेकिन भरमौर की सांसद कंगना रनौत आपदा के समय कहीं दिखाई नहीं दीं।

लेच पंचायत की शिक्षिका जीवन बाला को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से सम्मान प्राप्त करती शिक्षिका जीवन बाला।

अनंत ज्ञान, चंबा

चंबा जिले की गेहरा उप-तहसील की लेच पंचायत की शिक्षिका जीवन बाला ने शिक्षक दिवस पर शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बड़ा सम्मान प्राप्त किया।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने उन्हें उनकी कार्यकुशलता, निष्ठा और शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजा। जीवन बाला पिछले 10 वर्षों से प्राथमिक विद्यालय मैहला क्षेत्र में सेवारत हैं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। जीवन बाला की उपलब्धि की खबर जैसे ही गांव पहुंची, लेच पंचायत में उत्सव जैसा माहौल बन गया। ग्रामीणों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और गौरव का क्षण बताया। प्रियंका, ममता कुमारी, उमी देवी, मिसो देवी और बिट्टू सहित कई ग्रामीणों ने कहा कि यह सम्मान न केवल जीवन बाला का है बल्कि पूरे क्षेत्र की प्रेरणा है। खासकर महिलाओं ने इसे बेटियों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया और कहा कि समर्पण और मेहनत से हर सपना साकार किया जा सकता है।

साहू, सरोल और भद्रम की पेयजल योजनाएं आंशिक रूप से हुई बहाल

अनंत ज्ञान, चंबा

भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा के बीच सदर चंबा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज नैय्यर ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा की है कि जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की कड़ी मेहनत से साहू, सरोल और भद्रम क्षेत्र की पेयजल योजनाओं को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है।

विधायक ने बताया कि शेष योजनाओं पर तेजी से कार्य जारी है और यदि मौसम अनुकूल रहा तो जल्द ही उन्हें भी सुचारू रूप से चला दिया जाएगा। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि इस आपदा की घड़ी में वे दिन-रात कार्य कर रहे हैं ताकि जनता को राहत मिल सके।

विधायक नीरज नैय्यर ने दी जानकारी, कहा- बाकी योजनाओ का कार्य जारी

नीरज नैय्यर ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार और जल शक्ति विभाग निरंतर योजनाओं की बहाली के प्रयासों में जुटे हैं और शीघ्र ही सभी प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

7 दिन से बंद चंडीगढ़-मनाली एनएच खुला

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह। चंडीगढ़ मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे वाहनों की आवाजाही से मानो बहार आ गई हो। पंडोह से हणोगी तक नेशनल हाईवे पर पूरे 7 दिनों का छाया सन्नाटा सड़क मार्ग खुलते ही आज रौनक में तब्दील हो गया।

इस सड़क मार्ग के नो मील, कैंची मोड़, डयोड, हटौण लिंक के पास, जोगणी मोड़, खोती नाला, हणोगी, दवाडा, झलोगी थलोट, औट, बनाला और झीडी ऐसे ब्लैक प्वाइंट रहें जहां सड़क मार्ग लगातार बाधित होता रहा। इस सड़क मार्ग के अवरुद्ध होने का सबसे बड़ा कारण लगातार हो रही मूसलाधार बारिश रही। सात दशकों के बाद पंडोह से ओट तक इतनी भारी बारिश देखी गई है। जिसने इतनी ज्यादा तबाही मचाई है कि एनएचएआई को सड़क नये सिरे से निर्मित करनी पड़ेगी। इस सड़क मार्ग के खुलने से फंसे हुए लगभग 1200 वाहन चालकों, किसानों बागवानों और आम जनमानस ने राहत की सांस ली है। जिला प्रशासन के तमाम विभागों के आला अधिकारियों व कर्मियों को भी राहत मिली है।

चालकों व यात्रियों के साथ प्रशासन ने भी ली राहत की सांस

बता दें कि गत शुक्रवार को यह सड़क मार्ग शाम 6.30 बजे बंद हुआ था और शुक्रवार को ही बहाल हो सका है। इससे पहले भी पुरे अगस्त माह में मंडी से झलोगी तक सड़क मार्ग बार-बार बंद हो कर लोगों की परेशानी का कारण बनता रहा है। सड़क खुलवाने में लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, फोरलेन निर्माण कंपनी और पुलिस विभाग की अहम् भूमिका रही है। इनके प्रयासों के परिणामस्वरूप ही सड़क बहाल हो सकी है। विशेष कर चौकी प्रभारी पडोह अनिल कटोच और ट्रैफिक इंचार्ज चेतराम तथा ओट थाना से ट्रैफिक इंचार्ज गुलजार को योगदान को कोई नहीं भुला सकता। चाहे वह लोगों को खाने पीने ठहरने की सुविधा हो या फिर दूल्हे को समय पर लग्न मंडप में बैठना हो, एम्बुलेंस से मरीजों को सुरक्षित अस्पताल तक ले जाना हो या फिर सेना के जवानों को सीमा सुरक्षा के लिए निकालना हो यह सब इन तीनों जांबाज पुलिस जवानों के साहस और समर्पण से संभव हो सका है।

चौकी प्रभारी पंडोह अनिल कटोच ने सड़क सुचारू होने की पुष्टि करते हुए कहा कि अभी दोनों ओर फंसे वाहनों को निकालना हमारे लिए चुनौती है।

सुंदरनगर में प्रदेश खो-खो संघ का चुनाव कल

बल्ह में आयोजित बैठक में मंडी जिला कार्यकारिणी ने विभिन्न कमेटियों का किया गठन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ के चुनाव 7 सितंबर को सुंदरनगर स्थित वन प्रशिक्षण संस्थान में होंगे। राज्य स्तरीय चुनावों के सफल आयोजन को लेकर मंडी जिला खो-खो संघ की बैठक संघ के चेयरमैन रिंकल चौधरी की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने जिला भर से आज सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया और राज्य स्तरीय चुनाव के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन किया। बैठक में राज्य स्तरीय चुनाव के लिए मंडी जिला से प्रधान, महासचिव व कोषाध्यक्ष का नाम डेलिगेशन के रूप में शामिल किया गया। संघ के उपप्रधान लोकेश शर्मा ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी में शामिल खेलों में खो-खो को प्राथमिकता देने और खो-खो संघ द्वारा एमएलएसएम कॉलेज में जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता करवाने का प्रस्ताव रखा।

बैठक में हर वर्ष लड़के व लड़कियों की सब जूनियर व सीनियर खेल प्रतियोगिता करवाने का भी प्रस्ताव रखा। बैठक में संगठन सचिव प्रेम सिंह ठाकुर ने प्यार चंद सकलानी को मंडी जिला खो-खो संघ का मीडिया प्रभारी नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित कर प्यार चंद सकलानी को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष अभिषेक ठाकुर, राष्ट्रीय खो-खो महासंघ के संयुक्त सचिव एल आर वर्मा, हितेश राठौर, पितांबर शर्मा, राजेंद्र भंडारी, जय सिंह ठाकुर, जीवन सकलानी, हरनाम सिंह, कर्म चंद ठाकुर, लोकेश शर्मा, चूड़ामणि, मनीश कुमार, देवेंद्र, सुनील कुमार, पंकज गुलेरिया, प्रेम सिंह ठाकुर व गुलाब सिंह चंदेल मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किए गुरदास राम

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान

महादेव। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महादेव के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय नौलखा में कार्यरत टीजीटी (आर्ट्स) गुरदास राम को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर द्वारा शिमला में एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें उन्हें शाल, टोपी, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व चेक देकर सम्मानित किया गया। गुरदास राम को यह सम्मान राजकीय उच्च पाठशाला जाच्छ (झूंगी) में कार्यरत रहते हुए उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए मिला। उन्होंने तीन वर्षों तक विद्यालय में छात्रों की नामांकन दर में निरंतर वृद्धि की, अंग्रेजी माध्यम की कक्षा शुरू करवाई और चार वर्षों तक परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत बनाए रखे। वर्ष 2023-24 में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में 79 प्रतिशत मेरिट प्राप्त की। गुरदास राम ने अतिरिक्त समय में विद्यार्थियों को कोचिंग दी, जिससे दो छात्रों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ और एक छात्र राष्ट्रीय मेधावी छात्रवृत्ति योजना में चयनित हुआ। सरकारी स्कूलों में लोगों का भरोसा बनाए रखने हेतु उन्होंने अपने दो बच्चों को भी सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाया। विद्यालय में उनके प्रयासों से किचन गार्डन, युवा संसद, विद्युत वायरिंग, और सुरक्षा दीवार जैसे विकासात्मक कार्य भी किए गए। उनके इस समर्पण और उत्कृष्ट सेवाभाव को राज्य स्तर पर सराहा गया है।

मंडी जिला के सेब उत्पादक क्षेत्रों में सड़कों की बहाली पर फोकस, एडीसी ने की समीक्षा

नौ मील से कुल्लू की ओर फोरलेन मार्ग बहाल: गुरसिमर

नूतन प्रकाश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बालीचौकी। अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह ने शुक्रवार को बालीचौकी उपमंडल के तहत विभिन्न क्षेत्रों में भारी बरसात के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया और यहां चलाए जा रहे राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशों पर सेब उत्पादक क्षेत्रों में परिवहन सुविधा बहाल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। अतिरिक्त उपायुक्त ने थलौट में आयोजित समीक्षा बैठक में क्षेत्र में सड़कों की बहाली को और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपमंडल में सड़क सुविधा सुचारू करने के लिए पर्याप्त संख्या में मशीनरी एवं मानव संसाधन की तैनाती की गई है। वर्तमान में लगभग 35 मशीनें विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों को बहाल करने के लिए लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि औट से थलौट के मध्य फोरलेन सड़क मार्ग को बहाल कर दिया गया है। झीड़ी के समीप हाल ही में आए भूस्खलन के मलबे को हटाने के लिए ब्लास्टिंग का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऐसे में नौ मील से लेकर कुल्लू की ओर यह मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। इससे सेब उत्पादकों को अपनी फसल को बाहर मंडियों में भेजने की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि आज शुक्रवार सायं से 400 से अधिक वाहन सेब की फसल लेकर रवाना करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि मंडी के समीप नौ मील से लेकर झीड़ी तक दोनों ओर से सड़क खोल दी गई है। हालांकि इसके मध्य कई स्थानों पर अभी वन-वे ट्रैफिक की व्यवस्था रहेगी। ऐसे में उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे बहुत आवश्यक होने पर ही इस मार्ग से यात्रा करें। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को भी फोरलेन सड़क मार्ग को सुचारू रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

गुरसिमर सिंह ने नगवाईं से बालू, थलौट से बालीचौकी तथा पनारसा से ज्वालापुर सड़क का निरीक्षण भी किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि उपमंडल के तहत बालीचौकी व ज्वालापुर क्षेत्रों में मुख्य सड़कों की बहाली का कार्य कल सायं तक अवश्य पूरा कर लिया जाए। इसके अतिरिक्त अन्य सड़क मार्गों को बहाल करने के कार्य में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने राज्य विद्युत बोर्ड के अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के कार्य में और तेजी लाने को कहा। उन्होंने ग्राम पंचायत किगस, नाऊ, पलसेहड़, झीड़ी, नगवाईं, औट, कोटाधार और टकोली के विभिन्न आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया।

सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि विकास खंड आनी के द्वारा पौधे व अन्य सामान की आपूर्ति (पंचायत समिति) के लिए समाचार पत्र में निविदाएँ मांगी गयी थी जो दिनांक 25/08/2025 को प्रकाशित की गयी थी उसमें निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 04/09/2025 थी उस अवधि मैं अत्याधिक बारिश होने के कारण रोड बंद होने तथा नेटवर्क ना होने के कारण निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 08/09/2025 तक बड़ाई गय

नुकसान से निपटने में सबसे जरूरी चीज है, उससे मिलने वाले सबक को न भूलना। वह आपको विजेता बनाता है। **-स्वामी दयानंद सरस्वति**

संपादकीय

हिमाचल की चिंता

मोदी सरकार ने नए जीएसटी स्लैब जारी करके आमजन को राहत देने की कोशिश की है। उपभोक्ताओं के लिहाज से यह कदम काबिलेतारीफ है, क्योंकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर टैक्स घटने से लोगों की जेब पर बोझ कम होगा, लेकिन जैसा कि अक्सर होता है, हर नीति का असर अलग-अलग वर्गों पर भिन्न होता है। हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे और विशेष परिस्थितियों वाले राज्यों के लिए यह राहत बोझ में बदल सकती है। राज्य के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस फैसले से हिमाचल को लगभग 1000 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान होगा। उनका बयान आने के बाद राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। हकीकत यह है कि जीएसटी लागू होने से पहले राज्यों को अपने टैक्स सिस्टम पर नियंत्रण था। राज्यों की अपनी राजस्व प्रणाली होती थी जिससे वे अपने खर्चे और विकास कार्यों को पूरा करते थे, लेकिन जीएसटी ने इस व्यवस्था को बदल दिया और केंद्र के अधीन एक साझा व्यवस्था लागू हुई। शुरुआत में राज्यों को भरोसा दिलाया गया था कि उन्हें राजस्व घाटे की भरपाई के लिए मुआवजा दिया जाएगा।

पांच साल तक यह व्यवस्था चली भी, लेकिन इसके बाद राज्यों को अपने संसाधनों के बल पर ही आगे बढ़ने को कहा गया। ऐसे में अब जब जीएसटी के स्लैब घटा दिए गए हैं, तो राज्यों की कमाई स्वत: ही घटेगी। हिमाचल जैसे छोटे राज्य के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है। हिमाचल की मौजूदा परिस्थितियां बेहद नाजुक हैं। राज्य पिछले दो साल से लगातार प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। पिछले साल आई बाढ़ और भूस्खलन से राज्य को लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था, लेकिन केंद्र से महज 1500 करोड़ रुपए ही मिले। इस साल भी हालात बद से बदतर हैं। पहाड़ दरक रहे हैं, पुल और सड़कों का ढांचा बर्बाद हो चुका है, खेती-बागवानी को अरबों का नुकसान हुआ है।

अब तक का आंकड़ा 3787 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान दर्शा रहा है। हजारों परिवार बेघर हुए हैं और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पटरी से उतर चुकी है। इन हालात में जीएसटी से आय में कमी का मतलब है कि राज्य सरकार की मुश्किलें और बढ़ेंगी। पहले ही कर्ज के बोझ तले दबे राज्य के सामने अब दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है-एक तरफ प्राकृतिक आपदाओं से जूझना और दूसरी तरफ आर्थिक तंगी से उबरना। यही वजह है कि कांग्रेस सरकार इसे हिमाचल की आर्थिक रीढ़ पर सीधा हमला बता रही है। वहीं विपक्ष, खासकर भाजपा, इस फैसले का समर्थन कर रही है और केंद्र सरकार के निर्णयों की तारीफ में कसीदे पढ़ रही है। यानी, मुद्दा राजनीतिक खींचतान में फंस गया है, जबकि असली सवाल राहत और पुनर्वास का है। त्योहारी सीजन करीब है और अगर इस दौरान राज्य में जीवन सामान्य नहीं हो पाया तो न केवल अर्थव्यवस्था को झटका लगेगा, बल्कि लोगों का मनोबल भी टूटेगा।

ऐसे में यह जरूरी है कि केंद्र सरकार हिमाचल को विशेष राहत पैकेज दे। आज जब राज्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे आत्मनिर्भर बनें, तो यह भी केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह आपदा से प्रभावित राज्यों को संबल प्रदान करे। हिमाचल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन, बागवानी और छोटे उद्योगों पर टिकी है। ये सभी क्षेत्र आपदाओं से प्रभावित हैं। ऊपर से अब राजस्व में कमी का दबाव पड़ रहा है। सरकार के पास विकास कार्यों, वेतन भुगतान और पुनर्वास योजनाओं के लिए पैसे जुटाना कठिन हो जाएगा। इसलिए यह समय राजनीतिक बयानबाजी का नहीं, बल्कि सहानुभूति और सहयोग का है।

केंद्र सरकार को चाहिए कि वह हिमाचल की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करे। ऐसा करने से न केवल बड़े पैमाने पर राहत और पुनर्वास कार्यों को गति मिलेगी, बल्कि राज्य की जनता में यह संदेश भी जाएगा कि मुश्किल घड़ी में केंद्र उनके साथ खड़ा है। साथ ही, जीएसटी से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए हिमाचल को अलग से मुआवजा पैकेज दिया जाना चाहिए। यह समझना होगा कि टैक्स सुधार और उपभोक्ताओं को राहत देना एक बात है, लेकिन राज्यों की वित्तीय स्थिरता उससे कहीं ज्यादा अहम है। अगर राज्य ही कमजोर हो जाएंगे, तो विकास की गति रुक जाएगी और उसका असर देशव्यापी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। इसलिए केंद्र को दूरदृष्टि दिखानी होगी।

हिमाचल के संदर्भ में कंगाली में आटा गीला वाली स्थिति तभी टाली जा सकती है जब केंद्र उदारतापूर्वक मदद करे। जीएसटी स्लैब में बदलाव से जहां आम उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है, वहीं हिमाचल जैसे पहाड़ी और आपदाग्रस्त राज्य के लिए यह निर्णय नुकसानदेह साबित हो रहा है। ऐसे में केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह हिमाचल की मदद को प्राथमिकता दे। राजनीति से ऊपर उठकर अगर केंद्र और राज्य मिलकर काम करें, तभी हिमाचल अपने पैरों पर दोबारा खड़ा हो सकेगा। ■

हिमाचल की पुकार: आंसू और साहस की गाथा

हितेंद्र शर्मा
कुमारसैन, शिमला

हिमाचल प्रदेश आज अपनी धरती के सबसे कठिन कालखंड से गुजर रहा है। यह कोई साधारण बरसात नहीं, यह मानो समूचे आकाश का पहाड़ों पर आ गिरना है। नदियां उफन रही हैं, घाटियां कराह रही हैं, घरों की नींव दरक रही है और शिखर अपनी पीड़ा में टूटकर धरती पर बिखर रहे हैं। यह बरसात किसी ऋतु का परिवर्तन नहीं यह प्रकृति का शास्त्र है, जो मनुष्य को उसकी मर्यादा का स्मरण करवा रहा है। ऋग्वेद कहता है 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:।' अर्थात भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र। जब माता कराह उठे, तो पुत्रों का कर्तव्य है कि वे उसके आँसू पोंछें। आज हिमाचल कराह रहा है तो यह केवल एक प्रदेश का नहीं, समस्त भारत का धर्म बनता है कि वह उसकी पीड़ा को अपना समझे।

कल्पना कीजिए किसी गांव की जहां कल तक बच्चे स्कूल जाते हुए पहाड़ी गीत गा रहे थे, 'लगा ढोला रा ढमाका म्हारा हिमाचल बांका' खेतों में किसान और बागवान मेहनत कर रहे थे। चूल्हे में जलती लकड़ी की सुगंध हवा में घुल रही थी। पर अचानक रात के अंधेरे में बादलों ने मानो अपनी सारी शक्ति उगल दी। नाला गर्जन करता हुआ गांव में घुस आया। घर ढह गए, खेत मलबे में दब गए और परिवार बिखर गए। जब सुबह का सूरज उगा तो वहां केवल खामोशी और खंडहर शेष थे। यह दृश्य केवल एक गांव का नहीं हिमाचल की असंख्य घाटियों का यथार्थ है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य को आपदाग्रस्त घोषित करना कोई औपचारिक शब्द मात्र नहीं, बल्कि एक युगांतकारी घोषणा है। यह घोषणा आंकड़ों से अधिक, करुणा की आहुति है। आंकड़े केवल संख्या बताते हैं पर उनके पीछे टूटे परिवार हैं, विधवाएं हैं, अनाथ हुए बच्चे हैं और अपने प्रियजनों को खो चुके वृद्ध हैं। यही असली इतिहास है, लेकिन हिमाचल का चरित्र ऐसा नहीं कि वह केवल शोक में डूबा रहे। यही वह भूमि है जहां वेदव्यास, पराशर और विशिष्ठ जैसे ऋषियों ने तप किया, जहां से सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और यमुना जैसी पवित्र नदियां प्रवाहित होती हैं, जहां हर शिखर पर देवता का वास माना जाता है।

इस भूमि ने सदियों से आघात झेले हैं आक्रमणों के, भूकंपों के,

भूस्खलनों के पर हर बार वह और भी अधिक दृढ़ होकर खड़ी हुई है। आज भी वही शक्ति दिख रही है। देखिए कैसे सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और ग्रामीण एक ही पंक्ति में खड़े हैं। कोई मलबा हटा रहा है, कोई लापता को खोज रहा है, कोई विस्थापितों को भोजन पहुंचा रहा है और कोई अपने ही घर का दरवाजा अजनबियों के लिए खोल रहा है। यही सामूहिकता हिमाचल की आत्मा है।

यही वह भाव है जिसे तुलसीदास ने कहा 'परहित सरिस धरम नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।' फिर भी प्रश्न है ऐसा क्यों हो रहा है? हिमाचल तो हमेशा से बारिश सहता आया है। पर आज उसका आघात इतना तीव्र क्यों है? उत्तर प्रकृति और मानव दोनों के आचरण में छिपा है। हिमालय की छाती पर जब बिना सोचे-समझे सड़कें काटी जाती हैं, नदियों के मार्गों में कंक्रीट डाली जाती है और ढलानों को लापरवाह निर्माण से कमजोर किया जाता है तो पहाड़ की सहनशीलता टूटती है। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और भी घना बना दिया है। अब बरसात नियमित नहीं, बल्कि अनियंत्रित है कभी महीनों का जल एक ही रात में उतर आता है।

यही विनाश का सूत्र है। यह त्रासदी केवल हिमाचल की नहीं है। सतलुज, ब्यास और यमुना का जल पंजाब, हरियाणा और दिल्ली तक पहुंचता है। जब हिमाचल कराहता है, तो उत्तर भारत की सांसें भी थम जाती हैं। इसलिए यह केवल एक राज्य की समस्या नहीं, यह राष्ट्रीय सुरक्षा और अस्तित्व का प्रश्न है। अब राह क्या है? क्या हम केवल टूटी सड़कों और घरों को फिर से बनाकर शांत हो जाएं? नहीं। पुनर्निर्माण केवल निर्माण नहीं, बल्कि पुनर्चिंतन है। हमें ऐसे ढांचे बनाने होंगे जो पहाड़ की नब्ज के साथ धड़कें। भूमि उपयोग की योजनाएं स्थानीय भूगोल और संस्कृति के अनुरूप हों, भवन निर्माण में लकड़ी-पत्थर की परंपरागत तकनीकें पुन: जीवित हों और हर गांव में पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित हो। जब बादल फटें, तो ढलान समय रहते चेतावनी दे सके। पर केवल ढांचे काफी नहीं। असली चुनौती विस्थापित परिवारों की है। वे जो अपनी पूरी जीवन-पूंजी खो बैठे हैं, क्या उन्हें केवल तंबू और राशन देकर भुला दिया जा सकता है? नहीं। उन्हें आत्मनिर्भर बनाना होगा। किसानों को बागवानी योजनाएं, युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण, महिलाओं को हस्तशिल्प, होमस्टे और सांस्कृतिक पर्यटन से जोड़ना होगा। तभी यह त्रासदी अवसर में बदलेगी। हिमाचल की संस्कृति हमेशा से प्रकृति के साथ सामंजस्य की रही है।

लोकगीतों में नदी को मां कहा गया, पहाड़ को देवता और पेड़ों को रक्षक। जब कोई पहाड़ी मां अपने बच्चे को सुलाती है तो गाती है 'शिव कैलाशों के वासी, धौलीधारों के राजा, शंकर संकट हरना..' इसमें भी प्रकृति ही आश्रय है। यही भाव हमें अपनी विकास नीति का आधार बनाना होगा। इस त्रासदी के बीच भी आशा की दीपक जल रहे हैं। किसी माँ ने अपने घर में अनजान परिवार को शरण दी, किसी बच्चे ने अपनी बची किताबें विस्थापित मित्रों को दीं, किसी गांव ने मिलकर सड़क खोली। यही छोटे-छोटे कर्म आने वाली पीढ़ियों के लिए महाकाव्य बनेंगे। हिमाचल की आत्मा कभी हार नहीं मानती।

यह वही भूमि है जहां पांडवों ने वनवास में आश्रय लिया, जहां महाभारत की कथाएं लोकगीतों में गूंजती हैं, जहां शिव स्वयं कैलाश से उतरकर हर घाटी में पूजे जाते हैं। ऐसा प्रदेश भले घायल हो, पर पराजित नहीं हो सकता। आज हमारे हर शब्द में आंसुओं की नमी है, हर वाक्य में पहाड़ों की करुण पुकार है पर साथ ही हर पंक्ति में यह विश्वास भी धड़क रहा है कि हिमाचल फिर उठ खड़ा होगा और इस बार वह केवल अपनी चट्टानी मजबूती के सहारे नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के नए संकल्प के सहारे खड़ा होगा। भविष्य की पीढ़ियां जब इस कालखंड को पढ़ेंगी, तो कहेंगी- हां, वह समय कठिन था, जब पहाड़ रोए, घाटियां टूटीं और नदियां उफनीं पर उस कठिन घड़ी में मनुष्य ने हार नहीं मानी। उसने प्रकृति के साथ मिलकर नया संकल्प रचा और हिमाचल, देवभूमि, फिर से खड़ा हुआ पहाड़ों की शान बनकर और भी सुरक्षित और भी सुंदर।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

मोबाइल स्क्रीन में कैद हो गया भारत का युवा

अंकित कुमार
स्वतंत्र लेखक

आज का युवा मोबाइल स्क्रीन पर जितना जीवित है, जिंदगी की असली जमीन पर उतना ही लापता है। सुबह उठते ही आंखें सूरज देखने से पहले नोटिफिकेशन गिनती हैं। इंस्टाग्राम का फॉलोवर काउंट और व्हाट्सऐप का लास्ट सीन उसके आत्मविश्वास का पैमाना बन चुका है। दुनिया जल रही हो, मगर युवा को सबसे बड़ी चिंता रहती है कि उसकी रील ट्रेंडिंग में आई या नहीं। सोशल मीडिया ने युवाओं को जोड़ा नहीं, बल्कि तोड़ा है।

दिखावे की इस दुनिया में असली जरूरतें गायब हो गई हैं। यह वर्चुअल दुनिया धीरे-धीरे मानसिक गुलामी में बदल रही है। असली मुद्दे, जैसे बेरोजगारी, शिक्षा, भ्रष्टाचार या पर्यावरण, सब स्क्रॉल होकर आगे निकल जाते हैं। नशे की तरह सोशल मीडिया ने भी युवाओं को सुन कर दिया है। वे लाइक बटोरने में इतने व्यस्त हैं कि सड़कों पर अपने हक की लड़ाई लड़ना भूल चुके हैं।

दुख की बात यह है कि राजनेता और सरकारें भी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठा रही हैं। असली रोजगार योजना बनाने की बजाय, वे युवाओं को हैशटैग और ट्विटर ट्रेंड में उलझाए रखते हैं। लोकतंत्र अब ट्रेंडिंग टॉपिक में बदल गया है। युवाओं को

समझना होगा कि जिंदगी की लड़ाई स्क्रीन पर नहीं, जमीन पर लड़ी जाती है। वरना आने वाली पीढ़ी किताबों में पढ़ेगी कि भारत का युवा सबसे बड़ा उपभोक्ता था, डेटा पैक का।

भारत का युवा इस वक्त सबसे बड़ा डेटा पैक उपभोक्ता है। शिक्षा, रोजगार और राजनीति से ज्यादा उसकी नजर इस पर है कि इंस्टाग्राम का एल्गोरिथ्म कब मेहरबान होगा। देश में बेरोजगारी दर कितनी बढ़ रही है, युवा उस पर बहस नहीं करता। वह बहस करता है कि मेरी रील के व्यू कम क्यों आए? सुबह का सूरज देखने से पहले मोबाइल स्क्रीन जगमगाती है।

नोटिफिकेशन की खनक अब अलार्म की घंटी बन चुकी है। आज की पीढ़ी अपने माता-पिता से बात करने से पहले स्टोरी अपडेट करती है। यही हाल दोस्तों के साथ मिलने-जुलने का भी है, बातचीत कम और फोटो-सेशन ज्यादा। यह डिजिटल जाल अब नशा बन चुका है। जिस तरह शराबी को एक और पैग चाहिए होता है, उसी तरह आज के युवा को हर पांच मिनट में स्क्रीन रिफ्रेश करनी पड़ती है। समस्या यहीं खत्म नहीं होती। युवा अब वास्तविक मुद्दों से भागने लगा है। गांव में पानी नहीं है, शहर में अस्पताल नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर सबके चेहरे फिल्टर से चमकते हैं। यह दिखावा समाज को बीमार बना रहा है। नेता और सरकारें भी इस कमजोरी का फायदा उठाती हैं। संसद में सवाल कम उठते हैं, ट्विटर ट्रेंड ज्यादा बनाए जाते हैं। लोकतंत्र अब नारेबाजी से निकलकर हैशटैग-बाजी में बदल चुका है। दूसरी तरफ, यही युवा अगर सोशल मीडिया पर गुस्सा दिखाता है तो सरकारें इसे भी एंगेजमेंट मानकर चैन की नींद सो जाती हैं। सड़कों पर आंदोलन से डरने वाले शासक, वर्चुअल आंदोलन देखकर रिलैक्स रहते हैं। नतीजतन, असली समस्याएं वहीं की वहीं पड़ी रहती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

लोग सरकारी नौकरी को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि यह स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करती है। निजी क्षेत्रों की तुलना में सरकारी नौकरियों में नौकरी जाने का खतरा कम होता है। इसके अलावा, वेतनमान निश्चित होता है और समय पर वेतन मिलता है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, आवास भत्ता और अन्य भत्ते भी आकर्षण का केंद्र होते हैं। काम का समय भी अपेक्षाकृत निर्धारित होता है, जिससे पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहता है। समाज में सरकारी कर्मचारी को एक प्रतिष्ठित स्थान मिलता है। परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता भी लोगों का भरोसा बढ़ाती है। ग्रामीण और मध्यम वर्ग के युवाओं के लिए यह आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का एक मजबूत माध्यम है। यही कारण है कि अधिकांश युवा सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देते हैं।

-अभय धर, कुल्लू

हिमालयी प्रदेशों की आपदाएं: चुनौतियां और समाधान

राजन कुमार शर्मा
डुगली, हमीरपुर

पश्चिम हिमालय, जो अपनी सुरम्य वादियों, सदाबहार हिमालयी श्रृंखलाओं और समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है, आज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूस्खलन, भारी वर्षा और ग्लेशियर पिघलने की घटनाओं में तीव्रता देखी जा रही है।

इन घटनाओं के लिए कई बार पर्यावरणीय क्षति, मानवीय लापरवाही या विकास परियोजनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन क्या यह सब दोषारोपण उचित है? क्या हमें इस संकट की तह तक जाकर मौसम और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को भी समझने की आवश्यकता नहीं? हिमालय और मौसमी अस्थिरता हिमालय, दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला, लगातार भूवैज्ञानिक और मौसमीय बदलावों के अधीन है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से क्षेत्रीय तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे हिमनदों का पिघलना तेज हो गया है। इसके साथ ही, मानसून के पैटर्न में भी बदलाव आ रहा है, जिससे वर्षा की तीव्रता और आवृत्ति अप्रत्याशित हो रही है। ये सभी प्राकृतिक प्रक्रियाएं हिमाचल प्रदेश के पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर रही हैं और आपदाओं की संभावना को बढ़ा रही हैं। विकास और पर्यावरणीय संतुलन विकास की जरूरत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के बिना विकास सतत नहीं हो सकता। पहाड़ी इलाकों में अंधाधुंध सड़क निर्माण, कटान और जंगलों की कटाई ने मिट्टी के कटाव और भूस्खलन जैसी समस्याओं को बढ़ावा दिया है, लेकिन साथ ही, मौसमी बदलाव और प्राकृतिक चक्रों का प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अत: दोषारोपण के बजाय हमें दोनों पहलुओं को समझ कर संतुलित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। समाधान की ओर कदम स्थानीय समुदायों की भागीदारी- पहाड़ी इलाकों में स्थानीय लोगों की पारंपरिक ज्ञान और अनुभव का उपयोग कर आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के बेहतर उपाय किए जा सकते हैं। वैज्ञानिक अध्ययन और निगरानी- हिमालय की ग्लेशियर गतिविधियों, वर्षा पैटर्न और भू-वैज्ञानिक परिवर्तनों पर लगातार अध्ययन और डेटा संग्रह आवश्यक है। विकास तो सभी चाहते हैं, विनाश नहीं। किसी भी निर्माण से पहले, पर्यावरण का पूरा आकलन

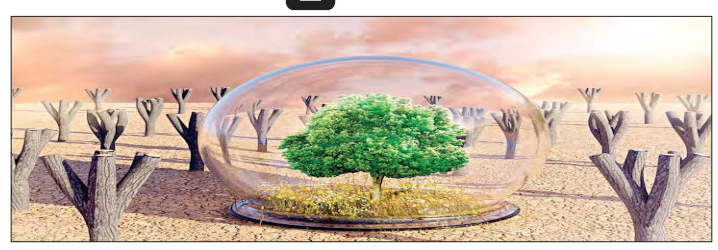

होना चाहिए—मलबा कहां डालना है, कितने बांध बनाने हैं, कितने चार-लेन राजमार्ग बनाने हैं। यह सब सोच-समझकर योजनाबद्ध होना चाहिए, लेकिन यहां तो मानो अंधी दौड़ चल रही है। क्या किया जाना चाहिए? वास्तव में, सभी नदियों, नालों और तालाबों का पूरा जोखिम आकलन किया जाना चाहिए। भारतीय सर्वेक्षण विभाग के स्थलाकृतिक मानचित्र इसमें मदद कर सकते हैं। निर्माण कार्य ऐसे आकलनों पर आधारित होना चाहिए और नदी या नाले की जमीन पर निर्माण प्रतिबंधित होना चाहिए। यह जोखिम आकलन जानकारी पटवारी (स्थानीय राजस्व अधिकारी) स्तर पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

यह सोचना बचकाना है कि हम दीवार बनाकर नदी को रोक सकते हैं। भारी बारिश के दिन, नदी दीवार की ओर नहीं देखती। पहाड़ी नदियां अपने साथ पत्थर और शिलाखंड बहाकर ले जाती हैं। धराली नदी को ही देख लीजिए— यह विशाल शिलाखंडों को ढोती हुई खड़ी ढलानों से नीचे उतरती है, कोई भी दीवार इसका सामना कैसे कर सकती है? जलवायु परिवर्तन एक ढाल बन गया है। जलवायु विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है, वर्षा अनियमित हो रही है—कभी बहुत कम, कभी बहुत ज्यादा—और इससे अचानक बाढ़ आ रही है। पहाड़ों में बाढ़ सामान्य बाढ़ नहीं, बल्कि अचानक बाढ़ होती है।

यह पहाड़ों की एक प्राकृतिक विशेषता है। बाढ़ जरूरी भी है, क्योंकि यह नदी को साफ करती है और मिट्टी और तलछट को बहा ले जाती है जो मैदानों को उपजाऊ बनाती है, लेकिन हकीकत में, जलवायु परिवर्तन सरकारों के लिए एक ढाल बन गया है। यह असली कारणों से ध्यान भटकाता है। सरकारें और प्रशासनिक अधिकारी पल्ला झाड़ लेते हैं, जबकि असली वजह यह है कि भूमि उपयोग और भूमि आवरण में भारी बदलाव आया है। 2030 तक हमें 17 सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करना है, लेकिन सतत विकास कैसे होगा? तभी जब योजना सही हो, जब भूमि उपयोग का उचित प्रबंधन हो। जरूरत मौसम को कोसने की नहीं, बल्कि उसके प्रति सचेत रहने की है। मौसम को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार अपने काम की योजना बनाएं।

नदी-नालों वाली जमीन से दूर रहें—तभी बारिश तबाही में नहीं बदलेगी। साथ ही, यह भी याद रखना होगा कि जब तक व्यवस्था में सुशासन का अभाव रहेगा, पर्यावरण की रक्षा नहीं हो सकती और सतत विकास संभव नहीं होगा। सतत विकास की नीति-विकास कार्यों में पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन और प्रकृति के अनुकूल तकनीकों का उपयोग जरूरी है। आपदा प्रबंधन प्रणाली का सुदृढ़ीकरण- आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों के लिए बेहतर तैयारी करनी होगी। निष्कर्ष हिमाचल प्रदेश की सुंदरता और जीवन शैली उसके प्राकृतिक परिवेश पर निर्भर है। मौजूदा संकट के लिए सिर्फ एक कारक को दोष देना उचित नहीं होगा। हमें प्रकृति के संकेतों को समझते हुए, मौसम और पर्यावरणीय परिवर्तनों के साथ सामंजस्य बैठाना होगा। तभी हम हिमालय की रक्षा कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थायी पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता

यश जौहर
जन्म : 6 सितंबर, 1929
मृत्यु : 26 जून, 2004

यश जौहर एक भारतीय फिल्म निर्माता और धर्मा प्रोडक्शंस के संस्थापक थे। उनकी फिल्मों में भव्य सेट होते थे, अक्सर 'विदेशी' स्थानों पर सेट किए जाते थे और भारतीय परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों को शामिल किया जाता था। वे करण जौहर के पिता थे, जो अब खुद एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं। व्यक्तिगत जीवन जौहर का जन्म अमृतसर, पंजाब में हुआ था। जौहर ने 1950 के दशक की शुरुआत में एक प्रचारक और स्थिर फोटोग्राफर के रूप में अपना करियर शुरू किया, फिल्म बादल (1951) पर काम किया। उन्होंने शशधर मुखर्जी की प्रोडक्शन कंपनी फिल्मिस्तान के लिए फिल्म लव इन शिमला (1960) में प्रोडक्शन एग्जीक्यूटिव के रूप में काम किया। 1962 में, वह सुनील दत्त के प्रोडक्शन हाउस अजंता आर्ट्स में शामिल हो गए। वह 'मुझे जीने दो' और 'ये रास्ते हैं प्यार के' जैसी फिल्मों के लिए प्रोडक्शन कंट्रोलर थे। उन्होंने देव आनंद को उनकी 1965 की फिल्म गाइड के निर्माण को संभालने में मदद की। जौहर 1999 में शाहरुख खान, जूही चावला और अजीज मिर्जा द्वारा स्थापित प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ड्रीमज अनलिमिटेड में भी शामिल थे। ■

कविता

आओ गणाधिराज

अनिल शर्मा नील, निचली भटेड़ ,बिलासपुर

कुपित हैं वरुण, चले हैं नाराज,
शांत करने चले आओ गणाधिराज।
अतिवृष्टि से खतरे में है जीवन,
मंगल करने चले आओ गणाधिराज।
भय चिंता के साये में लोग,
सुकून देने चले आओ गणाधिराज।
अधीर बह रहा है शीतल जल,
संयम बंधाने चले आओ गणाधिराज।
जलमग्न धरा धंसते गिरते घर शैल,
वसुंधरा बचाने चले आओ गणाधिराज।
देखो मची है चीख पुकार चहूंओर,
कष्ट हरने चले आओ गणाधिराज।
कर जोड़ करते हैं विनती हम,
कृपा करने चले आओ गणाधिराज।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

जीएसटी सुधार: मोदी ने परिवार की तरह सजाया हर हिंदुस्तानी का घर

श्रेय अवस्थी
भाजपा कार्यकर्ता, शाहपुर

कभी किसी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई परिवार नहीं है, लेकिन अगर जमीनी हकीकत देखें तो साफ हो जाता है कि मोदी का असली परिवार 140 करोड़ हिंदुस्तानी हैं। हाल ही में हुए जीएसटी सुधार इसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं।

ये बदलाव महज टैक्स व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक परिवारिक दृष्टिकोण से लिए गए फैसले हैं, जिनमें हर वर्ग, हर नागरिक की जरूरत को प्राथमिकता दी गई है। मोदी मानते हैं कि जब परिवार के सदस्य स्वस्थ होंगे तभी राष्ट्र प्रगति कर सकेगा। इसी सोच के तहत जीएसटी में सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

पनीर, दूध, रोटी और परांठा जैसी पोषण देने वाली चीजों को टैक्स फ्री कर दिया, ताकि गरीब से गरीब व्यक्ति को भी पर्याप्त पोषण मिल सके। वहीं सिगरेट, शराब और तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर सरकार ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि इनसे दूरी ही परिवार और समाज के हित में है। यह सिर्फ राजस्व का मामला नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुधार है जो विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने की

दिशा में बड़ा कदम है। हर परिवार की सबसे बड़ी चिंता होती है रोजमर्रा के खर्चों को कैसे संभालें।

मोदी सरकार ने इस चिंता को कम करने के लिए कई जरूरी वस्तुओं पर टैक्स कम किया। साबुन, टूथपेस्ट, तेल, शैंपू और शेविंग क्रीम जैसी रोज इस्तेमाल की चीजों पर टैक्स घटाकर आम आदमी के मासिक खर्च को कम किया गया। वहीं, बच्चों की शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए रबड़, पेंसिल, कॉपी, मैप और ग्लोब जैसी शैक्षिक सामग्रियों को टैक्स फ्री किया गया। ये फैसले बताते हैं कि सरकार हर परिवार के हर सदस्य के लिए उसी तरह सोच रही है जैसे कोई माता-पिता अपने बच्चों की जरूरतों के लिए सोचते हैं। हर भारतीय का सपना होता है कि उसका खुद का घर हो और उसमें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों। मोदी सरकार ने इस सपने को पूरा करने के लिए कई बड़े फैसले लिए। टीवी, फ्रिज, एसी और वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों पर टैक्स कम किया गया, ताकि सुविधाएं हर घर तक पहुंचें। साथ ही सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री पर टैक्स में कमी कर दी गई, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग भी अपने घर का सपना साकार कर सकें। यह सोच साफ दर्शाती है कि सरकार केवल आंकड़ों में विकास नहीं चाहती, बल्कि वह विकास हर घर की दहलीज तक लाना चाहती है।

हर जिम्मेदार मुखिया की तरह मोदी सरकार ने परिवार की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा है। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस को टैक्स फ्री करके यह सुनिश्चित किया गया है कि हर परिवार विपत्ति की घड़ी में भी सुरक्षित रह सके। जीएसटी सुधारों के माध्यम से मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे सिर्फ शासन नहीं कर रहे, बल्कि हर भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ये फैसले न केवल टैक्स सुधार हैं, बल्कि सामाजिक क्रांति की दिशा में कदम हैं, जहां सेहत की रक्षा, शिक्षा का विस्तार, परिवार की सुरक्षा, रोजगार का साधन और घर का सपना सब एक साथ समाहित हैं और इसलिए आज भारतवासी पूरे आत्मविश्वास के साथ कहते हैं-मोदी हैं तो मुमकिन है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

एचआरटीसी पेंशनर्स ने आपदा पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। हिमाचल पथ परिवहन निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक सरकाघाट में यूनियन प्रधान अमी चंद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेश को आपदा पीड़ित घोषित करने पर चिंता जताई गई और सरकार से कंधे से कंधा मिलाकर चलने का निर्णय लिया गया। पेंशनर्स ने मांग की कि कर्मचारियों की तरह उन्हें भी समय पर पेंशन मिले, अन्यथा सरकार कोई निश्चित तिथि तय करे। बैठक में एचआरटीसी कर्मचारियों से आह्वान किया गया कि बसों में यात्रियों को हर जगह बैठाकर निगम की आय बढ़ाएं, ताकि वेतन और पेंशन समय पर मिल सके। सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा, जिसमें हिम केयर और आयुष्मान कार्ड पेंशनर्स को तुरंत उपलब्ध कराने की मांग होगी। इस दौरान अमर सिंह नेगी, हिम्मत राम शर्मा व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल जोगिंद्रनगर में शिक्षकों द्वारा सादे और भावनात्मक कार्यक्रम के माध्यम से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारी बारिश के चलते विद्यार्थियों की छुट्टियाँ रही, लेकिन शिक्षकों ने आपस में मिलकर इस दिन को विशेष बनाया। विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्वप्रथम डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय ठाकुर ने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं और उनका कार्य हमेशा प्रेरणादायक रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और समाज को दिशा देने वाला शिल्पकार होता है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षक दिवस के महत्व पर चर्चा की। अंत में चाय-पान और हल्के जलपान के साथ यह आयोजन आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

धनोटू में गणपति विसर्जन व शोभायात्रा आज

भीम बसेड़, अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के धनोटू चौक स्थित शहीद राजेश कुमार चौहान स्मारक के पास गणपति उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्री गणेश उत्सव एवं समाज कल्याण समिति धनोटू के प्रमुख सदस्य चुनी लाल, रुप लाल, नंद लाल और सुरेश कुमार ने बताया कि गणपति प्रतिमा का विसर्जन 6 सितंबर को शोभायात्रा के रूप में किया जाएगा। इसके अगले दिन 7 सितंबर रविवार को मैदान में विशाल भंडारे का आयोजन होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि वे विसर्जन शोभायात्रा में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं तथा दिन-रात चलने वाले भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर गणपति महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नाचन विस क्षेत्र में गणपति उत्सव की रौनक

अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र में गणपति पूजा-अर्चना पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ की जा रही है। जगह-जगह भगवान गणेश की महिमा का गुणगान हो रहा है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है। गांव हरवाणी स्थित दैवी शक्ति कोयला माता मंदिर में गणेश प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन भजन-कीर्तन का आयोजन हो रहा है। वहीं धनोटू मैदान और महादेव गांव के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में भी गणपति उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। बड़े स्तर पर सजाए गए पंडालों में संगीतमय भजन संध्याएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। भक्त गणपति प्रतिमा के सामने भक्ति भाव से झूमकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

वाहनों की पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट रद्द

अनंत ज्ञान, पधर। वाहन पंजीयन व अनुज्ञप्ति अधिकारी पधर सुरजीत सिंह ने बताया कि उपमंडल पधर में 8 सितंबर को वाहनों की पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट की तिथि निर्धारित की गई थी। परंतु हर्डगलू मैदान मे 5 से 12 सितंबर तक मेला होने के कारण वाहनों की पासिंग तथा ड्राइविंग टेस्ट को रद्द किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी तारीख बाद में निर्धारित की जाएगी और लोगों को अवगत करवा दिया जाएगा।

ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट 11 व 23 सितंबर को

अनंत ज्ञान, महादेव। सुंदरनगर प्रशासन द्वारा गाड़ियों की पासिंग सहित ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट की तिथियां तय कर दी गई हैं। एसडीएम (सिविल) अमर नेगी ने बताया कि 11 व 23 सितंबर को ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट करनोडी स्थित मॉडल स्कूल के निकट मैदान में लिए जाएंगे। वहीं गाड़ियों की पासिंग भी 10 तथा 22 सितंबर को की जाएगी।

नागचला लंगर कमेटी ने की भोजन की व्यवस्था

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। कुंडूनी गांव में प्रभावित परिवारों के लिए जोगिंद्रनगर की धार्मिक संस्थाएं आगे आकर मानवता का परिचय दे रही हैं। इसी कड़ी में नागचला लंगर कमेटी ने प्रभावितों के लिए भोजन की व्यवस्था शुरू कर दी है। कमेटी के प्रधान विनोद अवस्थी, कोषाध्यक्ष रमेश पठानिया, विजय शर्मा और सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि उनकी समिति पिछले 15 वर्षों से नागचला में 20 भादो के पवित्र स्नान पर लंगर लगाती आ रही है। लेकिन इस बार भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण प्रशासन ने मेले की अनुमति नहीं दी। इसके बाद कमेटी ने सामूहिक निर्णय लिया कि वह कुंडूनी गांव के प्रभावित परिवारों को सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात्रि का भोजन उपलब्ध करवाएगी।उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे लोगों के लिए यह सेवा तब तक जारी रहेगी जब तक कमेटी का बजट अनुमति देगा। इस सेवा कार्य में विनोद अवस्थी, रमेश कुमार पठानिया, विजय कुमार शर्मा, तिलक राज शर्मा, पुष्प राज, गणेश शर्मा, चमन लाल मांगू, पद्म राम शर्मा, प्रेम पाल शर्मा, अशोक शुद्ध, ओम मरवाह, विकास सूद, जेपी अवस्थी, सुरेंद्र शर्मा, डॉ. साक्षी और पंकज पठानिया सहित कई लोग सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। वहीं सुशील शर्मा शीलू राशन की देखरेख से लेकर खाना बनाने तक पूरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। रोजाना लगभग 300 लोगों का तीनों वक्त भोजन तैयार किया जा रहा है। इस दौरान सोनी एनक्लेव के निदेशक अश्वनी सोनी ने बताया कि उनकी ओर से प्रभावित परिवारों को राहत शिविर में निशुल्क ठहराने की व्यवस्था की जा रही है।

पीसीपीएनडीटी एक्ट पर कार्यशाला आयोजित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। संकल्प हब के तहत चल रहे 10 दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज बाल विकास परियोजना सदर मंडी की ओर से नागरिक अस्पताल रत्ती के सम्मेलन कक्ष में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता खंड चिकित्सा अधिकारी रत्ती डॉ पियूष वैद्य ने की। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षक और स्वास्थ्य पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। डॉ. शिवानी, स्वास्थ्य अधिकारी तथा स्वास्थ्य शिक्षक सुरेश ने प्रतिभागियों को पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

संधोल अस्पताल की बदहाली पर पंचायत प्रतिनिधि उग्र

सीएम को भेजा सामूहिक ज्ञापन, 14 में से 10 पद पड़े हैं रिक्त, मरीजों को 50 किलोमीटर दूर अस्पतालों में करना पड़ रहा रेफर

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। जिला मंडी के नागरिक चिकित्सालय संधोल की बदहाली को लेकर एक बार फिर क्षेत्रवासियों की आवाज सरकार तक पहुंची है।

इस संबंध में जिला पार्षद मीना देवी की अगुवाई में ग्राम पंचायत संधोल तथा समस्त पंचायत प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को ज्ञापन भेजकर अस्पताल में स्टाफ की भारी कमी, विशेषकर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की अनुपलब्धता तथा बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की दयनीय स्थिति सुधारने को लेकर ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में अस्पताल में डॉक्टरों के कुल 14 पद स्वीकृत हैं, लेकिन हालात यह हैं कि 10 पद रिक्त चल रहे हैं। क्लर्क के 6 पदों में 4 रिक्त, वार्ड सिस्टर के सभी चार पद रिक्त, स्टाफ नर्स के 22 पदों में 18 रिक्त, मैट्रन का 1 पद, ओटीए के 2 में से दोनों ही पद रिक्त, लैब टेक्नीशियन के 3 में से 2 रिक्त, ऑप्थाल्मिक ऑफिसर के 1 पद में 1 ही रिक्त, एमएचएस के 1 पद में 1 ही रिक्त, एफएच डब्लू के 1 पद में 1 रिक्त, हेल्थ एजुकेटर के 1 पद में 1 ही रिक्त, ड्राइवर के 3 पदों में 3 ही रिक्त, स्वीपर के 7 पदों में 7 ही रिक्त, क्लास 4 के 11 पदों में 7 रिक्त चल रहे है। रेडियोलॉजिस्ट सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद ये नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं। यह अस्पताल न केवल संधोल क्षेत्र बल्कि आसपास की दर्जनों पंचायतों की स्वास्थ्य सुविधाओं का मुख्य केंद्र है।

ग्रामीणों का कहना है कि आपातकालीन स्थितियों में यहां आने वाले मरीजों को तुरंत उपचार नहीं मिल पाता। गंभीर हालत वाले मरीजों को एंबुलेंस से 40-50 किलोमीटर दूर हमीरपुर टांडा या अन्य जगह रेफर करना पड़ता है। कई बार रास्ते में ही मरीज दम तोड़ देते हैं। महिलाओं के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ की उपलब्धता न होने से प्रसव के मामलों में बड़ी परेशानी उठानी पड़ रही है।

इसके अलावा अस्पताल में आईसीयू की सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। एक सामान्य नागरिक चिकित्सालय होने के बावजूद यहां वह बुनियादी ढांचा नहीं है, जिसकी जरूरत मरीजों के इलाज के लिए अनिवार्य है। संधोल पंचायत प्रधान की अगुवाई में पंचायत प्रतिनिधियों ने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि सरकार को तुरंत कदम उठाते हुए अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति करनी चाहिए। साथ ही, गायनोकॉलोजिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, मेडिसन, रेडियोलॉजिस्ट और अन्य आवश्यक विशेषज्ञों के पद भरे जाने चाहिए।

संधोल अस्पताल।

डॉक्टरों और स्टाफ की हो नियुक्ति व आधुनिक सुविधाओं से करें लैस

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई है कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और जनसंख्या को देखते हुए अस्पताल की हालत पर त्वरित ध्यान दिया जाए। यहां पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों और स्टाफ की नियुक्ति की जाए और अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि गरीब और असहाय लोगों को छोटी-सी बीमारी या दुर्घटना में भी दूर शहरों के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे उनके आर्थिक हालात और बिगड़ जाते हैं। यदि संधोल में ही विशेषज्ञ डॉक्टर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और जानें भी बचाई जा सकेंगी।

केंद्र पर दोष मढ़कर जिम्मेदारियों से पीछे हट रही प्रदेश सरकार: जयराम

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर केंद्र के खिलाफ साजिश माहौल बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी नेता हर आपदा में केंद्र सरकार को दोष देने लगते हैं, जबकि प्रदेश सरकार को अपने दायित्व निभाने चाहिए। मंडी में जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार बार-बार केंद्र से मदद न मिलने की बात करती है, लेकिन जो सहायता मिली है, उसका कोई पारदर्शी हिसाब नहीं दिया जा रहा।

उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में 500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, तो केवल एक करोड़ रुपये की राहत देना सरकार की जिम्मेदारी से भागना है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध कटान पर लिए गए संज्ञान पर कहा कि प्रदेश सरकार को कोर्ट में जवाब देना चाहिए और यदि कोई दोषी है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस बार की आपदा में जंगलों का बह जाना बेहद चिंताजनक है, सरकार को इसकी गंभीर जांच करवानी चाहिए। जयराम ने मणिमहेश यात्रा के दौरान सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि श्रद्धालु 100 किमी पैदल चलकर पहुंचे और अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। तांदी पंचायत के आपदा प्रभावित गांवों के दौरे के दौरान वे भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि गांव की जमीन 15 फीट तक धंस चुकी है, कई घर नष्ट हो चुके हैं और लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकार से शीघ्र राहत और पुनर्वास की मांग की।

तांदी पंचायत में प्रभावितों के आंसू पोंछते हुए जयराम ठाकुर।

शिक्षक दिवस पर गुरुजी गुलाब सिंह का निधन, शोक की लहर

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। शिक्षक दिवस के दिन जिले के शिक्षा जगत को गहरा आघात पहुंचा है। गुरुजी गुलाब सिंह सकलानी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। 83 वर्षीय सकलानी का जन्म 22 जून 1942 को गांव खरोह डाकघर पपलोग, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी में हुआ था। गुलाब सिंह सकलानी ने अपने जीवन के 39 वर्ष शिक्षा सेवा को समर्पित किए। वे एक मेहनती, अनुशासित और प्रेरणादायी शिक्षक के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने जिला मंडी के विभिन्न खंडों में कार्य किया और अपने कार्यकाल में केंद्रीय शिक्षक तथा कार्यवाहक खंड एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकारी धर्मपुर-2 के पद पर भी सेवाएं दीं। सिर्फ शिक्षा जगत ही नहीं, बल्कि समाजसेवा में भी सकलानी जी का विशेष योगदान रहा। उनके निधन से शिक्षा परिवार और समाज दोनों ही स्तब्ध हैं। संयोग यह रहा कि जिस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, उसी दिन एक महान शिक्षक ने इस दुनिया को अलविदा कहा। भावुक आंखों से लोगों ने अपने प्रिय गुरु को अंतिम विदाई दी। उनके निधन पर विधायक दलीप ठाकुर कांग्रेस नेता पवन ठाकुर डॉ जयकुमार आजाद पपलोग पंचायत प्रधान सरस्वती देवी उप प्रधान शिव सकलानी ने गहरा शोक जताया और सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान उनकी आत्मा को शांति और अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

जय दुर्गा नर्सिंग कॉलेज में रंगारंग प्रस्तुतियों से शिक्षकों का सम्मान

जय दुर्गा नर्सिंग कॉलेज जोगिंद्रनगर में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस।

अभिषेक, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर स्थित जय दुर्गा नर्सिंग कॉलेज में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में नृत्य, गीत, कविता और नाट्य प्रस्तुति जैसी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राम चंद्र ठाकुर ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों के उत्साह की सराहना करते हुए मंच से छात्रों को पांच हजार रुपए की राशि भेंट की। कॉलेज की प्रधानाचार्य छवि ने बताया कि छात्रों ने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को जीवन की असली पूंजी बताया। इस मौके पर कॉलेज प्रबंधन राकेश धरवाल, समस्त अध्यापकगण और अनेक लोग उपस्थित रहे।

कुंडूनी गांव में एसडीएम ने प्रभावितों को दिया हरसंभव सहायता का आश्वासन

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल जोगिंद्रनगर के अंतर्गत कुंडूनी गांव में हाल ही में आए भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के बीच राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। शुक्रवार को एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीष चौधरी गांव पहुंचे और राहत शिविरों तथा प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनसे संवाद किया और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

उन्होंने बताया कि प्रभावितों की सुरक्षा और वास्तविक नुकसान का आकलन सुनिश्चित करने के लिए आज पुलिस विभाग द्वारा गांव की ड्रोन मैपिंग भी करवाई गई है। राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाईं। एसडीएम ने कहा कि प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार ने विशेष प्रावधान किए हैं। जिन परिवारों को अस्थायी रूप से किराये पर मकान लेना होगा, उन्हें सरकार की ओर से किराये का भुगतान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त ऐसे परिवार जो वर्तमान में अपने रिश्तेदारों के घरों में ठहरे हुए हैं, उन्हें प्रशासन की ओर से राहत सामग्री, तिरपाल और राशन किट वितरित की गईं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी प्रभावित परिवार को कठिनाई का सामना न करना पड़े। मौके पर तहसीलदार डॉ. मुकुल शर्मा तथा एसएचओ सकीनी कपूर भी विशेष रूप से मौजूद रहे और राहत कार्यों की निगरानी में सक्रिय भूमिका निभाई।

तीन दिन बाद मलबे से जिंदा निकली गाय

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। नेरघरवासड़ा पंचायत के कुंडूनी गांव में लगातार भूस्खलन से उजड़े घरों और तबाही के बीच शुक्रवार को एक अनोखी घटना देखने को मिली। ग्रामीणों द्वारा मलबा हटाने के दौरान दबे होने के बावजूद एक गाय जिंदा निकल आई। गांव में मची तबाही और बेघर हुए लोगों के बीच यह दृश्य राहत और हैरानी दोनों लेकर आया।

ग्रामीणों ने गाय को सकुशल देखकर ईश्वर का आभार जताया और इसे कठिन हालात में उम्मीद की किरण बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस त्रासदी ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है, लेकिन मलबे से जिंदा निकली गाय ने सभी को भावुक कर दिया। ग्रामीण अब इस गाय को गांव की जीवटता की प्रतीक मान रहे हैं।

'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' को मिला अपना आशियाना

पधर उपमंडल में 17 लाभार्थियों को गृह निर्माण के लिए 51 लाख स्वीकृत

कविता, अनंत ज्ञान

पधर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना उपमंडल पधर में बेसहारा बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इस योजना के तहत प्रदेश सरकार की ओर से 17 लाभार्थियों को गृह निर्माण के लिए 51 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। माता-पिता का साया सिर से उठ जाने के बावजूद सरकार ही माता, सरकार ही पिता की भावना से राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना में ऐसे अनाथ व बेसहारा बच्चों तथा 27 साल तक की उम्र के वयस्कों को आश्रय प्रदान किया गया है। सुरहान गांव की अनीता कुमारी ने बताया कि वह तीन-भाई बहन हैं। माता पिता का देहांत हुए काफी साल बीत चुके हैं और अब सुख-आश्रय योजना से उन्हें प्रदेश सरकार का ममतामयी आंचल मिला है। उन्हें प्रदेश सरकार की तरफ से मकान बनाने के लिए 3 लाख रुपए मंजूर हुए हैं, जिसमें से एक लाख की राशि उनके खाते में आ चुकी है। वहीं तीनों को प्रतिमाह 4 हजार की पॉकेट मनी भी मिल रही है जिसके लिए वह सरकार का धन्यवाद करते हैं।

> प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के अंतर्गत गृह निर्माण के लिए उपमंडल पधर के 17 लाभार्थियों को प्रदेश सरकार की तरफ से 51 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं।
>
> **-कुंदन हाजिरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, द्रंग।**

वहीं सुरहान गांव के ही ब्रह्मानंद चालक हैं। उनकी पत्नी रिया देवी ने बताया कि योजना के तहत गृह निर्माण के लिए तीन लाख की राशि मंजूर हुई है। इसी गांव के सोमचंद भी मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत लाभार्थी हैं। वह कहते हैं कि कच्चा मकान होने से बरसात में उनके घर में पानी आ जाता था, जिससे रहने में बहुत मुश्किल हो रही थी। प्रदेश सरकार द्वारा दी गई राशि से अब वह पक्का मकान बनाएंगे और खुशी से रह सकते हैं। विनोद कुमार निवासी पधर कहते हैं कि उन्हें सरकार की तरफ से पक्का मकान बनाने के लिए 3 लाख रुपए की राशि मंजूर हुई, जिसमें से एक लाख रुपए उनके खाते में आ गए हैं। साथ में प्रदेश सरकार से 4 हजार रुपए प्रति महीना उन्हें पॉकेट मनी के रूप में भी मिल रहे हैं। इसके लिए उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त किया है।

प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय किए सम्मानित

वनों के संरक्षण, संवर्धन में बेहतरीन कार्यों के लिए परिषद ने सराहा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अखिल भारतीय दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में हिमाचल प्रदेश के प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय सूद को वनों के संरक्षण और संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यह सम्मान परिषद के महासचिव चमन राही ने प्रदान किया। उन्होंने बताया कि डॉ. सूद के नेतृत्व में प्रदेश में सुक्खू सरकार द्वारा वन विभाग के माध्यम से कई जनहितैषी योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना, ग्रीन एडॉप्शन योजना, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी से वनों को सामाजिक और आर्थिक विकास का आधार बनाना भी है।

प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय सूद को सम्मानित करते हुए परिषद महासचिव चमन राही।

समारोह के दौरान अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वित्त) राल्टे ललनून सांगा सहित अन्य अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। परिषद की टी. वेंकटनाथन, अरण्यपाल मंडी के साथ बैठक भी हुई, जिसमें योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन हेतु सुझाव दिए गए।

चमन राही ने कहा कि हालिया प्राकृतिक आपदाओं से वन विभाग को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसकी भरपाई के लिए केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की गई है। उन्होंने प्रदेश के चारों सांसदों को भी आड़े हाथों लिया व आरोप लगाया कि वे प्रदेश हित की प्रभावी पैरवी करने में असफल रहे हैं। राही ने कहा कि प्रदेश की वन संपदा न केवल पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखती है, बल्कि युवाओं को रोजगार देने की असीम संभावनाएं भी रखती है।

जिप चेयरमैन पाल वर्मा 7 को करेंगे माता त्रिपुरी भैरवा मेले का शुभारंभ

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह। पंडोह के सयोग में 7 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाले माता त्रिपुरी भैरवा मेले का उद्घाटन समारोह 7 सितंबर को पारंपरिक भव्य शोभायात्रा के साथ किया जाएगा। इसके उद्घाटन समारोह में पाल वर्मा जिला परिषद मंडी के चेयरमैन बतौर मुख्य अतिथि माता की पूजा अर्चना करेंगे तथा मेले का शुभारंभ करेंगे। मेला कमेटी की अध्यक्षता एवं प्रधान ग्राम पंचायत सियोग विना महंत ने बताया कि मेले का समापन समारोह 14 सितंबर को सदर विधायक अनिल शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में किया जायेगा। उन्होंने लोगों से इस मेले में तन मन धन से इस मेले में सहयोग करते हुए इसे सफल बनाने की अपील की है।

माता त्रिपुरी भैरवा।

आज श्रमिक कल्याण बोर्ड की बैठक में उठेगा मजदूरों की वित्तीय सहायता का मुद्दा: भूपेंद्र

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

- सवा लाख मजदूरों के पांच सौ करोड़ रुपए हैं लंबित
- 22 सितंबर को हमीरपुर में किया जाएगा घेराव

हिमाचल प्रदेश राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड की 51वीं बैठक 6 सितंबर को नरदेव सिंह कंवर की अध्यक्षता में शिमला में होने जा रही है, इसमें सवा लाख मजदूरों की पांच सौ करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता पिछले तीन साल से जारी न होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। सीटू के राज्य उपाध्यक्ष एवं बोर्ड के गैरसरकारी सदस्य भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वर्तमान सरकार के दौरान गठित बोर्ड मजदूरों की वित्तीय सहायता जारी करने के बजाए उसे रोकने के लिए नए नए अडंगे डालने का ही काम तीन साल से कर रहा है। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वर्तमान बोर्ड की 10वीं बैठक होने जा रही है, लेकिन जो मजदूरों के कल्याण व सहायता के लिए जो भी निर्णय अभी तक लिए गए उन्हें लागू नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मंडी जिला में कुल 82 हजार मजदूर बोर्ड के सदस्य हैं और उनमें से 27 हजार के लगभग सरकाघाट व धर्मपुर के हैं, लेकिन पिछले एक साल से किसी भी मजदूर की वित्तिय सहायता जारी नहीं कि गई है व अभी भी गैरकानूनी तरीके से फार्मों को बोर्ड कार्यालय से जिलों को वापस लौटाने का ही काम हो रहा है। इसलिए सीटू से सबंधित मनरेगा एवं निर्माण मजदूर यूनियन ने बोर्ड कार्यालय का हमीरपुर में घेराव करने का निर्णय लिया है जो पहले 9 सितंबर को निर्धारित किया गया था, लेकिन बारिश के कारण उसे 22 सितंबर के लिए लिए स्थगित किया गया है। प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए बैठकें की जा रही हैं व मजदूरों को बोर्ड की कार्यप्रणाली बारे जानकारी दी जा रही है। 22 सितंबर को हमीरपुर में होने वाले प्रदर्शन में प्रदेश से बीस हजार से ज्यादा मजदूर भाग लेंगे वप बोर्ड की मजदूर विरोधी नीतियों को बदलने की मांग करेंगे।

कार्यक्रम दो दिवसीय सम्मेलन में साझा किए अनुभव, आयुष सेवाओं के सशक्तिकरण में निभाई अग्रणी भूमिका

हिमाचल को राष्ट्रीय मंच पर मिला विशेष दायित्व

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान

मंडी। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान सरिता विहार नई दिल्ली में 3 और 4 सितंबर को राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राज्यों में क्षमता निर्माण विषय पर दो दिवसीय विभागीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने किया। सम्मेलन में देशभर के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से वरिष्ठ अधिकारी, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ उपस्थित हुए।

इस दौरान आयुष सेवाओं को सुदृढ़ करने के अवसरों, चुनौतियों और भावी कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में छह कार्य समूहों का गठन किया गया, जिनमें गुणवत्ता, अधोसंरचना, सेवा प्रदायगी एवं भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक विषय का दायित्व हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश को नोडल राज्य के रूप में सौंपा गया।

राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राज्यों में क्षमता निर्माण विषय पर दो दिवसीय विभागीय सम्मेलन में मौजूद आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव व गणमान्य।

इस समूह में त्रिपुरा, तेलंगाना और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह को भी सम्मिलित किया गया। हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व राज्य के आयुष सचिव ए. शायनामोल और आयुष निदेशक रोहित जम्वाल ने किया, जिन्होंने प्रदेश की उपलब्धियों और रणनीतियों पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

हर साल 41 लाख लोग हो रहे लाभान्वित

इस दौरान बताया गया कि हिमाचल में वर्तमान में 1241 आयुष संस्थान कार्यरत हैं और प्रदेश की लगभग 79 लाख जनसंख्या में से हर वर्ष 41 लाख से अधिक लोग इन सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य ने विशेष रूप से दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों में आयुष सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने, पंचकर्म इकाइयों के विस्तार, योग वेलनेस केंद्रों की स्थापना, होम्योपैथिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और औषध निर्माण इकाइयों के आधुनिकीकरण को अपनी प्रमुख उपलब्धियां बताया। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश ने क्षमता निर्माण, मानव संसाधन प्रशिक्षण, दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री तथा हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री में पंजीकरण संबंधी प्रयासों की जानकारी भी साझा की। सम्मेलन में राज्य द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, दवाओं की समय पर आपूर्ति तथा आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के साथ प्रभावी समन्वय की आवश्यकता प्रमुख रही।

न्यूज ब्रीफ

लेक्चरर संघ ने सम्मानित शिक्षकों को दी बधाई

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ के प्रदेश प्रधान अजय नेगी, महासचिव इंदर सिंह ठाकुर, मुख्य संरक्षक लोकेंद्र नेगी, मुख्य मेंटर राजेश सैनी, चेयरमैन सुरेंद्र पुंडीर, कार्यकारी प्रधान दीप सिंह खन्ना, वित्त सचिव सुरजीत सिंह सिसोदिया, मुख्य सलाहकार चंद्र देव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, उपाध्यक्ष विकास रतन, प्रांतीय मीडिया सचिव राजन शर्मा, राज्य प्रेस सचिव जयराम शर्मा ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सभी शिक्षकों और शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने वाले 32 शिक्षकों को बधाई दी। चीफ मीडिया सचिव राजन शर्मा ने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर प्रदेश के पास लेक्चरर संघ मंडल, शिक्षक कर्मचारी नेता या अन्य कोई भी शिक्षक उनके पास अपनी मांग को लेकर जाते हैं, तब वह शिक्षकों प्रति सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, जो सराहनीय है।

जीएसटी में बदलाव मोदी सरकार का दिवाली का तोहफा

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी संजीव शर्मा ने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म्स 2.0 से जनता को राहत और उद्योग को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह रिफॉर्म्स देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संजीव शर्मा ने बताया कि जीएसटी रिफॉर्म्स से कर प्रणाली में पारदर्शिता और सरलीकरण आएगा, जिससे करदाताओं को सुविधा होगी।

आपदा में सीएम कर रहे अनुकरणीय कार्य : ठाकुर

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। प्रदेश जब भयंकर प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है और भारी बारिश ने प्रदेश के अधिकांश इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, ऐसे कठिन समय में प्रदेश सरकार तो राहत कार्यों में जुटी ही है, लेकिन हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस भी आपदा प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। यह बात युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष छत्र सिंह ठाकुर ने कही। छत्र सिंह ठाकुर ने कहा की मुख्यमंत्री आपदा पीड़ितो की सहायता के लिए अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को राशन, स्वास्थ्य सेवाएं, आवागमन या अन्य किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो वह युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से संपर्क करें, उनकी यथासंभव सहायता की जाएगी।

अलीगढ़ से चिंतपूर्णी पैदल पहुंचा श्रद्धालुओं का ग्रुप

विकास शर्मा, अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से पैदल तीर्थ यात्रा पर निकले 10 श्रद्धालुओं के एक ग्रुप ने चिंतपूर्णी में देवी दर्शन किए। इस ग्रुप में साधुराम, राजकुमार, पुष्पेंद्र, संतोष कुमार, संतोष काली, अंशु, राहुल और लोकेश कुमार जैसे श्रद्धालु शामिल हैं। उनके साथ एक मुस्लिम युवक शाहरुख भी हैं, जो माता रानी के भजन गाते हैं। लोकेश कुमार ने बताया कि वे 13 अगस्त को अलीगढ़ से पैदल यात्रा के लिए निकले थे और अब 24 दिनों के बाद वे कुरुक्षेत्र, नयना देवी और चिंतपूर्णी में दर्शन कर चुके हैं। अब ज्वालाजी और कांगड़ा जाएंगे।

नपं अंब में आपदा और वोट चोरी मामले पर की चर्चा

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान, अंब। नगर पंचायत अंब स्थित ए टू जेड कॉम्प्लेक्स में आज यूथ कांग्रेस (आईबीसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष युवा कांग्रेस अमन जसवाल ने की, जिसमें प्रदेशभर से कई पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश महासचिव राघव ठाकुर ने प्रदेश अध्यक्ष छतर सिंह ठाकुर का अंब पहुंचने पर स्वागत किया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा और वोट चोरी के मामलों पर गंभीर चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में कई वरिष्ठ पदाधिकारी और युवा नेता मौजूद रहे, जिनमें प्रदेश महासचिव राघव राणा, चिंतपूर्णी युवा अध्यक्ष अमन जसवाल, जिला ऊना प्रभारी नाहिद खान, ब्लॉक चिंतपूर्णी अध्यक्ष रविंदर शर्मा, प्रदेश सचिव तुषार स्टेन, नगर अंब युवा अध्यक्ष आलिब मोहम्मद, सहित अन्य मौजूद रहे।

रामलाल ठाकुर ने प्रभावित परिवारों को दी राहत

मुकेश, अनंत ज्ञान, नयना देवी। पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर ने श्री नयना देवी क्षेत्र में भूस्खलन से प्रभावित 33 परिवारों को राहत राशि व आवश्यक सामग्री प्रदान की। इस दौरान उन्होंने फोरलेन पर लिए जा रहे टोल टैक्स को अव्यवहारिक बताते हुए विरोध जताया और कहा कि सड़क व सुरंगें क्षतिग्रस्त होने के बावजूद लोगों से वसूली की जा रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयानों पर पलटवार करते हुए शिमला फोरलेन की डीपीआर की जांच की मांग की तथा केंद्र सरकार पर हिमाचल को आपदा राज्य घोषित न करने का आरोप लगाया। रामलाल ठाकुर ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सड़क बहाली में स्वैच्छिक सहयोग की सराहना की। इस मौके पर एसडीएम धर्मपाल, तहसीलदार संजीव प्रभाकर व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जर्जर पुल बना छह गांवों की जीवनरेखा का संकट

छात्र-छात्राओं, बीमारों और बुजुर्गों को 10-15 किलोमीटर का वैकल्पिक रास्ता पड़ रहा अपनाना

राजेश शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

ऊना। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के तहत बड़साला गांव के मुख्य पुल के तीन पिल्लर खतरे की जद में हैं। पिछले वर्ष एक अधिक टूटे हुए पिल्लर की लोहे की पत्तियां लगाकर थोड़ी मरम्मत की गई थी तथा मौका पर पिछले वर्ष उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री अधीक्षण अभियंता अधिशाषी अभियंता तथा सभी अधिकारी भी मौका पर आए परंत पिछले डेढ़ वर्ष में किसी ने भी इस पुल की सुध नहीं ली। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पुल को ठीक करने या जहां तक टूटने की संभावना है, वहां तक लोहे का बैली पुल लगाने के निर्देश दिए थे।

आजकल 2 महीने से पुल बंद पड़ा है, जो कि 6 गांवों की लगभग 15000 आबादी के आवागमन का साधन है। इतनी आबादी में क्या कोई भी व्यक्ति सरकार तक पहुंच नहीं रखता, ऐसी बात नहीं है परंतु हर व्यक्ति अपना निजी कार्य निकालने में व्यस्त है। सबके हित वाला काम करना और उसे अमल मे लाने का जज्बा तो कोई बिरला ही रखता है।

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के तहत बड़साला गांव के मुख्य पुल के तीन पिल्लर खतरे की जद में हैं, जिन्हें दो सालों से ठीक नहीं किया जा रहा।

दो वर्ष से पुल को सिर्फ ठीक करने के मिल रहे आश्वासन

2 वर्षों से लोक निर्माण विभाग बरसात खत्म होने के उपरांत पुल को ठीक करने का आश्वासन देता चला आ रहा है परंतु धरातल पर कुछ भी नहीं हो रहा। 210 मीटर लंबे इस पुल के तीन पिल्लर बदलने वाले हैं। नदी में इस बार अधिक बाढ़ आने से इस पुल की हालत और खराब होती जा रही है। इन गांवों की जनता सुशील कुमार, सुरेश कुमार, मुकेश कुमार, हरजीत सिंह, गुरमेल कुमार, मनोज कुमार, रजत कुमार, सुरेश राणा, सुनील राणा, सत्यदेवी, महेश कुमार, मनमोहन सिंह, रीटादेवी ने शासन और प्रशासन से मांग की है की जिन लोगों को पुल का लाभ मिल रहा था, उन्होंने भी मौजूदा सरकार बनाई है और लोक निर्माण विभाग कम से कम समय पर आकर मौका तो देखना चाहिए। छोटे से छोटा अधिकारी भी तभी आता है, जब कोई मौजूदा सरकार का विधायक या उच्च अधिकारी आए, अन्यथा इस पुल को कुदरत के भरोसे ही छोड़ दिया गया है।

लगभग गांव बड़साला, बदोली, अपर तियूड़ी, भलोह, बड़ूही, बरेड़ा तथा दो ईंट भट्ठों का कारोबार करने का माध्यम भी यही पुल है। इस बार बरसात भी बहुत भारी हुई है तो यह पुल भी खतरे से दूर नहीं है। इसके दो या तीन पिल्लर शत-प्रतिशत खतरे की जद में हैं। क्या जवान बेटियां जो स्कूलों, कॉलेजों तथा नौकरीपेशा करने के लिए 10 से 15 किलोमीटर जंगली रास्ता तय करके बस पकड़ने जाती हैं। कोई बुजुर्ग और रात को अचानक बीमार व्यक्ति को यदि 10-15 किलोमीटर का चक्कर लगाकर मेडिकल ऐड मिले तो इतनी देर में उसके प्राण पखेरू ही उड़ जाने की संभावना है।

अभी एक सप्ताह पहले गांव के सेवानिवृत्त शिक्षा उपनिदेशक को प्रॉब्लम आई और 10 किलोमीटर के रास्ते में जाते हुए घर से 2 किलोमीटर पर ही उनकी मृत्यु हो गई। यदि पुल ठीक होता तो उसे जल्द ही मेडिकल ऐड मिल सकती थी और जान को बचाया भी जा सकता था। यह क्षेत्र बंगाणा डिवीजन के तहत आता है। इस क्षेत्र के अधिशाषी अभियंता अरविंद लखनपाल से इस संबंध में बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि बजट बनाकर भेजा हुआ है, जब स्वीकृति आ जाएगी तो कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मोमनियार में आपदा की मार, पीएम और सीएम से लगाई गुहार

अनंत ज्ञान, बंगाणा। ऊना जिले के कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मोमनियार जिला परिषद वार्ड में भारी वर्षा और भूस्खलन ने व्यापक तबाही मचाई है। इस क्षेत्र की गंभीर स्थिति को लेकर जिला परिषद सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष कृष्ण पाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री सुक्खू सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं व अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल राहत एवं पुनर्वास की मांग की है। उन्होंने बताया कि दर्जनों मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं और परिवार बेघर हो गए हैं और कई लोगों के पास अब न तो घर हैं और न ही घर बनाने योग्य भूमि। बारिश से क्षेत्र की कृषि भूमि भी पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है।

कृष्ण पाल शर्मा ने चेताया कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और विकराल हो सकती है। उन्होंने केंद्र सरकार से विशेषज्ञों की एक टीम भेजने की मांग की है, ताकि नुकसान का वास्तविक आकलन किया जा सके और पुनर्वास के लिए ठोस योजना बनाई जा सके। क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए तुरंत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

भारत को नशामुक्त बनाने की मुहिम में बनें भागीदार

अनंत ज्ञान, ऊना

नशे के खिलाफ निर्णायक जंग में अब हर नागरिक की भूमिका अहम हो गई है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'मानस 1933' पर कोई भी व्यक्ति नशे की तस्करी या दुरुपयोग से जुड़ी सूचना पूरी तरह गोपनीयता के साथ साझा कर सकता है और भारत को 2047 तक नशा-मुक्त बनाने के संकल्प में भागीदार बन सकता है।

राजीव कुमार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव कुमार बताते हैं कि मानस 1933 हेल्पलाइन सप्ताह के सातों दिन, 24 घंटे कार्यशील है और इसे एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के साथ जोड़ा गया है, ताकि नशे से जुड़ी सूचनाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखी जाती है, जिससे लोग नि:संकोच और भयमुक्त होकर जानकारी साझा कर सकते हैं।

हेल्पलाइन 1933 पर दें सूचना आपकी पहचान रहेगी गोपनीय

जन जागरूकता पर जोर : राजीव कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार प्रदेश में नशे के खिलाफ जनजागरण के लिए अभिनव और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मानस हेल्पलाइन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग नशे की तस्करी एवं दुरुपयोग की सूचना साझा कर सकें और आवश्यक परामर्श प्राप्त कर सकें।

उन्होंने बताया कि नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए **https://www.ncbmanas.gov.in/awareness** (डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एनसीबीएमएएनएएस डॉट जीओवी डॉट आईएन) पोर्टल पर पोस्टर, वीडियो और ब्रोशर जैसी सूचना सामग्री उपलब्ध कराई गई है। कोई भी व्यक्ति इन संसाधनों को निशुल्क डाउनलोड, साझा और उपयोग कर सकता है। शैक्षणिक संस्थान, पंचायतें, युवा क्लब और स्वयंसेवी संगठन विशेष रूप से इनका उपयोग कर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करा रहे हैं।

प्रशासन की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

ऊना के उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि जिले में नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है। युवाओं को नशे के दलदल से बचाने और उन्हें स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूकता गतिविधियों को लगातार बढ़ाया जा रहा है। गांवों में ओपन एयर जिम और पुस्तकालय स्थापित करने के साथ ही स्कूलों व कॉलेजों में विशेष सत्र, जागरूकता शिविर और सोशल मीडिया अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानस हेल्पलाइन 1933 इन सभी प्रयासों को नई ताकत देगी। उपायुक्त ने आमजन से अपील की कि नशे की तस्करी या दुरुपयोग संबंधी किसी भी जानकारी को तुरंत मानस हेल्पलाइन 1933 पर साझा करें और भारत को नशा-मुक्त बनाने की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

आपदा को लेकर सरकार प्रशासन पर भड़के भुट्टो

अनंत ज्ञान, बंगाणा। कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने बंगाणा में कहा कि प्रदेश सरकार और प्रशासन आपदा से निपटने में पूरी तरह असफल साबित हुए हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि बीते दस दिनों से भाखड़ा थानाकलां, बड़सर पीपलू, भयांबी सहित करीब दो दर्जन सड़कों पर यातायात पूरी तरह से बंद पड़ा है, लेकिन लोक निर्माण विभाग के पास मशीनरी में तेल डालने तक के पैसे नहीं हैं, जिस कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भुट्टो ने याद दिलाया कि 12 दिन पहले घरवासड़ा, रायपुर मैदान, दोबड़, पलाहटा सहित आधा दर्जन पंचायतों में भारी बारिश से भूस्खलन हुआ था। इस आपदा ने करीब पांच दर्जन परिवारों को प्रभावित किया। भुट्टो ने आरोप लगाया कि इस गंभीर स्थिति में भी सरकार और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे।उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में जब पीड़ित परिवारों को राशन किट, तिरपाल और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करवाए गए, तभी अचानक राजनीति चमकाने वाले कई लोग मौके पर पहुंचने लगे।

कुटलैहड़ की दस पंचायतों में जल संकट, पाइप लाइन बहकर हुई गायब

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ क्षेत्र इन दिनों एक के बाद एक आपदाओं की चपेट में है। पहले भारी बारिश और भूस्खलन ने दर्जनों मकान, सड़कें और पुल तबाह कर दिए, अब पेयजल संकट ने लगभग नौ हजार परिवारों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। रामगढ़ धार की लगभग दस पंचायतों बोहरू, थड़ा, चूरड़ी, परोइया, दोबड़, रायपुर मैदान, कोलका, मंदली, बुढ़ार और बल्ह में 10 किलोमीटर लंबी पेयजल डिस्ट्रीब्यूशन पाइप लाइन या तो बह गई है या मिट्टी में दब चुकी है। इस क्षेत्र में प्राकृतिक जल स्रोत नहीं हैं, इसलिए लोग पूरी तरह सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं।

जलशक्ति विभाग मंडल थानाकलां को इस आपदा में करीब दो करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जबकि पहले की आपदाओं में विभाग को 25 करोड़ रुपए तक का नुकसान पहले ही हो चुका है। अधिशाषी अभियंता हरभजन सिंह ने स्वयं फील्ड में उतरकर कर्मचारियों के साथ हालात को संभालना शुरू कर दिया है। युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य जारी है, ताकि जल्द सप्लाई बहाल हो सके।

वहीं, डीहर पंचायत के सारनोहटी गांव में 15 दिन से जल आपूर्ति ठप है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांग की है कि प्रभावित पंचायतों को राहत दी जाए, अस्थायी तौर पर टैंकरों से पानी पहुंचाया जाए और विशेष पैकेज से पाइपलाइन की बहाली सुनिश्चित की जाए। पहले आपदा, अब जल संकट के चलते सामान्य जीवन पटरी से उतर गया है। तत्काल राहत न मिली तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

विधायक विवेक ने प्रभावितों को दी फौरी राहत

राहत सामग्री के साथ प्रभावितों के बीच पहुंचे विधायक विवेक शर्मा।

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ क्षेत्र में हाल ही हुई भीषण बारिश और बाढ़ से जहां आमजन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं अनेक परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे कठिन समय में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा लगातार प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर न केवल उनकी परेशानियों को सुन रहे हैं बल्कि हरसंभव मदद भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

इसी कड़ी में विधायक विवेक शर्मा ने पंचायत रायपुर मैदान, दोबड़ और परोइयां कला में पहुंचकर करीब एक दर्जन बाढ़ पीड़ित परिवारों को दस-दस हजार रुपए की फौरी आर्थिक सहायता प्रदान की। विधायक विवेक शर्मा ने प्रभावित परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे पूरी तरह से उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने प्रशासनिक टीम के साथ मिलकर 65 से अधिक राशन किट, तिरपाल एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी वितरित की। इससे बाढ़ प्रभावित परिवारों को अस्थायी रूप से बड़ी राहत मिली है।

विधायक ने कहा कि यह मदद केवल शुरुआत है और आगे भी सभी जरूरतमंदों को मदद पहुंचाई जाएगी। विवेक शर्मा ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से कहा कि प्राकृतिक आपदा किसी के वश में नहीं होती, लेकिन ऐसे समय में समाज और सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों के मकानों के पुनर्निर्माण, मुआवजा वितरण और अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा।

उन्होंने संबंधित विभागों को भी निर्देश दिए कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की देरी न की जाए। पीड़ित परिवारों ने विधायक विवेक शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में उनके सहयोग से उन्हें संबल मिला है। विवेक शर्मा ने भावुक स्वर में कहा कि वे केवल एक विधायक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के बेटे और भाई की तरह हमेशा लोगों के साथ खड़े रहेंगे। उनका उद्देश्य राजनीति से ऊपर उठकर आपदा पीड़ितों की मदद करना है। इस मौके पर एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल, तहसीलदार बंगाणा अमित कुमार, थाना प्रभारी रोहित चौधरी सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

अटया गांव में सरकारी पाइपों पर लगा दिए झंडे और बना दी रेलिंग

अनंत ज्ञान, बड़ूही (ऊना)

उपमंडल बंगाणा की उपतहसील जोल की पंचायत अंबेहड़ा धीरज के अटया गांव में सरकारी पाइपों के दुरुपयोग का मामला सुर्खियों में है। हालांकि विभाग के स्पष्टीकरण से कुछ हद तक स्थिति साफ हुई है। यहां पेयजल सप्लाई लाइन के लिए पहुंची कुछ पाइपें बच गई थी, जिनमें कुछ झंडे लगाने और सड़क के पास रेलिंग बनाने में इस्तेमाल किया गया। जानकारी के मुताबिक ये पाइपें वर्ष 2021-22 में पंचवटी निर्माण के समय सड़क किनारे रेलिंग पर लगाई गई थीं, बाद में इन पाइपों पर स्थानीय मंदिर से जुड़े लोगों ने झंडे भी लगा दिए, जिससे लोगों के बीच सवाल उठने लगे।

हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि ये पाइपें चोरी-छिपे नहीं रखी गई थीं, बल्कि सबके सामने थीं और विभाग की जानकारी में ही थीं। जल शक्ति विभाग (आईपीएच) के कनिष्ठ अभियंता रमेश चंद ने बताया कि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है। यह मामला उनके ज्वाइन करने से पहले का है, इसलिए उन्हें इसकी कोई विशेष जानकारी नहीं है। वहीं इस संबंध में जलशक्ति विभाग के एसडीओ नीरज धीमान ने बताया कि वर्ष 2021-22 में अंबेहड़ा धीरज क्षेत्र में विभागीय कार्य के लिए पाइपें आई थीं। काम खत्म हो जाने से कुछ पाइपें बच गई थीं और उसी दौरान ग्रामीणों के आग्रह पर विभाग ने अस्थायी तौर पर ये पाइपें मंदिर के पास उपलब्ध करवाई थीं। एसडीओ का कहना है इन पाइपों का बरसात के बाद होने वाले विभागीय कार्यों में उपयोग किया जाना था।

इस पूरे प्रकरण पर ग्रामीणों ने कहा कि यदि विभाग पहले ही साफ तौर पर स्थिति स्पष्ट कर देता, तो किसी तरह का भ्रम या विवाद पैदा नहीं होता। ग्राम पंचायत अम्बेहड़ा धीरज की प्रधान अंजू कुमारी का कहना है कि भविष्य में सरकारी सामान का उपयोग नियमानुसार और पूरी स्पष्टता के साथ होना चाहिए, ताकि ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो।

इन्नरव्हील क्लब ने बाल स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बाल ऊना में शिक्षक दिवस समारोह में इन्नरव्हील क्लब के सदस्य।

अनंत ज्ञान, ऊना

इन्नरव्हील क्लब ऊना ने शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बाल ऊना में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल सुरेंद्र कौंडल ने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि यहां के छात्र आज विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं।

क्लब सदस्यों ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान को सराहा। इस अवसर पर हाल ही में सेवानिवृत्त हुई क्लब सदस्य रंजना बख्शी को भी विशेष सम्मान प्रदान किया। क्लब प्रधान शोभा सोनी ने कहा कि शिक्षक हमारे जीवन के दीपस्तंभ हैं, जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर हमें अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम का महत्व सिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान प्रकट करने का अवसर है। इस अवसर पर गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य सुरेश, डॉ. किशोरी लाल, संजय वशिष्ठ, विकास रत्न, इन्नरव्हील क्लब की सचिव अमरजीत बबली, कोषाध्यक्ष निरूपमा महाजन, आईएसओ मीरा मेहता, पूर्व प्रधान जतिंदर कौर, तजिंदर कौर, सुमन पुरी, रजिता कसाना, रमा कंवर, रंजना जसवाल, रंजना बख्शी, रमा कालिया, रेखा शर्मा और सुनीता शर्मा के अलावा स्कूल के अन्य अध्यापक उपस्थित थे।

यह शिक्षक हुए सम्मानित कार्यक्रम में शिक्षक सुरेंद्र कौंडल, राजेश कुमार शास्त्री, दशमीत कौर, राकेश शर्मा, हरदेव घाघा, पल्लवी कौशल, सुरेंद्र मोहन, महेश शारदा, रमण कुमार, पूजा कुमारी, बबिता चंदेल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

एलआईसी की ऊना शाखा ने मनाया अभिकर्ता सम्मान दिवस समारोह

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकर्ताओं का सम्मान करते वरिष्ठ शाखा प्रबंधक।

अनंत ज्ञान, ऊना

भारतीय जीवन बीमा निगम की ऊना शाखा ने अभिकर्ता सम्मान दिवस समारोह का आयोजन किया। इसमें अग्रणी रहे अभिकर्ताओं को विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक सुरेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया की अभिकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम की रीड की हड्डी हैं। अभिकर्ताओं की मेहनत व लगन से एलआईसी अपने व्यवसाय के लक्ष्य को तय करती है।

यही नहीं अभिकर्ताओं की वजह से ही उपभोक्ता को पर्याप्त मात्रा में एलआईसी की पॉलिसी से संबंधित सभी तरह की औपचारिकताओं व उनको सेवाएं देने में अभिकर्ता अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। एलआईसी के पॉलिसी धारकों को घर बैठे अभिकर्ता अपनी सेवाएं देकर उन्हें सुविधाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने अभिकर्ताओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें अपना व्यवसाय टॉप ऑर्डर तक ले जाने की शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर एलआईसी की योजना शाखा के प्रशासनिक अधिकारी राकेश कुमार, सहायक शाखा प्रबंधक अंकुश कुमार, एओ शैली शर्मा, रवि प्रकाश जोशी, दर्शन सिंह, जगदीप सिंह, रमन कुमार, चरण दास समेत अभिकर्ता सुरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, राजेंद्र भारद्वाज, राजेश कुमार, विक्रम सिंह, सुभाष चंद, सतपाल समेत अन्य अभिकर्तागण व कर्मचारी मौजूद रहे।

लगन सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा को समर्पित हैं सुच्चा सिंह कंग, बन रहे सबके लिए आदर्श

जेब से खर्च करके स्कूली बच्चों को करा रहे खेलों का अभ्यास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

हमारे देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर राधा कृष्णन ने अपने जन्मदिन को अध्यापक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। उनका कहना था कि मेरा जन्मदिन शिक्षकों के सम्मान के लिए समर्पित है। पहली बार सन 1962 ईस्वी में अध्यापक दिवस 5 सितंबर को मनाया गया, तब से हर वर्ष इस दिन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाता है।

डॉ. राधा कृष्णन के जीवन से प्रेरित पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त अध्यापन सुच्चा सिंह कंग एक मिसाल बन रहे हैं। सेवानिवृति के बाद शिक्षा सुधार समिति चलाकर तो सेवा कर रहे हैं, लेकिन कई स्कूल छात्रों को जेब से पैसा खर्च करके खेलों में दक्ष बना रहे हैं। सुच्चा सिंह कंग के अपने सेवा काल में उत्कृष्ट अध्यापक होने के कारण वर्ष 2000 में राज्य स्तरीय पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। हर रोज बच्चों को बैडमिंटन भी सीखा रहे हैं और इस पर आने वाले खर्च को भी स्वयं वहन करते हैं उनके सिखाए हुए बच्चे दो बार राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं। राज्य स्तर पर कई बार पहुंच कर भाग लिया है।

सुच्चा सिंह कंग बच्चों को गेम की बारीकियां सीखते हुए।

श्रेष्ठ शिक्षक बनने के लिए सेवानिवृत्त स्नातक अध्यापक सुच्चा सिंह कंग अपने आप में एक बेहतर उदाहरण हैं। वर्ष 2006 में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र को ही चुना और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में वह शिक्षा सुधार समिति ईसपुर के साथ जुड़े तथा कुछ लोगों की मदद लेकर एक समिति का निर्माण किया, जिसके कार्य जिले मे अध्यापकों की कमी थी, वहां पर शिक्षकों को अपनी समिति की ओर से नियुक्त किया गया।

सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर चित विलास पाठक को समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उन अध्यापकों को वेतन भी कमेटी की ओर से दिया जाता है जिले में इस समय लगभग 50 अध्यापक इस समिति द्वारा नियुक्त किए गए हैं।

इसका बच्चों को बहुत लाभ हो रहा है। सुच्चा सिंह कंग भी 19 वर्षों से लगातार बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के साथ-साथ हर सप्ताह अध्यापकों का एक सेमिनार भी लगाते हैं, जिसमें विशेषज्ञों को बुलाकर अध्यापकों को और कुशल बनाया जा रहा है। सुच्चा सिंह कंग के सेवा काल में उनके वार्षिक परिणाम हमेशा शत प्रतिशत रहे हैं।

उनके विद्यार्थी डॉक्टर्स-इंजीनियर, बड़ी कंपनियों के सीईओ, टाउन प्लैनिंग ऑफिसर के पदों तक विराजमान हैं। प्रवासी बच्चों की शिक्षा के लिए प्रशासन द्वारा जो स्कूल चलाए जा रहे हैं, प्रशासन की ओर से उन स्कूलों में भी कई बार उन बच्चों को पढ़ान के लिए भेजा जाता है।

डीसी ने भी सुच्चा सिंह के जज्बे को किया सलाम

ऊना के जिलाधीश इन स्कूलों मे विजिट करते हैं तो सुच्चा सिंह को पहले ही सूचित कर दिया जात हैं और वह जिलाधीश महोदय को स्कूल से संबंधित सारी जानकारी देते हैं। इस आयु में भी उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है और तन-मन-धन से शिक्षा के ज्ञान बांटने में व्यस्त हैं। सुच्चा सिंह कंग ने बताया कि ज्ञान हमेशा बांटा जाता है , कभी इसे बेचा नहीं जाता। इस भाव को लेकर आखिरी सांस तक शिक्षा के साथही जुड़ा रहूंगा और समाज सेवा के रूप में कार्य करता रहूंगा। जिलाधीश जतिन लाल का कहना है कि सेवानिवृत्ति बाद हर व्यक्ति आराम करना चाहता है परंतु सुच्चा सिंह कंग जैसी पुण्य आत्माएं समाज में बहुत कम हैं, जो बिना किसी स्वार्थ से समाज की सेवा मे जुटे हुए हैं।

जीएसटी रिफॉर्म्स : सेहत, शिक्षा और सुरक्षा, सब पर ध्यान

अनंत ज्ञान, बड़ूही (ऊना)। चूरूडू से अंब ब्लॉक समिति के उपाध्यक्ष व किसान संदीप ठाकुर और चिंतपूर्णी से इंजीनियर राम पॉल, महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा विधानसभा क्षेत्र चिंतपूर्णी ने कहा

प्रदेश में तबाही का ऐसा मंजर कभी नहीं देखा : सीएम

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आपदा का ऐसा भयानक मंजर आज दिन तक नहीं देखा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कुल्लू जिले में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्र में हुए नुकसान का आकलन किया और प्रभावित परिवारों से बातचीत कर राज्य सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने भुंतर, मनाली इनर अखाड़ा बाजार, लगघाटी सहित विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों और स्थानीय निवासियों की निजी संपत्तियों को हुई क्षति का पूर्ण जायजा लिया और प्रभावित परिवारों के साथ बात की। मुख्यमंत्री ने कुल्लू के इनर अखाड़ा बाजार में भारी बारिश से हुए नुकसान का भी जायजा लिया। उन्होंने अखाड़ा बाजार में भूस्खलन के कारण हुए नुकसान का निरीक्षण किया और मृतकों के परिवारों के साथ संवदेना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की और प्रशासन को राहत व बचाव कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त भुंतर पुल तथा भूतनाथ पुल का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कुल्लू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून के दौरान प्रदेशभर में भारी तबाही हुई है। इससे जान-माल को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा से और अधिक क्षति हुई है। प्रदेश सरकार आपदा से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

पूरे प्रदेश में जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंनें कहा कि प्रदेश सरकार ने सभी प्रकार की परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने मंडी और कुल्लू जिला के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। सीएम ने कहा कि भाजपा सांसद आपदा प्रभावितों को वन भूमि और विशेष राहत पैकेज के लिए केंद्र पर दबाव बनाएं। इस अवसर पर विधायक सुंदर सिंह ठाकुर प भुवनेश्वर गौड़, एपीएमसी कुल्लू के अध्यक्ष राम सिंह मियां, डीसी तोरुल एस रवीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

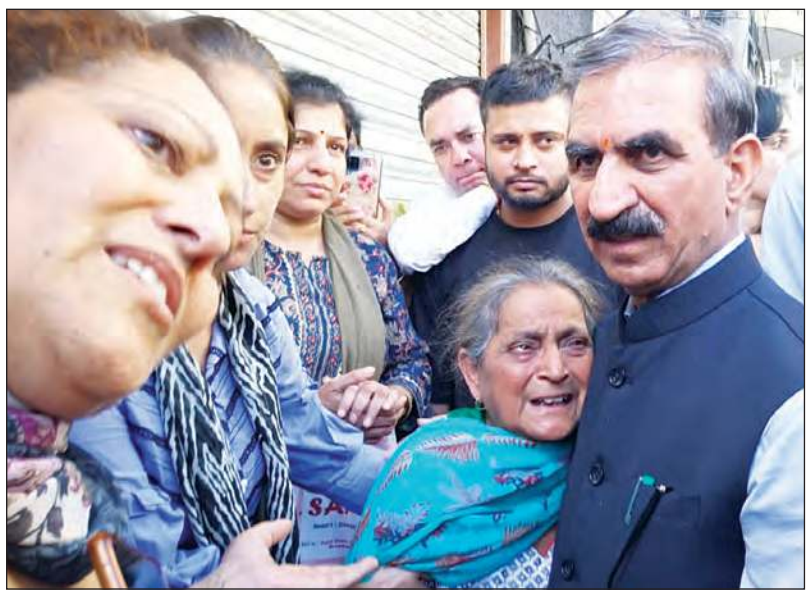

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इनर अखाड़ा बाजार में प्रभावित परिवार को गले लगाकर ढांढस बंधाते हुए।

किसानों व बागवानों के उत्पादों को भी निकालने का हो रहा प्रयास

सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों व बागवानों के उत्पादों को भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों से निकलकर मंडियों तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, ताकि उन्हें किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि इस समय सरकार की प्राथमिकता सड़कों को बहाल करना तथा बिजली व पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

7.70 लाख की सहायता

उन्होंने कहा कि जिन आपदा प्रभावित परिवारों के घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं और सामान खराब हो गया है, उन्हें राज्य सरकार 7.70 लाख रुपए की सहायता प्रदान कर रही है। इसके अलावा पशु धन की हानि के लिए भी उचित मुआवजा दिया जाएगा।

बाढ़ प्रभावितों से मिले, सुनीं समस्याएं

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

मनाली। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने मनाली के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वशिष्ट, समाहन व मनाली गांव में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित लोगों से भी मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावितों की हर संभव मदद कर रही है।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश को 2023 से भी अधिक नुकसान हुआ है। प्रदेश का कोई भी जिला बाढ़ आपदा से अछूता नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि भरमौर में फंसे तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए चिनुक हेलिकॉप्टर लगाया गया है। उम्मीद है कि आज शाम तक सभी यात्रियों को निकाल लिया जाएगा। इस दौरान तीर्थ यात्रियों के लिए खाने-पीने व रहने की व्यवस्था निशुल्क की जा रही है। तीर्थ यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए कैबिनेट मंत्री जगत नेगी को विशेष रूप से नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मनाली-कुल्लू राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। सड़कों की भाली को लेकर एनएचएआई के संपर्क में हूं। उन्होंने कहा कि जिला कुल्लू के सेब बागवानों की परेशानी से भली-भांति परिचित हूं। सेब को मंडी तक पहुंचाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि राहत कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पूर्ण रूप से मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मकान बनाने के लिए सात लाख व घरेलू समान के लिए 70 हजार नकद दिए जाएंगे। इससे पहले विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने मनाली पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू मनाली में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए।

सीएम दौरे से राहत कार्यों में तेजी आने की उम्मीद

मुख्यमंत्री के मनाली दौरे से क्षेत्र में चल रहे राहत कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। मनाली गांव में वैली ब्रिज सहित सड़कों की बहाली जल्द होने की उम्मीद है। हालांकि, मनाली को बड़ी राहत तभी मिलेगी, जब नेशनल हाइवे में आवाजाही सुचारु होगी, लेकिन तब तक वाम तटमार्ग पर ही निर्भर रहना होगा। सबसे अधिक समस्या लेह से मनाली आ रहे ट्रक चालकों को हो रही है। यह ट्रक तभी अपने गंतव्यों की ओर रवाना होंगे, जब बाहग से मनाली के बीच सड़क ठीक होगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने समाहन व वशिष्ठ में आकर स्वयं कार्य का जायजा लिया और बीआरओ सहित प्रशासनिक अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। हालांकि, बीआरओ युद्धस्तर पर जुटा हुआ है, लेकिन मुख्यमंत्री के दौरे के बाद मनाली वासियों को राहत कार्यों में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है।

आनी के कई क्षेत्रों में पेयजल के लिए हाहाकार, 5 दिन से नहीं पानी

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

आनी। आनी कस्बे की खोबड़ा, न्यू खोबड़ा कॉलोनी और तनोडा के लोग पिछले पांच दिनों से पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं।

जलशक्ति विभाग मंडल आनी के अंतर्गत आने वाले शवाड़ सबडिवीजन की कराना से तनोड़ा, खोबड़ा, न्यू खोबड़ा को आने वाली पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से करीब 600 बाशिंदों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों में धर्मेंद्र, कृष्ण ठाकुर, प्रवेश, पुरुषोत्तम, विजयेंद्र, कुंदन, छविंद्र सहित सैकड़ों लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर विभागीय फिटर व जेई को बार-बार सूचित किया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। कभी बारिश तो कभी मैन पावर की कमी का हवाला देकर पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई। मजबूरन लोगों को एकमात्र हैंडपंप से पानी

600 बाशिंदों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

ढोना पड़ रहा है, जो ऐसी जगह स्थित है, जहां पहाड़ी से पत्थर गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। लोगों का कहना है कि सोमवार से लगातार क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई जा रही है, लेकिन शुक्रवार तक भी समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आनी कस्बे की पेयजल लाइन को आनी सबडिवीजन के कर्मठ कर्मचारियों ने जान जोखिम में डालकर बहाल किया, उसी तरह शवाड़ सबडिवीजन को भी तत्परता दिखानी चाहिए थी। इस संबंध में जलशक्ति मंडल आनी के अधिशाषी अभियंता इंजीनियर किशोर कुमार ने बताया कि पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हुई है, जिसे जोड़ने का प्रयास जारी है।

अगर हमसे कोई गलती हुई है, तो क्षमा करें देवी-देवता : जयराम

2023 की आपदा के बाद प्रभावी कदम उठाने की बजाय सोई रही प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को कुल्लू के अखाड़ा बाजार और इनर अखाड़ा बाजार के आपदा स्थल का दौरा किया और इस दुर्घटना के प्रभावितों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में जान-माल के नुकसान का दायरा बढ़ता जा रहा है।

मानसून लगभग अपनी समाप्ति पर है, लेकिन जाते-जाते उसने कुल्लू को कभी न भरने वाले जख्म दिए हैं। चंबा और मंडी में भी त्रासदी से भारी नुकसान हुआ है। अपने कुल्लू प्रवास के दौरान वह झीड़ी स्लाइडिंग प्वॉइंट, पारला तथा भुंतर के बाढ़ प्रभावितों से मिलकर उनका हालचाल जाना और हौसला बढ़ाया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आपदा बहुत बड़ी सजा है, अगर हमसे कोई गलती हुई है, तो देवता हमें क्षमा करें और अपनी कृपा हम पर बनाए रखें। इस मौके पर उनके साथ भाजपा के नेता महेश्वर सिंह, मंत्री गोविंद ठाकुर, बंजारा विधायक सुरेंद्र शौरी, बल्ह विधायक इंद्र सिंह गांधी, कुल्लू भाजपा प्रत्याशी नरोत्तम ठाकुर समेत अन्य स्थानीय नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस आपदा में सरकार अपने काम से ज्यादा राजनीति कर रही है और मुख्यमंत्री का सारा ध्यान आपदा प्रभावितों को राहत देने की बजाय केंद्र सरकार को कोसने में लगा हुआ है। आपदा की मुश्किल घड़ी में मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारी निभाने की वजह सोशल मीडिया में क्या चल रहा है इसकी बात कर रहे हैं। इस आपदा में बहुत नुकसान हुआ है और लोगों को जल्द राहत पहुंचाने के लिए सरकार को अपने प्रयासों को और तेज करना होगा। 2023 की आपदा से हमने कोई सबक नहीं लिया। पिछली आपदा के बाद यदि हमने प्रभावी कदम उठाए होते और बहुत सारे चिन्हित स्थानों पर काम किया होता, तो आपदा के नुकसान को कुछ कम किया जा सकता था।

जयराम ठाकुर इनर अखाड़ा बाजार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए।

हर काम के लिए केंद्र को कोसना कहां तक सही

जयराम ने कहा कि सरकार यह बताए कि आपदा में सरकार ने क्या किया। आपदा से निपटने की पहली जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की है। हर काम के लिए केंद्र सरकार को कोसना कहां तक सही है। राज्य सरकार द्वारा जो भी कहा जा रहा है, केंद्र द्वारा तत्काल वह सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मणिमहेश यात्रा में भी लोगों को निकालने के लिए सेना के हेलिकॉप्टर जी जान से जुटे हैं। केंद्र सरकार ने पिछली बार भी प्रदेश की पूरी मदद की। 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की आर्थिक सहायता प्रदेश के लिए की गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सभी सांसदों के साथ मैं भी केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर हिमाचल की ज्यादा से ज्यादा सहायता करने और बार-बार आ रही आपदा के अध्ययन की गुजारिश की है। सरकार बताए क्या 2023 में केंद्र सरकार द्वारा दी गई धनराशि आपदा प्रभावितों व आपदा से निपटने के इंतजामों के ऊपर ही खर्च की गई है। यह राजनीति का नहीं आपदा से निपटने व आपदा प्रभावितों को ज्यादा और जल्द मदद करने का समय है।

केंद्र के जारी धन का सदुपयोग करे प्रदेश सरकार : गोविंद ठाकुर

अनंत ज्ञान, मनाली

पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार हिमाचल की हर संभव मदद कर रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रदेश सरकार केंद्र द्वारा जारी धन राशि का सदुपयोग करे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सड़कों की बहाली में तेजी लाए। चारों तरफ सड़कें बंद हैं। इस कारण चारों तरफ निराशा का माहौल है। किसान, बागवान, पर्यटन कारोबारी सहित हर वर्ग के लोग सड़कें बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं। मनाली में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को लेकर नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने इस विषय को प्रमुखता से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा

सड़कों की बहाली में लाएं तेजी, हर वर्ग है परेशान

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष उठाया।

उनके प्रयासों व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील नेतृत्व के फलस्वरूप केंद्र सरकार ने मनाली-कुल्लू क्षेत्र के बीच हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने मनाली विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के लिए 3,98,39,916 रुपए की राशि लोक निर्माण विभाग को स्वीकृत की है। इस त्वरित व ऐतिहासिक निर्णय की देवभूमि कुल्लू की जनता की ओर से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

न्यूज ब्रीफ

एचआरटीसी की बस सेवाएं आज से फिर होंगी शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में लगातार हो रही भारी बारिश व भूस्खलन से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन व हिमाचल पथ परिवहन निगम केलांग द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए 6 सितंबर से विभिन्न मार्गों पर बस सेवाओं का संचालन शुरू किया जा रहा है। इन मार्गों में केलांग-शिशु/धुंधी (सुबह 8:15 बजे व शाम 5 बजे), केलांग-दारचा (सुबह 8 बजे, दोपहर 12:30 बजे और शाम 5:30 बजे), केलांग-उदयपुर (सुबह 7:30 बजे, दोपहर 12:30 बजे और शाम 5 बजे), उदयपुर-केलांग (सुबह 7:45 बजे, दोपहर 2:30 बजे और शाम 4:15 बजे) तथा उदयपुर-सलग्रा (शाम 5 बजे) शामिल हैं। डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष किरण भड़ाना ने बताया कि बसों का संचालन मौसम व सड़कों की स्थिति पर निर्भर करेगा तथा यात्रियों से अनुरोध किया गया कि यात्रा करने से पहले स्थानीय स्तर पर बस सेवा की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। यह व्यवस्था आम जनता, यात्रियों व स्थानीय लोगों की सुविधा और आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

फसलों को एयरलिफ्ट करने, सड़क बहाली की मांग

अनंत ज्ञान, मनाली। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने सासे हेलिपैड में मुख्यमंत्री सुक्खू से भेंट की। इस दौरान उन्होंने जिले की वर्तमान चुनौतियों, खासकर बंद सड़कों और किसानों की फंसी हुई फसलों के मुद्दों को लेकर चर्चा की। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वशिष्ट व धुनधी सड़क मार्गों को जल्द बहाल किया जाए, ताकि घाटी का अन्य क्षेत्रों से संपर्क फिर से स्थापित हो सके। उन्होंने बीआरओ को इस संबंध में सख्त निर्देश जारी करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष लाहौल घाटी में खेतों में फंसी करोड़ों रुपए की फूलगोभी और हरे मटर की फसल को एयरलिफ्ट करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने बताया कि सड़क मार्ग बाधित होने के चलते किसान बेहद परेशान हैं और उनकी फसलें खेतों में ही सड़ने की कगार पर हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री को लाहौल-स्पीति जिले का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया, ताकि सीएम खुद जिले की भौगोलिक परिस्थितियों व जमीनी समस्याओं का आकलन कर सकें। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यक निर्देश संबंधित विभागों को दिए जाएंगे। स्थानीय किसानों ने बताया कि बंद सड़कों के चलते उनकी फसलें मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। किसान लंबे समय से विधायक के माध्यम से सरकार से सड़क बहाली की मांग कर रहे थे।

नग्गर पुल के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। मनाली भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री चंपा शर्मा ने कहा कि नग्गर पुल के निर्माण के लिए केंद्र सरकार की ओर से आवश्यक धनराशि स्वीकृत कर दी गई है और जल्द ही इस महत्वपूर्ण पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि लोक निर्माण विभाग के अधीन बाढ़ से जो सड़कें पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, उन्हें जल्द बहाल किया जाए। वर्तमान में अधिकांश बागवानों की फसलें सड़कों के बंद होने के कारण फंसी हुई हैं और पेड़ पर ही लटकी हुई हैं, जब तक इन सड़कों की सही मरम्मत नहीं होती, तब तक किसान-बागवान अपनी उपज को समय पर मंडियों तक नहीं पहुंचा पाएंगे। शर्मा ने कहा नेशनल हाईवे द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, लेकिन प्रदेश सरकार का भी यह दायित्व है कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों की मरम्मत जल्द सुनिश्चित करे, जिससे किसानों और बागवानों को राहत मिल सके। उन्होंने खेद जताया कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू मनाली क्षेत्र का ही दौरा कर सीधे कुल्लू की ओर निकल गए। उनको 17 मील, 14 मील, पतलीकूहल, रायसन इलाके का भी हवाई सर्वेक्षण करना चाहिए था क्योंकि 2023 में भी सब से अधिक आपदा इसी क्षेत्र में आई थी और यह क्षेत्र वैसे भी मनाली विधायक भुवनेश्वर गौड़ का गृह क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार द्वारा बाढ़ सुरक्षा दीवार का कार्य फरवरी 2025 में कई जगह शुरू किया गया था, मगर आधी अधूरी दीवारें लगाकर पतलीकूहल और रायसन जैसे संवेदनशील इलाकों में यह दीवारें टूट गई हैं। इस पर सरकार को जल शक्ति विभाग और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लानी चाहिए।

आनी कस्बे से लापता हुआ नेपाल मूल का व्यक्ति

अनंत ज्ञान, आनी

आनी के साथ लगते तेशन गांव में रहने वाले नेपाली मूल के व्यक्ति की गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाना आनी में दर्ज की गई है।

यह रिपोर्ट गुमशुदा व्यक्ति की पत्नी गुड्डी देवी ने दर्ज करवाई है। उसने पुलिस को बताया कि वह और उसका पति लोकेंद्र ठाकुर पुत्र टेकेंद्र गांव रुकुम (नेपाल) पिछले 11 वर्षों से तेशन के झाबे राम के मकान में अपने बेटे के साथ रहते हैं। वीरवार की शाम करीब 4 बजे उसका पति आनी कस्बे से सब्जी आदि खरीदने निकला था, लेकिन फिर वापस नहीं लौटा, न ही उसके फोन पर संपर्क हो पाया है। इसकी वीरवार देर रात और शुक्रवार सुबह तक जगह-जगह तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया है। डीएसपी आनी चंद्रशेखर कायथ ने बताया कि शुक्रवार को गुड्डी देवी ने पुलिस थाना आनी आकर अपने पति लोकेंद्र ठाकुर की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

वीरवार रात करीब साढ़े 8 बजे खोबड़ा पुल से किरण बाजार की ओर आने वाले एक फुट से भी किसी व्यक्ति के रात के अंधेरे में नीचे बह रही खड्ड में गिरने की सूचना है। रात को जब इस रास्ते से गुजरती एक जेसीबी के ऑपरेटर को लगा कि इस फुटपाथ से कोई व्यक्ति शायद नदी में गिर गया, तो उसने तुरंत सीटियां बजाना शुरू किया और लोगों को इकट्ठा किया और नदी के किनारे टॉर्च लगाकर तलाश करना चाहा, तो कोई सुराग न लगा। साथ ही लोगों ने पुलिस को भी सूचित किया। इस पर रात को ही पुलिस की टीम व एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट स्वयं मौके पर पहुंचे, लेकिन कौन गिरा, क्या पहचान थी ऐसा कोई भी सुराग नहीं मिल पाया है।

बाढ़ प्रभावितों की मदद को बढ़ाए हाथ

अनंत ज्ञान, मनाली। हिमाचल प्रदेश में आई भयंकर प्राकृतिक आपदा में कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी तथा हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी विदित चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीड़ितों के मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया है। इसी कड़ी में कांग्रेस के नेता गौतम ठाकुर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावितों का हाल-चाल जाना तथा सौ गरीब प्रवासी परिवारों को राशन तथा तिरपाल वितरित किए। भारी बारिश के चलते भूस्खलन से घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कांग्रेस नेता गौतम ठाकुर तथा मनाली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हरी चंद शर्मा ने क्षतिग्रस्त मकान मालिकों को दस-दस हजार रुपए की फौरी मदद पहुंचाई। उन्होंने कहा कि एनएचएआई अक्तूबर से पहले कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय उच्च मार्ग को बहाल करें अन्यथा कुल्लू घाटी का पर्यटन व्यवसायी बैंकों के कर्ज तले दब जाएगा। भविष्य में इससे उबरना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

बरसात थमने के बाद राहत की सांस

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। कई दिनों के बाद बरसात की झड़ी थमने से लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन इस बीच बारिश का कहर ऐसी गहरी चोटें दे गया है, जिन्हें भरने में लंबा समय लगेगा। बरसाती माहौल ने जहां कई लोगों के दिलों में दहशत बसा दी है। वहीं, भारी नुकसान के कारण किसानों और बागवानों की कमर टूट गई है। लगातार बरसे पानी से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। सेब, सब्जियां और अन्य बागवानी उत्पाद बारिश व भूस्खलन की चपेट में आकर नष्ट हो गया।

ग्रामीण इलाकों में खेतों के साथ-साथ घरों व दुकानों को भी नुकसान पहुंचा। कई जगह बाढ़ जैसे हालात बने रहे, जिसने लोगों को अपने घरों से बेघर कर दिया। किसानों का कहना है कि इस मौसम ने न सिर्फ मेहनत को मिट्टी में मिला दिया, बल्कि सालभर की कमाई की उम्मीद भी छीन ली।

खिली धूप, बाजारों में लौटी रौनक

बारिश थमने के बाद शुक्रवार को धूप खिली, तो बाजारों में रौनक लौटती दिखी। लोग आवश्यक सामानों की खरीददारी के लिए निकले और सड़कों पर चहल-पहल देखी गई। लंबे समय तक बारिश में कैद रहने के बाद बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने राहत महसूस की। हालांकि, लोगों के चेहरों पर लौटती मुस्कान के बीच यह चिंता भी साफ झलक रही थी कि प्राकृतिक आपदा के निशान भरने में समय लगेगा। ग्रामीणों व व्यापारियों का कहना है कि अब सरकार से मदद की उम्मीद है, ताकि नुकसान की भरपाई हो सके और बर्बाद हुई जिंदगी फिर से पटरी पर लौट पाए।

खेत-खलिहान, घर और सड़कें तबाह

लोगों का कहना है कि वर्ष 2025 की शुरुआत में आई बाढ़ ने पहले ही क्षेत्र को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया था। खेत-खलिहान, घर और सड़कें तबाह हुईं, अब सेब सीजन में हाईवे का बंद रहना उस चोट को और गहरा कर रहा है। लोगों को डर है कि अगर यह स्थिति बनी रही, तो बाढ़ के घाव नासूर बन जाएंगे। बागवानों ने सरकार व एनएचएआई से अपील की है कि नेशनल हाईवे को युद्धस्तर पर बहाल किया जाए। उनका कहना है कि प्रशासन को समझना होगा कि सड़क सिर्फ गाड़ियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा है।

चर्चा लाहौल-स्पीति में आपदा स्थिति पर समीक्षा बैठक का किया आयोजन

राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी के निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति जिला मुख्यालय केलांग में शुक्रवार को आपदा समीक्षा की महवपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना द्वारा की गई। इस बैठक में जिले के सभी कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे।

जिले में हाल ही में आई आपदा के दौरान विभागीय गतिविधियों व कार्यप्रणाली की समीक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई बिजली आपूर्ति, आपदा के कारण प्रभावित बिजली व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, जल्द बहाली के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त कुल्लू की तरफ से भी बिजली बहाली के कार्यों की समीक्षा व जानकारी दी गई। थिरोट पावरहाउस की स्थिति तथा रिजर्वायर की डिसिल्टिंग के बारे में चर्चा की गई। जिले में भूस्खलन व बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की जल्द मरम्मत व रास्तों की बहाली के प्रयासों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति की समस्या व जल स्रोतों की मरम्मत कार्यों की समीक्षा। आपदा से प्रभावित टेलीकॉम व इंटरनेट सेवाओं की बहाली सहित बीएसएनएल की सेवाओं की वर्तमान स्थिति बारे चर्चा हुई। डीसी ने पुलिस, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बिजली, जल विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राहत व पुनर्वास के कार्य युद्धस्तर पर जारी रखें। उन्होंने कहा कि आपदा में प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता पहुंचाना हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में आपदा के प्रभावों से निपटने के लिए सभी विभागों के समन्वय व तत्परता का पुनः आकलन किया गया और आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि आने वाले समय में खासकर जब सर्दियों में लाहौल में बर्फबारी होती है, तब भी हमें इसी प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और इस वक्त हम इस आपदा से यह सीख सकते हैं कि उस समय हम सभी को मिलजुल कर किस प्रकार से कार्य करना है। इस दौरान डीसी ने कहा कि प्रशासन पूरी तत्परता के साथ प्रभावित इलाकों में जल, बिजली, सड़क व संचार व्यवस्था की बहाली का कार्य कर रहा है, ताकि जनजीवन जल्द पुनः सामान्य स्थिति में आ सके। बैठक के समापन पर डीसी ने सभी विभागों को सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी डॉक्टर विवेक गुलरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रोशन लाल, उपनिदेशक बागवानी मीनाक्षी शर्मा, तहसीलदार विपिन शर्मा, सहायक पंजीयक सहकारी सभाएं अखिल सिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा काजा और उदयपुर उपमंडल के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना आपदा स्थिति पर बैठक की अध्यक्षता करती हुईं।

सरकार आपदा प्रभावितों की सहायता को प्रतिबद्ध : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला कुल्लू के दूरदराज के क्षेत्रों, जहां भारी वर्षा व भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क बाधित हो गया है। इन क्षेत्रों के लिए शुक्रवार को भारतीय वायु सेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर से कुल 21.20 क्विंटल राशन और 24 तिरपाल प्रभावित क्षेत्रों में एयर ड्राप किए गए।

डीसी कुल्लू ने बताया कि जिला प्रशासन लगातार प्रभावित क्षेत्रों की आवश्यकताओं पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि सड़क मार्ग से कटे हुए इलाकों में जहां से राशन की मांग आ रही थी, वहां प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। इसके साथ ही, अन्य क्षेत्रों तक सड़क मार्ग, हेड लोड और ड्रोन के माध्यम से भी राहत सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। डीसी ने बताया कि राहत सामग्री भुंतर हवाई अड्डे से भारतीय वायु सेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर की छह उड़ानों के माध्यम से शागटी, मरोड़, शरची व बठाड़ क्षेत्रों में भेजी गई। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राशन किट में आटा, चावल, दाल, तेल, नमक, चीनी, चाय पत्ती सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल की गई हैं। इसके अतिरिक्त प्रभावित परिवारों के लिए 24 तिरपाल भी मुहैया कराए गए हैं। डीसी ने कहा कि प्रदेश सरकार व प्रशासन आपदा प्रभावितों के साथ हर समय खड़ा है और उनकी हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राहत व बचाव कार्यों में जिला प्रशासन, भारतीय वायु सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय लोग सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सोलन में दर्दनाक सड़क हादसा, एक की मौत

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सिरमौर के दो युवकों की बाइक ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार यह हादसा सोलन के ओल्ड डीसी ऑफिस के समीप हुआ। बाइक पर सवार दोनों युवक सिरमौर जिले से थे। मृतक युवक की पहचान सिद्धार्थ के रूप में हुई है, जो कि पच्छाद उपमंडल के नारग देवथल के नजदीक पड़ेली गांव का रहने वाला था। सिद्धार्थ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसका साथी गंभीर रूप से घायल है और उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक व बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार व अंधेरे के कारण यह टक्कर हुई। हालांकि, पुलिस ने हादसे के कारणों की गहन जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना के बाद सिद्धार्थ के गांव व परिवार में शोक की लहर है। युवा व होनहार बेटे की असमय मौत से परिजन गहरे सदमे में है। गांव के लोगों ने भी घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

जगढ़-टिक्कर रोड पर दो गाड़ियों में भिड़ंत

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजगढ़-टिक्कर रोड पर एक मामूली भिड़ंत ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी राजगढ़ से मढ़ेरा की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी गाड़ी डूबलू से राजगढ़ की तरफ आ रही थी। महर्षन की दुकान के पास पास देते समय दोनों गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। इसके बाद बहस इतनी बढ़ गई कि मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और यातायात प्रभावित हो गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इस महिला चालक द्वारा बार-बार लोगों को परेशान किया जाता है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी भी की। सूचना मिलते ही राजगढ़ थाना प्रभारी स्वयं मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले को शांत करवाया। इसके बाद वाहनों को हटाकर सड़क पर यातायात बहाल कर दिया गया।

बांगरन में त्रासदी के बाद दहशत का माहौल

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। बांगरन गांव के ग्रामीण आज भी डर और दहशत के साये में जी रहे हैं। दो दिन पहले आई त्रासदी ने गांव की शांति को पूरी तरह से हिला दिया। इस घटना में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि इस भयावह स्थिति का मुख्य कारण क्षेत्र में लंबे समय से हो रहा अवैध खनन और स्टोन क्रशर हैं। उनका आरोप है कि दिन-रात चल रहे इन कार्यों ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है और अब इसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें मजबूरी में अपने सपनों का घर छोड़कर अस्थायी शरण लेनी पड़ रही है। लोग अपने बच्चों व परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और अब सामान्य जीवन की ओर लौटना उनके लिए बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि, प्रशासन की ओर से राहत व पुनर्वास कार्य जारी है, लेकिन ग्रामीणों की मांग है कि जब तक अवैध खनन व स्टोन क्रशर पर सख्ती से रोक नहीं लगेगी, तब तक इस तरह की त्रासदियों का खतरा बना रहेगा। इस बीच, मेरा गांव मेरा देश एक सहारा संस्था और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। दोनों ही टीमों ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के प्रति किया जागरूक

अनंत ज्ञान, सोलन। महिला व बाल विकास विभाग सोलन द्वारा मिशन शक्ति के तहत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पदम देव शर्मा ने दी। डॉ. पदम देव शर्मा ने कहा कि विशेष जागरूकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं को कानूनी अधिकारों, सुरक्षा व आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक कर सुरक्षित वातावरण स्थापित करना है। मिशन शक्ति के तहत आयोजित कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों का समाधान निकालकर समाज में उन्हें आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान करना है। जिला समन्वयक सोलन रेणु शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर, लैंगिक संवेदनशीलता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, यौन व प्रजनन स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याणार्थ कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कोलर पंचायत के लिए बनेगी विस्तृत कार्ययोजना

अनंत ज्ञान, नाहन। डीसी प्रियंका वर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले की विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। बैठक में डीसी ने बताया कि सिरमौर जिले के विकास खंड पांवटा साहिब की ग्राम पंचायत कोलर के ग्राम कोलर को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आदर्श सौर गांव चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि कोलर में सबसे अधिक सोलर पावर संबंधित कार्य हुआ है। इसमें 61 लाख 5 हजार पांच सौ पच्चास रुपए की लागत से 33 ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट लगाए गए हैं, जिससे 111.01 किलोवाट क्षमता का बिजली उत्पादन हो रहा है। डीसी ने बताया कि आदर्श सौर ग्राम को इस योजना के तहत सोलर पावर प्लांट संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक करोड़ रुपए की राशि मिलेगी। उन्होंने हिम ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह कोलर पंचायत से बैठक कर विस्तृत कार्य योजना तैयार करें, ताकि इस राशि का सदुपयोग किया जा सके तथा इससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ प्राप्त हो सके। बैठक में हिम ऊर्जा के परियोजना अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि सिरमौर जिले में 27 पंचायतों का प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत चयन किया गया था। इसमें 14 पंचायतों में 1 करोड़ 26 लाख 88 हजार छह सौ 34 रुपए से 55 ग्रिड क्नेक्टिड रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट तथा 177 स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से सौर ऊर्जा संबंधित गतिविधियां आरंभ की जा चुकी हैं।

द लॉरेंस स्कूल सनावर में शिक्षकों को नवाजा

अनंत ज्ञान, सोलन। द लॉरेंस स्कूल, सनावर ने अपने शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए शिक्षक दिवस बड़े आदर और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर ओल्ड सनावरियन सोसायटी द्वारा विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए ओल्ड सनावरियन सोसायटी के अध्यक्ष पंकज सपू ने कहा शिक्षक समाज के सच्चे आदर्श होते हैं। उनका मार्गदर्शन केवल हमारी शैक्षणिक यात्रा को ही नहीं संवारता, बल्कि ऐसे जीवन मूल्यों को भी स्थापित करता है, जो आजीवन हमारे साथ रहते हैं। स्कूल के प्रधानाचार्य हिम्मत सिंह ढिल्लों ने भी शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक का प्रभाव कक्षा की सीमाओं से कहीं आगे तक जाता है। वे प्रत्येक छात्र में चरित्र, आत्मविश्वास और धैर्य का निर्माण करते हैं।

नाहन के पानी पर भाजपा नेता राजनीति कर रहे : नरेंद्र

अनंत ज्ञान, नाहन। शहर में खड़ी हुई पेयजल समस्या को लेकर कांग्रेस ने भाजपा नेताओं पर राजनीति करने के आरोप लगाए हैं। नाहन में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आपदा के समय में भी भाजपा राजनीति कर रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि ऐसे समय में सभी को सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। मीडिया से बात करते हुई जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष नरेंद्र तोमर ने कहा कि भारी बारिश के बाद नाहन शहर के लिए पेयजल आपूर्ति करने वाली दो मुख्य योजनाएं बाधित हुई हैं, जिनको रिस्टोर करने का काम दिन-रात चला हुआ है, मगर भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। मुख्य रूप से नाहन शहर को 80 फीसदी पेयजल आपूर्ति करने वाली गिरि उठाऊ पेयजल योजना क्षतिग्रस्त होने के कारण शहर में पेयजल संकट खड़ा हुआ है। साथ खैरी बोगरिया उठाऊ पेयजल योजना भी बाधित हुई है।

गणेश विसर्जन समारोह हुआ आयोजित

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान, कंडाघाट। उपमंडल की पर्यटन नगरी चायल के प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर में शिव महापुराण कथा संपन्न हुई। इसके समापन पर गणेश विसर्जन समारोह आयोजित किया गया। मंदिर से साधुपुल अश्वनी खड्ड तक शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रीजी परिवार के श्रीहित अभय शर्मा व अन्य सदस्यों, लक्ष्मी नारायण मंदिर के स्वामी विवेकानंद, बाबूराम, रामनारायण, कुलदीप कॉल सहित सभी ने विसर्जन के समय भगवान गणेश से जगत कल्याण व सुख-समृद्धि की कामना की।

जीएसटी रिफार्म-2 को शैलेंद्र ने बताया ऐतिहासिक

अनंत ज्ञान, सोलन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू किए गए जीएसटी रिफार्म-2 को भाजपा सोलन शहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र ने देश और प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिवाली तोहफा बताया। उनका कहना है कि यह सुधार केवल कर ढांचे को आसान बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर जनता की जेब, उद्योग जगत व समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। शैलेंद्र ने कहा कि इस सुधार से ऑटोमोबाइल, सीमेंट, उपभोक्ता वस्तुएं और बैंकिंग सेक्टर को सीधा फायदा मिलेगा। कर घटने से जरूरी सामान सस्ते होंगे, जिससे आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जब आम आदमी को राहत मिलेगी, तो उसकी खरीददारी बढ़ेगी और इसका असर बाजार की मांग और उद्योग की रफ्तार पर पड़ेगा। शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं पर 0 फीसदी टैक्स किया गया। इससे विद्यार्थियों को भी लाभ होगा। शैलेंद्र ने बताया कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी इसका असर तुरंत देखने को मिलेगा।

बारिश थमते ही जलशक्ति विभाग एक्शन में

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिला मुख्यालय सोलन में बारिश का दौर थमते ही जलशक्ति विभाग एक्शन में आ गया। शहर में पानी की मांग को पूरा करने के लिए विभाग ने गिरि और अश्विनी पेयजल योजना को सुचारू कर दिया। वहीं, जब शुक्रवार अश्विनी पेयजल योजना से पानी की लिफ्टिंग शुरू हुई, तो कालाघाट के समीप पाइप लाइन फट गई। ऐसे में पानी की लिफ्टिंग को तुरंत बंद करवा दिया गया पर जलशक्ति विभाग के एसडीओ ऐन सिंह ठाकुर ने वक्त की नजाकत को समझते हुए तुरंत पाइप लाइन की मरम्मत का इंतजाम किया। साथ ही मौके पर पहुंचकर पाइप लाइन की मरम्मत करवाई, तब जाकर अश्वनी पेयजल योजना से सोलन के मुख्य टैंक को पानी की लिफ्टिंग शुरू हुई, अब उम्मीद की जा रही है कि यदि मौसम ने साथ दिया, तो सोलन शहर में पेयजल की समस्या से लोगों को निजात मिल जाएगी।

नगर निगम के मुख्य टैंक में पहुंची पानी की सप्लाई।

> **नगर** निगम सोलन की मेयर उषा शर्मा ने बताया कि गाद की समस्या से इन दिनों पानी की राशनिंग करनी पड़ रही है। अश्वनी और गिरि पेयजल योजना से मिल रहे पानी से फिलहाल मांग पूरी नहीं हो रही है। पानी की मात्रा मुताबिक शहर में राशनिंग प्रणाली से पानी की सप्लाई की जा रही है।

अभी भी 5 से 6 दिन बाद मिल रहा पानी

पिछले दिनों मूसलाधार बारिश से पेयजल योजनाओं में भारी मात्रा में आई सिल्ट के कारण शहर में 8 से 9 दिन बाद पेयजल की आपूर्ति की जा रही थी। हालांकि, जल शक्ति विभाग की मुस्तैदी से इसमें कुछ सुधार हुआ है। अभी शहर के वार्डों में 5 से 6 दिन बाद पानी की सप्लाई दी जा रही है। वहीं, वार्ड-6 में अभी भी पेयजल की स्थिति सामान्य नहीं हुई। लोगों को पिछले 8 दिन से पेयजल आपूर्ति की का इंतजार है। इससे लोगों में नगर निगम के खिलाफ रोष है।

अभी भी मांग के अनुसार पानी नहीं

एमसी का कहना है कि इन दिनों जल शक्ति विभाग से 60 से 70 लाख लीटर पानी की सप्लाई की जा रही है। वहीं, गिरि और अश्वनी पेयजल योजना से पानी की लिफ्टिंग बाधित होने से शहर के वार्ड क्षेत्रों में लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, नगर निगम को शहर में रोजाना पानी की मांग पूरी करने के लिए 90 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है पर इन दिनों मांग से आधा पानी भी निगम को नहीं मिल रहा है, ऐसे में वार्ड क्षेत्र में लोगों को 5 से 6 दिन बाद पानी मिल रहा है।

राजगढ़ में 130 ट्रांसफार्मर बंद सड़कें बार-बार हो रहीं अवरुद्ध

अनंत ज्ञान, नाहन। राजगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बिजली, सड़क व परिवहन सेवाएं ठप हो गई हैं और किसानों व बागवानों को बड़ा नुकसान झेलना पड़ रहा है। बारिश से 130 ट्रांसफार्मर बंद हो गए हैं। पझोता क्षेत्र में 115 और राजगढ़ में 15 ट्रांसफार्मर ठप होने से हजारों उपभोक्ता प्रभावित हुए हैं। खराब मौसम के कारण बिजली बहाली का काम धीमा चल रहा है, जबकि मोबाइल सेवाएं भी ठप हैं। भूस्खलन के कारण सोलन-राजगढ़ और सनोरा-नेरिपूल सड़कें बार-बार बंद हो रही हैं। लोक निर्माण विभाग की एक दर्जन जेसीबी मशीनें काम पर लगी हैं, लेकिन लगातार बारिश से मुश्किलें बढ़ रही हैं। बस सेवाएं बंद होने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। भारी बारिश से नकदी फसलें और बागवानी उत्पाद खेतों में ही सड़ रहे हैं। किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सोलन पुलिस ने ऑनलाइन ठगी का किया भंडाफोड़, उत्तराखंड से दो काबू

अनंत ज्ञान, सोलन

पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले का भंडाफोड़ कर उत्तराखंड से महिला और पुरुष को गिरफ्तार किया है। एसपी सोलन गौरव सिंह के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक कोटला निवासी दलीप कुमार ने पुलिस थाना सदर सोलन में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 6 अगस्त को इन्हें एक अनामिका नाम से टेलीग्राम पर मैसेज आया कि उनकी कंपनी प्राइस लाइन डॉट कॉम होटल एंड प्रॉपर्टीज का काम देती है, जिसको करने से 1500 से 1800 रुपए तक की कमाई हो जाती है, लेकिन इसमें 60 आर्डर पूरे करने होते हैं, जिस पर इन्होंने इस पर काम करना शुरू कर दिया।

शुरू में इनका काम ठीक चल रहा था। इसमें इन्होंने काम पूरा किया और पैसे भी ड्रॉ किए। 19 अगस्त को इन्हें जो आर्डर आया, उसमें उन्होंने प्रीमियम आर्डर के नाम पर इनसे अलग-2 खातों में पैसे डालने शुरू कर दिए। पहले तो बाकी दिनों की तरह सामान्य रहा, लेकिन 27 अगस्त को राशि ज्यादा हो गई, तो उक्त राशि को बचाने के लिए उन्होंने इनसे पैसे मांगे, जिस पर इन्होंने जैसे तैसे करके आर्डर पूरा किया। उसके उपरांत इन्हें शक हुआ कि वे लोग इसके साथ ऑनलाईन धोखाधड़ी कर रहे हैं और इन्होंने उनके अलग-2 बैंक खातों में करीब 12 लाख रुपए डाले, जो उक्त कंपनी द्वारा इनके साथ 12 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी की। इस पर पुलिस थाना सदर सोलन में उपरोक्त अभियोग पंजीकृत किया गया। सोलन पुलिस की साइबर सेल द्वारा शिकायतकर्ता के बैंक ट्रांजेक्शन को चेक किया गया तथा संदिग्ध खातों की जानकारी संबंधित बैंकों से प्राप्त करके अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त बैंकों से प्राप्त बैंक डिटेल, केवाईसी व संबंधित मोबाइल कंपनी से मोबाईल नंबरों की डिटेल प्राप्त करके उसका गहनता पूर्वक विश्लेषण किया गया। उक्त रिकार्ड का विश्लेषण करने पर धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों का संबंध उत्तराखंड के सितारगंज से पाया गया, जिस पर पुलिस थाना सदर सोलन की टीम द्वारा उक्त स्थानों पर दबिश देकर 2 आरोपियों राज सिंह निवास गांव व डाकखाना इस्लाम नगर तह. नानक मता जिला उधम नगर उत्तराखंड उम्र 31 वर्ष व पूजा पुत्री सुशील निवासी गांव सितारगंज को काबू करके उनके कब्जे से करीब 6 लाख रुपए की ठगी की गई राशि को बरामद किया गया।

हाथ नहीं, हौसले बुलंद, शिक्षक हरिदत्त शर्मा ने दिव्यांगता को बनाया ताकत

अनुराग गुप्ता, अनंत ज्ञान

पांवटा साहिब। शिक्षक दिवस के अवसर पर मेरा गांव, मेरा देश, एक सहारा संस्था की ओर से मालगी स्कूल में सेवाएं दे रहे दिव्यांग शिक्षक हरिदत्त शर्मा को सम्मानित किया गया।

संस्था के निदेशक डॉ. अनुराग गुप्ता और अध्यक्ष पुष्पा खंडूजा ने बताया कि हरिदत्त का जीवन संघर्ष और समर्पण आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्तंभ है। हरिदत्त दोनों हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद अपने हौसलों के बल पर शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने 1992 में वॉलेंटियर शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की और 1998 में नियमित शिक्षक बने, तब से आज तक वे मालगी स्कूल में बच्चों के भविष्य को संवार रहे हैं। उनकी विशेषता यह है कि वे पैरों से लिखकर न सिर्फ अपनी दिनचर्या पूरी करते हैं, बल्कि ब्लैकबोर्ड पर उनकी साफ-सुथरी लिखावट देखकर हर कोई दंग रह जाता है। उनकी कक्षा की शिक्षण शैली न केवल विद्यार्थियों, बल्कि सहकर्मियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

उनके पढ़ाए हुए कई विद्यार्थी आज देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। हरिदत्त बताते हैं कि उन्होंने बचपन से ही पैरों से लिखने का अभ्यास शुरू किया और कभी भी दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उनकी जीवनशैली, आत्मनिर्भरता और समर्पण सभी के लिए एक मिसाल है। वे अपने सभी कार्य स्वयं करते हैं और परिवार-पत्नी एवं दो बेटों के सहयोग से जीवन को संतुलित ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं।

सियासत: नेताओं ने राहत की जगह राजनीति को चुना : रूमित

अनंत ज्ञान, नाहन। राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी के अध्यक्ष रूमित सिंह ठाकुर ने हिमाचल में आई आपदा के बाद नेताओं के रवैये पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब बाढ़ व भूस्खलन से गांव उजड़ गए और लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई, तो प्रदेश ने अपने नेताओं की ओर मदद की उम्मीद से देखा, लेकिन भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जनता की पीड़ा पर राजनीति की दुकान चलाकर उन्हें निराश किया। रूमित सिंह ठाकुर ने कहा कि आपदा के समय दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक-दूसरे पर सिर्फ कीचड़ उछाला। उन्होंने सवाल उठाया, जब प्रदेश को केंद्र से मदद की सबसे ज्यादा उम्मीद थी, तब हिमाचल के 7 सांसद और 68 में से 28 विधायक राहत दिलाने में नाकाम रहे। उन्होंने नेताओं की प्राथमिकताओं पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। रूमित ने हैरानी जताते हुए कहा कि नेताओं में राहत पैकेज पर सहमति नहीं बन पाई।

भगवान राम के जीवन से सीखना चाहिए मर्यादा का पालन : शास्त्री

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

दाड़लाघाट के शिव मंदिर प्रांगण में श्रीराम कथा का श्रवण करने पहुंचे श्रद्धालु।

दाड़लाघाट के शिव मंदिर प्रांगण में इन दिनों श्रीराम कथा का आयोजन श्रद्धा व भक्ति के साथ किया जा रहा है। कथा के आठवें दिन कथा व्यास आचार्य मनी राम शास्त्री ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक अवतार नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति और आदर्श राजा के रूप में संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके जीवन से हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का पालन करना सीखना चाहिए। आचार्य ने कहा कि श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य व संयम से कार्य कर यह संदेश दिया कि कठिन समय में भी इंसान को अपने धर्म व कर्तव्य से विचलित नहीं होना चाहिए। आचार्य ने कथा के दौरान भक्तों को सीता माता की पवित्रता, लक्ष्मण की सेवा भावना व हनुमान की अटूट भक्ति का वर्णन करते हुए कहा कि अगर हम इन आदर्शों को जीवन में उतार लें, तो हमारा जीवन स्वत: सफल हो सकता है।

इस अवसर पर बाबा महंत जयदेव गिरी महाराज ने बताया कि उनके गुरुजी व ब्रह्मलीन नागा बाबा वैष्णो गिरी जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में इस पावन श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि कथा पंडाल में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। आठवें दिन भी कथा के दौरान भजन-कीर्तन और राम नाम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस मौके पर पूर्व उपप्रधान दाड़ला राजेश गुप्ता, मोहन सिंह ठाकुर, लाला शंकर, दास अरोड़ा, जय पाल चौधरी, बालक राम शर्मा, श्याम चौधरी आदि मौजूद रहे।

अदायगी समय पर नहीं हुई, तो पेंशनर्स करेंगे आंदोलन

कृष्ण रघुवंशी, अनंत ज्ञान

भारतीय राज्य पेंशनर संघ अर्की इकाई की बैठक को संबोधित करते नेता।

अर्की। भारतीय राज्य पेंशनर संघ अर्की इकाई की बैठक अर्की लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में इकाई अध्यक्ष देवी रूप अत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति में शामिल अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सभी विशेष अतिथियों तथा अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश संघर्ष समिति के महासचिव इंद्रपाल शर्मा ने उपस्थित पदाधिकारियों को बिलासपुर में प्रदेश स्तरीय संघर्ष समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में विस्तार से बताया तथा तथा संघर्ष समिति में शामिल सभी संगठनों के पदाधिकारियों से अपने संगठन में विस्तार से इसकी चर्चा कर प्रदेश संघर्ष समिति द्वारा लिखित भविष्य में किए जाने वाले जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। बैठक को प्रदेश वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव भूपराम वर्मा प्रदेश सचिवालय संघ के प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल शर्मा व अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया और सभी से एकजुट होकर संघर्ष समिति के द्वारा भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों को सुचारु रूप से सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। सभी वक्ताओं ने प्रदेश सरकार की करीब 1 लाख 82000 पेंशनर्स के लगभग 11000 करोड़ से भी अधिक की देनदारी अभी तक न दिए जाने के लिए सरकार की आलोचना की और सरकार को चेताया कि सरकार संघर्ष समिति द्वारा नोटिस सहित दिए गए मांगपत्र पर यदि समय रहते 30 सितंबर तक उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है, तो संघर्ष समिति व्यापक स्तर पर अक्तूबर महीने में पूरे प्रदेश में हर जिला स्तर पर विशाल धरना-प्रदर्शन करेगी। इसके बाद संघर्ष समिति एक प्रदेश स्तरीय व्यापक धरना-प्रदर्शन शिमला में करेगी। इसमें 10 से 12000 तक के पेंशनर उसमें भाग लेंगे। बैठक में प्रदेश संघर्ष समिति के महासचिव इंद्रपाल शर्मा पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के महासचिव भूपराम वर्मा, प्रदेश सचिवालय सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल शर्मा, जिला अध्यक्ष बाबूराम ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के शर्मा तथा प्रदेश बिजली बोर्ड पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन अर्की अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

विधायक रीना ने अधूरे विकास कार्यों को लेकर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान, सराहां

राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले को लेकर पच्छाद की विधायक रीना कश्यप ने सराहां में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि मेले हमारी संस्कृति हैं और इनमें राजनीति से ऊपर उठकर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सराहां मेला शुरू हो गया है, लेकिन अभी तक लोगों को यह पता नहीं चल रहा है कि सराहां मेले के मुख्यातिथि कौन होंगे इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस राज्य स्तरीय मेले में किस तरह की व्यवस्था बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि पच्छाद की एक नेता ने अपने फेसबुक एकाउंट में लिखा कि इस मेले के समापन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू आएंगे। यह भी जानकारी मिली है करीब 53 करोड़ की लागत से बनी पेयजल योजनाएं व सड़क मार्गों का उद्घाटन करेंगे, लेकिन उनका आरोप है कि जिन योजनाओं के उद्घाटन की सूची दी गई है, उनमें से अधिकतर उठाऊ पेयजल योजनाएं या तो बनकर तैयार नहीं हुई हैं व आधी अधूरी हैं। इसी तरह सड़कों का भी यही हाल है। उन्होंने विधानसभा में भी सराहां सिविल अस्पताल को सो बेड का करने की अधिसूचना दोबारा जारी करने की मांग उठाई है।

इसके अलावा सराहां-चंडीगढ़ सड़क को पिछले वर्ष भूरेश्वर महादेव में आए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा था कि उसे डबल लाइन किया जाएगा, लेकिन उसकी अभी तक डीपीआर बनकर तैयार नहीं हुई है। इसके अलावा सराहां बिजली बोर्ड के डिवीजन की अधिसूचना जारी करने की भी मांग कर रही हूं। उन्होंने कहा कि पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुई बरसात से आपदा के बाद किसी भी पंचायत में कोई भी धनराशि नहीं आई है इसलिए वह मांग करती हैं कि इन पंचायत में धनराशि दी जाए, ताकि जो सड़कें पंचायत या लोक निर्माण के अंतर्गत आती हैं, उन्हें खोलने में सहायता मिल सके।

पूर्व विस अध्यक्ष ठाकुर सेन नेगी को दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान, सोलन। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर सेन नेगी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अनुसूचित जनजाति मोर्चा भाजपा प्रदेश मीडिया सचिव बाबू राम नेगी ने बताया कि ठाकुर सेन नेगी के किए कार्यों के लिए उन्हें हमेशा महापुरुष के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश से विदेश और देश में जनजाति क्षेत्र जिला किन्नौर का नाम रोशन किया। ठाकुर सेन नेगी ने 26 नवंबर, 1979 में न्यूजीलैंड में आयोजित कॉमनवैल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस में दुनिया में मची मार- काट को नियंत्रित करने और मानव मूल्य की स्थापना करने की वकालत की थी, तब उपस्थित राजनेताओं ने पहले तो मजाक उड़ाया, लेकिन बाद में कई राजनेताओं ने ठाकुर सेन नेगी के विचारों परे सहमती ही नहीं जताई, बल्कि उसे अपना विचार बनाने का भी प्रयास किया, ऐसे महापुरुष को हमें प्रेरणा का स्रोत मानना चाहिए।

समस्या पेयजल और सिंचाई परियोजनाएं हुई प्रभावित, लोगों को हो रही परेशानी

गिरि में आई बाढ़ से चार मीटर बढ़ा अधिकतम जलस्तर

बीआर चौहान, अनंत ज्ञान

बीते कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते गिरि नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर। लोग काफी सहमे हुए हैं।

राजगढ़ । बीते कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते गिरि नदी काफी उफान पर है। शुक्रवार को मरयोग स्थित केंद्रीय जल आयोग के कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि गिरि नदी का इस वर्ष अभी तक अधिकतम जलस्तर केवल चार मीटर रिकार्ड किया गया है।

गिरि नदी का रौद्र रूप देखकर नदी के किनारे रहने वाले लोग काफी सहमे हुए थे। बाढ़ आने से गिरि नदी से लिफ्ट की अनेक पेयजल और सिंचाई परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। जेई ने बताया कि इस वर्ष समूचे प्रदेश में बारिश के कहर ने करोड़ों रुपए का नुकसान किया है, लेकिन गिरि नदी के जलस्तर में कोई ज्यादा इजाफा नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि करीब 17 वर्ष पूर्व 20 सितंबर, 2008 को गिरि नदी में आई बाढ़ का रिकार्ड आजतक नहीं टूट पाया है। इस दौरान करीब 9 मीटर गिरि नदी का जलस्तर बढ़ गया था और गिरि नदी खतरे के निशान से उपर बहने लग गई थी। जेई ने बताया कि यशवंत नगर में गिरि नदी का रीवर बेस लेवल 895 मीटर निर्धारित किया गया है, जिसे आधार मान कर पानी की गहराई मापी जाती है।

इस बार अधिकतम जलस्तर 899 मीटर अर्थात चार मीटर रिकार्ड किया गया है, जो कि इस वर्ष बरसात का सर्वाधिक जलस्तर है। वर्ष 2008 में सर्वाधिक 903.80 मीटर अर्थात 8.80 मीटर जलस्तर मापा गया था। इसके अतिरिक्त 5 मई, 1995 को सबसे ज्यादा डिस्चार्ज स्तर 1787.59 क्यूसेक रिकार्ड किया गया था, जो कि आजतक नहीं टूट पाया है। गिरि नदी का केचमेंट एरिया 1349 किलोमीटर है।

केंद्रीय जल आयोग द्वारा यशवंतनगर के गिरि नदी में स्वचालित सैटेलाईट कैम

न्यूज ब्रीफ

आपदा से त्रस्त लोगों की मदद करेगी महासभा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हिमाचल महासभा चंडीगढ़ हिमाचल में आई प्राकृतिक आपदा से त्रस्त लोगों की मदद करेगी। महासभा के अध्यक्ष अध्यक्ष पृथी सिंह प्रजापति ने बताया कि वे संस्था के सदस्यों के साथ आपदा से बेहाल लोगों की मदद के लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त ग्राम पंचायत चबूतरा, जिला हमीरपुर से 11 घरों की और ग्राम पंचायत भौड़ा, जिला कांगड़ा से एक घर की लिस्ट आई है। उन्होंने बताया कि हिमाचल महासभा पीड़ितों को अपने राहत कोष से योगदान देगी। महासभा की ओर से वर्ष 2023 में भी हिमाचल सरकार को 4 लाख 51 हजार रुपए का योगदान मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया गया था। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों को सूचित किया है कि किसी की जानकारी में कोई भी इस प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त है, तो वह ग्राम पंचायत प्रधान से तस्दीक करवा कर नाम हिमाचल महासभा को दें, ताकि सभा की ओर से मदद की जा सके।

भूपेंद्र ने संभाला एनएचपीसी के अध्यक्ष का पदभार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भूपेंद्र गुप्ता ने एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी और भारत सरकार का एक 'नवरत्न' उद्यम, के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का पदभार निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में ग्रहण किया। एनएचपीसी में शामिल होने से पूर्व, वह टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत थे। गुप्ता एसजेवीएन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। भूपेंद्र के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और संचालन प्रबंधन में एमबीए की डिग्री है। उन्होंने 1991 में एसीसी लिमिटेड के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की और 1995 में एसजेवीएन में शामिल होकर अपने सीपीएसयू करियर की शुरुआत की, जहां उन्होंने विभिन्न पदों पर 12 वर्षों तक कार्य किया। इस अवधि के दौरान, उन्होंने भारत की सबसे बड़ी संचालित जलविद्युत परियोजना, 1500 मेगावाट नाथपा झाकरी जलविद्युत संयंत्र के विद्युत-यांत्रिक उपकरणों की योजना, स्थापना व कमीशनिंग के साथ-साथ संचालन व रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लगभग तीन वर्षों (2002-2005) तक भूटान में 1020 मेगावाट की ताला जलविद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर भी कार्य किया। इसके बाद, वे मार्च 2007 में आरईसी लिमिटेड में शामिल हुए और लगभग 6 वर्षों तक जलविद्युत व ताप विद्युत परियोजनाओं के वित्तपोषण से जुड़े रहे। इसके बाद, उन्होंने आरईसी की दो सहायक कंपनियों, आरईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड और आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड में परिचालन प्रमुख के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य किया।

नेपाल के किसानों ने किया जींद का दौरा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक शिव कॉलोनी स्थित किसान भवन में शुक्रवार को जिला अध्यक्ष बिंद्र नंबरदार की अध्यक्षता में हुई। बिंद्र नंबरदार ने कहा कि नेपाल से किसानों का डेलीगेशन आया है, जो गांव-गांव हरियाणा में खेतीबाड़ी की जानकारी लेगा। भाकियू की कार्यप्रणाली से प्रभावित नेपाल के किसानों ने कहा कि उन्हें भी भाकियू में शामिल होने का मौका दिया जाए। वहीं पंजाब से आए किसानों को भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि जल्द ही नौगामा खाप व भाकियू द्वारा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए खाद्य सामग्री व अन्य जरूरत का सामान पहुंचाया जाएगा। नेपाल से आए किसानों को भाकियू द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जनकपुरी नेपाल के अमित शाह की अध्यक्षता में चार किसानों का डेलिगेशन यहां पर पहुंचा है। जिनमें विनीत शाह, राजन, दिलीप व राकेश कुमार तथा पंजाब से अमरजीत सिंह व लाभ सिंह शामिल हैं। अमित शाह नेपाल ने कहा कि हम भी नेपाल में जाकर हरियाणा की तर्ज पर खेती करना चाहते हैं और वहां जाकर किसान यूनियन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। वो खेतीबाड़ी के बारे में जानकारी लेने आए हैं। वो चाहते हैं कि हरियाणा से भी 11 या 20 सदस्यों का डेलिगेशन नेपाल आए। इस अवसर पर भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला, नौ गामा खाप के प्रधान सुरेश बहबलपुर, जयवीर लोहान, चंद्र नंबरदार, ओमप्रकाश, राजेंद्र पहलवान, नफे सिंह ईगराह, प्रदीप, राममेहर गुलकनी, रामराजी ढुल पोंकरीखेड़ी, उमेद रेढु व उमेद जलालपुर भी मौजूद रहे।

ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम के सेक्टर-43 स्थित पावरग्रिड ऑडिटोरियम में जिला लोक संपर्क व कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय उत्थान के ध्येय के साथ धरातल पर कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में कुल 18 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 14 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान देवत कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार का मामला भी सामने आया। उन्होंने जुलाई माह में हुई पिछली बैठक में शिकायत रखी थी कि उनकी कॉलोनी की 24 फुट चौड़ी गली में पड़ोसी ने पिछले 16 वर्षों से 12 फुट रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है। इस कारण उनके घर की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। सीएम ने उस समय शिकायत को लंबित रखते हुए नगर निगम आयुक्त गुरुग्राम तथा सदस्य, जिला शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति प्रियव्रत कटारिया को मौके पर जाकर स्थिति की जांच करने और अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने शुक्रवार की बैठक में जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई के उपरांत संबंधित पड़ोसी ने अवैध कब्जा हटा लिया है। उन्होंने 16 साल पुरानी समस्या का समाधान करवाने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

बैठक में सूर्य विहार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आई शिकायत में बताया गया कि कॉलोनी में नए 11 खंभे लगाए गए हैं, जिन पर नई तारें डलवाना आवश्यक है। ब्लॉक-1 में लगी पुरानी तारें 30 साल से भी अधिक पुरानी हो चुकी थीं और काफी नीचे लटक रही थीं, जिससे बरसात के समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसके अलावा कई जर्जर खंभे यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। यह शिकायत पिछली बैठक में रखी गई थी, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। बैठक में सेक्टर-85 ओरिस सोसायटी के निवासियों ने अवगत कराया कि उनकी सोसायटी के मुख्य मार्ग को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क कुछ भू-मालिकों द्वारा अवरुद्ध कर दी गई है। इस कारण निवासियों और स्कूल जाने वाले छात्रों को संकीर्ण व असुरक्षित मार्ग का उपयोग करना पड़ रहा है, इससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों डीटीपी व एसटीपी को त्वरित कार्रवाई कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

बारिश के बीच जीवन व आजीविका की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही सरकार : डॉ. सुमिता

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

वित्त आयुक्त, राजस्व, डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राजस्व व आपदा प्रबंधन विभाग राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है।

उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, नाले उफान पर हैं और निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के लिए बाढ़ की स्थिति की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं। हरियाणा में मानसून के मौसम में अब तक सामान्य से 48 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फतेहाबाद, झज्जर, कुरुक्षेत्र व महेंद्रगढ़ जिलों में सामान्य से काफी अधिक वर्षा हुई। सभी डीसी और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (डीडीएमए) को निर्देश दिए गए हैं कि वे हाई अलर्ट पर रहें और अपने-अपने क्षेत्राधिकार में जनता को मौसम संबंधी चेतावनियां और सुरक्षा सलाह समय पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य सरकार का 15 सितंबर तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खुला रहेगा, जो कि प्रभावित किसानों के लिए व्यवस्थित फसल क्षति आकलन और मुआवजे की सुविधा के लिए 2,687 गांवों को कवर करेगा। 1,46,823 किसान पहले ही पोर्टल पर पंजीकरण करा चुके हैं, जिससे कुल 8,66,927 एकड़ कृषि भूमि को नुकसान के आकलन के लिए कवर किया गया है।

यह डिजिटल पहल अभूतपूर्व वर्षा और बाढ़ से प्रभावित कृषक समुदाय के लिए मुआवजे के दावों की सुव्यवस्थित प्रक्रिया और सहायता उपायों को सुनिश्चित करती है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि बारिश से प्रभावित 2,247 लोगों को सकुशल राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। खासकर पलवल, फरीदाबाद, फतेहाबाद, भिवानी, कुरुक्षेत्र और अंबाला जिलों में पहुंचाया गया है। ये अभियान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन की टीमों के समन्वित प्रयासों से चलाए जा रहे हैं।

शिक्षकों की अमूल्य सेवाओं व योगदान को रेखांकित किया

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

सरवहारा एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन (सेवा), चंडीगढ़ द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में भव्य शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यूटी चंडीगढ़ के ग्रामीण और गांवों के स्कूलों में कार्यरत उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित करना था। इस वर्ष का आयोजन बेस्ट ट्यूटर, बेस्ट फ्यूचर विषय पर आधारित रहा, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों की अमूल्य सेवाओं और योगदान को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर व पूर्व भाजपा अध्यक्ष चंडीगढ़ अरुण सूद ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इसमें चंडीगढ़ प्रशासन व नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र एवं समाजसेवी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निसा (नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल्स अलायंस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कुलभूषण शर्मा ने कहा कि ग्रामीण शिक्षकों का समर्पण अतुलनीय है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे राष्ट्र के भविष्य को संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम सब मिलकर उनके अटूट समर्पण का सम्मान कर रहे हैं, जो समृद्ध भारत की नींव है। सेवा के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक हमारे शिक्षा तंत्र के अनसुने नायक हैं।

100 शिक्षकों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। अथर्व फाउंडेशन के सहयोग से अथर्व यूनिवर्सिटी मुंबई ने एक भव्य शिक्षक दिवस समारोह और शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मुंबई क्षेत्र के 100 शिक्षकों को उनके शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य, समर्पण व विद्यार्थियों के जीवन पर डाले गए सकारात्मक प्रभाव के लिए शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में प्रत्येक शिक्षक को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। अथर्व यूनिवर्सिटी मुंबई के संस्थापक व कुलपति सुनील राणे ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि वे चरित्र निर्माण और समाज की दिशा तय करने का कार्य भी करते हैं। यह सम्मान उनके समर्पण का प्रतीक है।

रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट में फ्रेशर्स पार्टी

मिस्टर फ्रेशर शिवांग, मिस बनीं सोहना सूद

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट, सेक्टर-32 सी, चंडीगढ़ के सभागार में बीबीए प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों और संस्थान के बीच आपसी संवाद, सामंजस्य व गहरा जुड़ाव स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार थे। उन्होंने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए सभी नए छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने भाषण में डॉ. कुमार ने बीबीए पाठ्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल प्रबंधन की मूलभूत समझ प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को नवाचार, नेतृत्व और सहयोग जैसे मूल्यों के साथ समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए भी तैयार करता है। उन्होंने छात्रों को जीवन में कड़ी मेहनत, अनुशासन व आत्मविश्वास को अपनाने के लिए प्रेरित किया और आश्वस्त किया कि संस्थान उनके सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मिस्टर फ्रेशर का खिताब शिवांग नारंग को और मिस फ्रेशर का खिताब सोहना सूद को प्रदान किया गया। फ्रेशर्स पार्टी में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन हुआ। बीबीए के छात्रों ने गीत, नृत्य, नाटक व कविता-पाठ के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से समूह नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे कार्यक्रम का उत्साह दोगुना कर दिया। सभागार पूरे समय हर्ष और उत्साह से गूंजता रहा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एक-दूसरे से परिचित कराना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना व संस्थान के प्रति अपनापन मजबूत करना था।

देश-विदेश

यूक्रेन को 26 देश देंगे सुरक्षा गारंटी

यूक्रेन बॉर्डर पर तैनात की जाएगी इंटरनेशनल फोर्स

एजेंसी, पेरिस

26 यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को पोस्ट वॉर सुरक्षा गारंटी देने का वादा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वीरवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में एक इंटरनेशनल फोर्स भी तैनात की जाएगी।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दी जानकारी

मैक्रों ने 'कोएलिशन ऑफ विलिंग्स' समिट के बाद प्रेस मीट में ये जानकारी दी। इस बैठक में श्व समेत 35 देशों के नेता के शामिल हुए, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समिट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से भी बातचीत की और गारंटी के लिए समर्थन देने को कहा। वहीं, यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन में शांति अभी दूर की कौड़ी लगती है, लेकिन वे युद्ध खत्म होने के बाद भी किसी भी इमरजेंसी के लिए तैयार रहना चाहते हैं।

वे मानते हैं कि, इस प्रयास से यूक्रेन को अपने समर्थन का भरोसा दिला सकते हैं। साथ ही उम्मीद करते हैं कि ट्रंप उनके फैसले में शामिल होंगे। (अनंत ज्ञान)

यूक्रेनी सेना को ट्रेनिंग और हथियार भी देंगे कुछ देश

मैक्रों ने कहा कि कुछ देश यूक्रेन के बाहर से भी सहायता देंगे, जैसे कि यूक्रेनी सेना को ट्रेनिंग देना और हथियारों की आपूर्ति करना। हालांकि, मैक्रों ने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक शामिल होंगे या कौन-कौन से देश इस गारंटी में हिस्सा लेंगे। मैक्रों ने बताया कि सहायता देने वाले देशों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई देश अभी फैसला लेने की प्रक्रिया में हैं।

निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण लागू करे सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को मोदी सरकार से मांग की कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून लाया जाए। इस अनुच्छेद के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के लिए निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में निजी शिक्षा संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आर्थिक तंगी और आरक्षण लागू न होने की वजह से पिछड़े वर्ग के बच्चे इन संस्थानों में पढ़ाई का अवसर नहीं पा रहे हैं। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि यूपीए सरकार ने आरक्षण का कानून बनाया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी 2008, 2011 और 2014 में वैध ठहराया है। (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश 117 साल बाद खोलेगा 'दरिया-ए-नूर' हीरे वाली तिजोरी

कोहिनूर की बहन के नाम से मशहूर, 13 मिलियन डॉलर कीमत

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। तिजोरी 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इसमें दुनिया के सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे देखा नहीं गया है। इस हीरे को 'कोहिनूर की बहन' कहा जाता है। वर्तमान में इस हीरे की कीमत लगभग 13 मिलियन डॉलर आंकी गई है। दोनों हीरे भारत से ले जाए गए थे। बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, यह हीरा दक्षिण भारत के खदानों से निकला था, जहां से विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। (अनंत ज्ञान)

दरिया-ए-नूर?

दरिया-ए-नूर का मतलब खूबसूरती की नदी है। यह एक 26 कैरेट का हीरा है, जो अपने आयताकार, सपाट सतह (टेबल-कट) के लिए जाना जाता है। यह हीरा एक सुनहरे कंगन (आर्मलेट) के केंद्र में जड़ा हुआ है, जिसके चारों ओर दस छोटे-छोटे हीरे (प्रत्येक लगभग 5 कैरेट) हैं। इसकी सुंदरता और इतिहास इसे अमूल्य बनाते हैं। मुगल सम्राटों के खजाने का हिस्सा रहा यह हीरा बाद में फारस पहुंचा और अब बांग्लादेश में होने की संभावना है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि यह ईरान के राष्ट्रीय खजाने में सुरक्षित है।

श्रीलंका में खाई में गिरी बस, 15 लोगों की मौत

एजेंसी, कोलंबो। दक्षिणी श्रीलंका के उवा प्रांत के बादुल्ला जिले में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 15 अन्य घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि वीरवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 9 बजे दक्षिणी शहर तांगाले से 30 से ज्यादा लोगों का एक समूह पिकनिक पर निकला था। तभी उनकी बस एला शहर में 1000 फीट से ज्यादा गहरी खाई में गिर गई। जानकारी के मुताबिक, बस सड़क की रेलिंग से टकराने और नीचे गिरने से पहले एक सामने से आ रही जीप से टकरा गई थी। मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं। ये सभी तांगाले शहरी परिषद की कर्मचारी थीं। (अनंत ज्ञान)

एयर इंडिया विमान ने की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी, इंदौर। दिल्ली से इंदौर आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 9:54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए। (अनंत ज्ञान)

डेटिंग ऐप से ड्रग्स बेचने पर 9 लोग गिरफ्तार

एजेंसी, हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने डेटिंग ऐप से ड्रग्स खरीदने और बेचने के मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी शुक्रवार को दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी एक डेटिंग ऐप पर रॉकेट और पिजन जैसे कोड का इस्तेमाल करते थे। गिरफ्तार दो मुख्य आरोपी बेंगलुरु से नाइजीरियन सप्लायर से ड्रग्स एमडीएमए 10 हजार रुपए प्रति ग्राम में खरीदते थे और हैदराबाद में 15,000 रुपए प्रति ग्राम में बेचते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 100 ग्राम एमडीएमए, 10 मोबाइल फोन और एक वजन मशीन जब्त की जिसकी कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपए है। (अनंत ज्ञान)

मुझे हर भाषा से प्यार, कन्नड़ भी सीखूंगी : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी, मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्यातिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वह पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा कि क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा, 'मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं।' राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने की कोशिश करूंगी।' हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। पूर्व मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि सिद्धारमैया में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या सोनिया गांधी से यही सवाल पूछने की हिम्मत नहीं है। (अनंत ज्ञान)

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के 'कन्नड़ आती है' सवाल का दिया जवाब

सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली उतार-चढ़ाव

एजेंसी, मुंबई। सेंसेक्स शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक या 0.01 प्रतिशत गिरकर 80,710.76 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.70 अंक या 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,741.00 पर आ गया। तेल व गैस और ऑटो शेयरों में बढ़त की भरपाई आईटी और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट से हो गई। सेंसेक्स के 14 शेयर लाभ में तथा 16 नुकसान में रहे। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में, सूचकांक बढ़त के साथ खुला, लेकिन देर सुबह के कारोबार में लाल निशान में फिसल गया। दोपहर के सत्र में यह 80,321.19 के निचले स्तर पर पहुंच गया, लेकिन बंद होने से पहले के सत्र में इसमें गिरावट कम हुई। (अनंत ज्ञान)

सोना व चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम 5 सितंबर को नए हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 501 रुपए बढ़कर 1,06,446 पर पहुंच गई है। एक दिन पूर्व कीमत 1,05,945 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी। वहीं, चांदी की कीमत 374 रुपए बढ़कर 1,23,581 रुपए के नए हाई पर पहुंच गई। गत दिवस एक किलो चांदी 1,23,207 रुपए में बिक रही थी। इस साल अब तक सोने की कीमत 30,284 रुपए (40%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,06,446 रुपए का हो गया है। ांदी का भाव भी इस दौरान 37,190 रुपए (43%) बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,23,207 रुपए प्रति किलो हो गई है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप और मोदी की दोस्ती अब खत्म : जॉन बोल्टन

कहा-व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेला

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ब्रिटिश मीडिया को दिए इंटरव्यू में ट्रंप की टैरिफ नीति की आलोचना की। जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया LBC को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रंप की नीति की आलोचना करते हुए कहा, 'व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है।' बोल्टन ने इसे एक बड़ी गलती है बताया। उन्होंने कहा-इसे अब ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। ट्रंप की दोस्ती बुरे हालात से नहीं बचा पाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मोदी के बीच पहले बहुत अच्छे रिश्ते थे, लेकिन अब वह खत्म हो गई है।

यह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर जैसे सभी नेताओं के लिए एक सबक है, कि ट्रंप के साथ अच्छी दोस्ती कभी-कभी मदद कर सकती है, लेकिन यह आपको बुरे हालात से नहीं बचाएगा। (अनंत ज्ञान)

भारत पर 50% टैरिफ अमेरिका की भारी भूल

बोल्टन ने अगस्त में सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है।

मानसून बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानों तक तबाही, जमुना का जलस्तर बढ़ा

दिल्ली-एनसीआर में बाढ़, नोएडा के कई सेक्टर डूबे

एजेंसी, नई दिल्ली

बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फुट पानी भरा है।

हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में शुक्रवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए। वहीं, राजस्थान के अजमेर में वीरवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई। इससे 1 हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला। (अनंत ज्ञान)

पंजाब में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है।

वेनेजुएला ने अमेरिकी वॉरशिप के ऊपर से उड़ाया फाइटर जेट

एजेंसी, कराकस। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला के दो एफ-16 लड़ाकू विमानों ने वीरवार को कैरेबियन सागर में अमेरिकी वॉरशिप यूए

स्पोर्ट्स विंडो

स्लोवाकिया ने जर्मनी को उलटफेर का शिकार बनाया, स्पेन और बेल्जियम जीते

एजेंसी, लंदन। स्लोवाकिया ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफायर में बड़ा उलटफेर किया। डेविड हैन्को और डेविड स्ट्रेलेक ने जर्मनी की रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर स्लोवाकिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई। स्लोवाकिया ने आखिरी बार 2010 में विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। इस हार से जर्मनी की 2026 में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की राह मुश्किल हो गई है। प्लेऑफ से बचने के लिए जर्मनी को अब अपने शेष सभी पांच मैच जीतने होंगे। यह ग्रुप-ए में जर्मनी का पहला मैच था, जिसमें वीरवार को उत्तरी आयरलैंड ने लक्जमबर्ग को 3-1 से हराया था। एक अन्य मैच में यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने बुल्गारिया को आसानी से 3-0 से पराजित किया। उसकी तरफ से मिकेल ओयारजाबल, मार्क कुकुरेला और मिकेल मेरिनो ने गोल किए। बेल्जियम ने लिचेटेंस्टीन के खिलाफ धीमी शुरुआत की और हाफटाइम तक केवल 1-0 की बढ़त बनाए रखी, लेकिन बाद में उसने 6-0 की जीत दर्ज की, जिसमें एस्टन विला के यूरी टिलेमान्स के दो गोल और नेपोली के केविन डी ब्रूने का एक गोल शामिल हैं। वेल्स ने कज़ाकिस्तान पर 1-0 की जीत के साथ ग्रुप जे में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन उसने तीसरे स्थान पर मौजूद बेल्जियम से दो मैच ज्यादा खेले हैं। (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के डिफेंडर संदेश झिंगन के गाल की हुई सर्जरी

एजेंसी, नई दिल्ली। स्टार भारतीय डिफेंडर संदेश झिंगन की गाल की हड्डी में फ्रैक्चर की सर्जरी सफल रही है। इंडियन सुपर लीग की उनकी टीम एफसी गोवा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह ताजिकिस्तान में सीएएफए नेशंस कप में खेलते समय चोटिल हो गए थे। झिंगन को एक सितंबर को ताजिकिस्तान के हिसोर में ईरान के खिलाफ भारत के ग्रुप मैच के दौरान चोट लगी थी। भारत वह मैच 0-3 से हार गया था और झिंगन बुधवार को स्वदेश लौट आए थे। एफसी गोवा के सीईओ रवि पुस्कुर ने बताया, ''हां, उनकी सर्जरी गुरुवार को हुई।'' सर्जरी के कारण इस दिग्गज खिलाड़ी का अगले महीने भारत के दो महत्वपूर्ण एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों में खेलना संदिग्ध हो गया है जो नौ अक्तूबर को सिंगापुर में और 14 अक्तूबर को मडगांव में खेले जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

यूएई को हराकर पाकिस्तान त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में पहुंचा

एजेंसी, शारजाह। फखर जमां के अर्द्धशतक के बाद लेग स्पिनर अबरार अहमद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए नौ रन देकर चार विकेट लिए, जिससे पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 31 रन से हराकर टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। फखर जमां ने अगले सप्ताह से शुरू होने वाले एशिया कप के पहले फॉर्म में वापसी करते हुए 44 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए, जो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का 15 मैचों के बाद पहला टी-20 अर्द्धशतक है। उनकी इस शानदार पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 171 रन बनाए। सीरीज का अपना पहला मैच खेल रहे अहमद ने इसके बाद यूएई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अपनी कैरम बॉल और गुगली से परेशान किया और उसे सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इस तरह से टीमों का अपने स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करने का सिलसिला लगातार पांचवें मैच में भी जारी रहा। यूएई की तरफ से सलामी बल्लेबाज अलीशान शराफू ने 51 गेंद पर सर्वाधिक 68 रन बनाए। (अनंत ज्ञान)

मिताली राज का खूबसूरत अंदाज

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज का जन्म 1982 में राजस्थान के जोधपुर में हुआ है। मिताली इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने की खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने करियर में 10 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं।

महिला एशिया कप हॉकी में शानदार आगाज, 11-0 से दी मात

भारतीय बेटियों ने थाईलैंड को धोया

एजेंसी, हांगझोउ (चीन)

उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को थाईलैंड को 11-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर, जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए।

इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुताजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे। वर्तमान में विश्व में नौवें स्थान पर काबिज भारत ने 30वें स्थान पर काबिज थाई टीम के खिलाफ पूल बी के मैच में हाफ टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी।

इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। दोनों पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर 4 की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। भारत इस टूर्नामेंट में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और शीर्ष ड्रैग फ्लिकर दीपिका के बिना उतरा है। यह दोनों चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रही है। एशिया कप विजेता टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी। थाईलैंड के बाद भारत अब शनिवार को जापान से भिड़ेगा। इसके बाद वह पूल चरण के अपने अंतिम मैच में आठ सितंबर को सिंगापुर का सामना करेगा। (अनंत ज्ञान)

दलीप ट्रॉफी : जगदीशन दोहरे शतक से चूके, दक्षिण क्षेत्र ने बनाए 536 रन

एजेंसी, बेंगलुरु

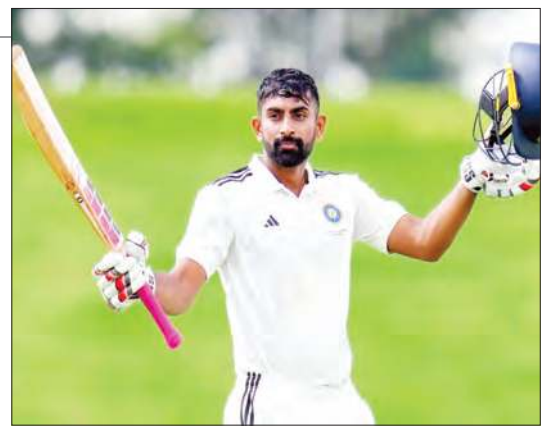

नारायण जगदीशन (197 रन) अपना दोहरा शतक पूरा करने से महज तीन रन से चूक गए जिससे दक्षिण क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में दूसरे दिन उत्तर क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में 536 रनों का प्रभावशाली स्कोर बनाया। जगदीशन ने रन आउट होने से पहले 352 गेंद में 16 चौके और तीन छक्के लगाए। दक्षिण के बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन टीम को सराहनीय स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे।

उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजों के पास अब पहली पारी में 537 के स्कोर तक पहुंचकर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरे दो दिन हैं। दिन की शुरुआत में दक्षिण के कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन (11) दूसरी ही गेंद पर भारत के मध्यम गति के गेंदबाज अंशुल कंबोज (24 ओवर में 67 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर आउट हो गए। रिकी भुई (54 रन) और जगदीशन ने पांचवें विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी निभाई।

जगदीशन अपनी रात के 13 चौके में केवल तीन चौके जड़ पाए थे कि तेजी से एक रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गए। लंच के बाद के सत्र में भुई ने पारी को संभाला, लेकिन स्पिनर निशांत सिंधु (125 रन देकर पांच विकेट) की गेंद पर बल्ले का किनारा छुआकर प्रतिद्वंद्वी टीम के कप्तान अंकित कुमार के हाथों कैच आउट हो गए। इसके बाद हैदराबाद के स्पिनर तनय त्यागराजन (58 रन) को इसके बाद तमिलनाडु के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह (29 रन) के रूप में एक अच्छा साथी मिला। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी करके दक्षिण क्षेत्र को 500 रन के पार पहुंचाया। (अनंत ज्ञान)

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जर्सी प्रायोजन की दरों में की बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी को अब प्रायोजित करना और महंगा हो जाएगा क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने द्विपक्षीय सीरीज के लिए दाम प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत और आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी।

रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ये आंकड़े मौजूदा दरों से थोड़े ज्यादा हैं। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। यह बदलाव ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के आने के बाद 'ड्रीम11' के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद हुआ है।

सरकार द्वारा हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम के प्रमुख प्रायोजक ड्रीम11 का अनुबंध रद्द कर दिया। यह संशोधन आगामी एशिया कप के समाप्त होने के बाद ही लागू होगा। बीसीसीआई को हालांकि 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। बोली के परिणाम के आधार पर अंतिम आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

उरुग्वे, कोलंबिया और पराग्वे ने विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी, मोंटेवीडियो। उरुग्वे, कोलंबिया और पराग्वे ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अपने अपने मुकाबले जीतकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अर्जेंटीना, ब्राजील और इक्वाडोर दक्षिण अमेरिका से पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। उरुग्वे ने पेरु को हराया, जबकि कोलंबिया ने बोलिविया को मात दी। कोलंबिया की टीम 2022 में कता में हुए विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी। अर्जेंटीना की टीम दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में शीर्ष पर है जिसने वेनेजुएला को 3-0 से हराया। इस जीत में लियोनेल मेस्सी ने दो गोल दागे। ब्राजील ने चिली को 3-0 से हराया और वह दूसरे स्थान पर है। (अनंत ज्ञान)

वुमंस वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

एजेंसी, ऑस्ट्रेलिया

महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का आगाज 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने वाला है। इसके लिए अब डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने दल की घोषणा कर दी है। बता दें कि स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हेली वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करती हुई नजर आएंगी। ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड काफी ज्यादा गजब का नजर आ रहा है। वे अपने टाइटल को डिफेंड करने के लिए उतरेंगी।

एलिसा हीली बनी कप्तान

2022 में ऑस्ट्रेलिया ने महिला वर्ल्ड कप जीता था, उस वर्ल्ड कप टीम के 15 में से 10 खिलाड़ी इस बार भी स्क्वाड में शामिल हैं। एलिसा हेली, एलिस पेरी, बेथ मूनी जैसे सभी स्टार खिलाड़ी इस बार भी वर्ल्ड कप में नजर आने वाले हैं। इसमें कोई दोहराय नहीं कि ऑस्ट्रेलिया इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने के लिए फेवरेट मानी जा रही है। क्रिकट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर शॉन फेग्लर ने कहा कि भारत में वर्ल्ड कप खेलना सबसे बड़ा असाइमेंट होता है, लेकिन हम अपनी टीम पर इस बड़े चैलेंज के लिए भरोसा करते हैं, जो अनुभव इस स्क्वाड ने पिछले कुछ सब कॉन्टिनेंट के दौरे और महिला प्रीमियर लीग खेलकर हासिल किया है, उससे मुश्किल भारतीय कंडीशंस को समझने में आसानी होगी। (अनंत ज्ञान)

महिला वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का शेड्यूल

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने वर्ल्ड कप के अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्तूबर को मैच खेलकर करेगी। इसके बाद 4 अक्तूबर को उनका मैच श्रीलंका से होगा। फिर 8 अक्तूबर को वे पाकिस्तान से भिड़ेंगे। इसके बाद 12 अक्तूबर को उनका मैच भारत के साथ होना है। 16 अक्तूबर को महिला वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश से भिड़ेगी। फिर 22 अक्तूबर को इंग्लैंड तो 25 अक्तूबर साउथ अफ्रीका से ऑस्ट्रेलिया का सामना होगा।

नाओमी ओसाका को हराकर अनिसिमोवा फाइनल में

एजेंसी, न्यूयॉर्क। अमांडा अनिसिमोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अनिसिमोवा ने दो घंटे 56 मिनट तक चले मैच में 6-7 (4), 7-6 (3), 6-3 से जीत दर्ज करके दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। अनिसिमोवा ने मैच के बाद कहा, ''यह बेहद कड़ा मुकाबला था और मुझे यकीन नहीं था कि मैं फिनिश लाइन पार कर पाऊंगी, लेकिन मैंने अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। मैं यह जीत हासिल करके बहुत खुश हूं।'' जब मैच खत्म हुआ तो अनिसिमोवा चिल्लाई, ''चलो आगे बढ़े।'' इसके बाद उन्होंने कोर्ट पर घुटने टेककर और आगे की ओर झुककर इस पल का आनंद लिया।

शनिवार को खिताब के लिए उनका सामना गत चैंपियन और मौजूदा नंबर एक एरिना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने गुरुवार को पहले सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को तीन सेटों में हराया था। अनिसिमोवा लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। उन्होंने जुलाई में विंबलडन के फाइनल में भी जगह बनाई थी, लेकिन इगा स्वियातेक से 6-0, 6-0 से हार गईं थी। अनिसिमोवा ने हालांकि अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में स्वियातेक को दो सेटों में हराकर उसका बदला चुकता कर दिया था। (अनंत ज्ञान)

द. अफ्रीका ने इंग्लैंड में 27 साल बाद जीती वनडे सीरीज

तीसरे मैच में 5 रन से हराया, ब्रीट्जके की लगातार पांचवें मैच में फिफ्टी

एजेंसी, लॉर्ड्स

इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच काफी रोमांचक रहा। दोनों टीमों के बीच ये मैच लॉर्ड्स में खेला गया, जहां साउथ अफ्रीका ने 5 रन से बाजी मारी और एक लंबा इंतजार खत्म किया। टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने सिर्फ इंग्लैंड को मैच नहीं हराया, बल्कि सीरीज में भी अजेय बढ़त बना ली। इसी के साथ टेम्बा बावुमा ने वो कारनामा कर दिखाया, जो पिछले 27 सालों में साउथ अफ्रीका का कोई भी कप्तान नहीं कर सका था। (अनंत ज्ञान)

इंग्लैंड की लगातार चौथी हार

दूसरी ओर, इंग्लैंड की टीम इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही है। 2023 वर्ल्ड कप के बाद से इंग्लैंड ने छह वनडे सीरीज में से केवल एक में जीत हासिल की है। वहीं, इस मैच में इंग्लैंड की हार उनकी लगातार चौथी वनडे हार थी। इंग्लैंड को इस सीरीज के दोनों मैचों से पहले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और 2023 में खेले वनडे वर्ल्ड कप में भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

टेम्बा बावुमा की कप्तानी में फिर रचा गया इतिहास

लॉर्ड्स में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 330 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मैथ्यू ब्रीट्जके की शानदार 85 रनों की पारी और ट्रिस्टन स्टब्स के साथ उनकी 147 रनों की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 325 रनों पर सिमट गई, जिसके चलते साउथ अफ्रीका ने 5 रनों से जीत हासिल की। यह जीत इसलिए भी खास थी, क्योंकि 1998 के बाद यह पहली बार था जब साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड में वनडे सीरीज जीती। इस बार टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका की टीम इस लंबे इंतजार को खत्म करने में कामयाब रही। टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने हाल ही में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था, जो 27 साल में उनका पहला बड़ा आईसीसी खिताब था. इसके कुछ ही महीनों बाद उन्होंने एक ओर बड़ा कारनामा कर दिखाया है। अब टेम्बा की नजर इस सीरीज को क्लीन स्वीप करने पर रहने वाली है।

फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी, राजगीर। फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया कप में शनिवार को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा। भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक हैं। कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जाएंगी और भारत के लिए एक ड्रॉ भी काफी होगा ।

चीन के खिलाफ करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया। हालांकि, शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरुआती गोल गंवा दिया, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है। सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाए। टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। (अनंत ज्ञान)

यूएस ओपन: युकी भांबरी-वीनस की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

एजेंसी, नई दिल्ली

युकी भांबरी का ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना टूट गया है। युकी को यूएस ओपन पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में हारने के बावजूद युकी ने इतिहास बना दिया। वह किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले भारत के चौथे टेनिस खिलाड़ी बने। यह किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में युकी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

युकी भांबरी और माइकल वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6 (2) 6-7 (5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दिल्ली के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और अंतिम चार तक के अपने सफर में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा, 'यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है. इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है।' (अनंत ज्ञान)

भांबरी सेमीफाइनल में हारकर भी रच गए इतिहास, लिएंडर पेस और महेश भूपति के क्लब में पहुंचे

गजब समोआ के लिए खेलेंगे टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर टूर्नामेंट, वहां का मिला पासपोर्ट

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने की संन्यास से वापसी

एजेंसी, न्यूजीलैंड

क्रिकेट में फैंस को कई बार ऐसा देखने को मिला है कि किसी खिलाड़ी ने अचानक से अपने रिटायरमेंट से वापसी की और बड़े टूर्नामेंट में अपना देश के लिए क्रिकेट खेला। इस बार ऐसा न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने ऐसा किया है। रॉस टेलर ने एक बार फिर से क्रिकेट में वापसी कर ली है, लेकिन न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम के लिए नहीं। रॉस टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 112 टेस्ट, 236 वनडे और 102 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वह अब किसी दूसरे देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। इस देश का नाम सामोआ है। (अनंत ज्ञान)

सामोआ से है खास नाता

आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, टेलर के पास अपनी मां की विरासत के कारण समोआ का पासपोर्ट है। उनकी मां सामोआ की थी। अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए अपना आखिरी गेम खेलने के बाद तीन साल के ब्रेक के बाद वे अपनी दूसरी नेशनल टीम के लिए खेलने के योग्य हो गए हैं। रॉस टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए सभी फॉर्मेट में 18,000 से अधिक रन बनाए हैं। इसमें ञ्20 इंटरनेशनल करियर में 122.37 की स्ट्राइक रेट से 1909 रन शामिल हैं।

वर्ल्ड कप के लिए रॉस टेलर का बड़ा फैसला

रॉस टेलर ओमान में होने वाले एशिया-पूर्वी एशिया-प्रशांत ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे। समोआ 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले वर्ल्ड कप में जगह बनाने की कोशिश करेगा। 41 साल के टेलर की वापसी से क्रिकेट जगत में उत्साह है। हालांकि, उनके लिए नए देश के लिए खेलना आसान नहीं होगा। रॉस टेलर को एशिया-पूर्वी एशिया-प्रशांत टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर के लिए समोआ की टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट आईसीसी मेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 तक पहुंचने का आखिरी मौका है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट 8 अक्तूबर 2025 से शुरू होगा।

टेलर ने कही बड़ी बात

रॉस टेलर ने इंस्टाग्राम पर अपनी वापसी की घोषणा की। उन्होंने इसे सिर्फ खेल में वापसी से बढ़कर बताया। उन्होंने कहा कि संन्यास से वापस आ रहा हूं। यह आधिकारिक है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मैं क्रिकेट में समोआ का प्रतिनिधित्व करूंगा। यह मेरे पसंदीदा खेल में वापसी से कहीं बढ़कर है। यह मेरी विरासत, संस्कृति, गांवों और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का एक बहुत बड़ा सम्मान है। टेलर ने आगे कहा कि मैं खेल को वापस देने, टीम में शामिल होने और मैदान पर और बाहर अपना अनुभव साझा करने के अवसर के लिए उत्साहित हूं।